@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 22 जुलाई 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 256 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सेना में अब तक भर्ती किए गए एक लाख अग्निवीर

नई दिल्ली, 21 जुलाई। भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल सी.बी. बोनप्पा ने रविवार को कहा कि बल में अब तक एक लाख अग्निवीर शामिल किए गए हैं। उन्होंने बताया कि उनमें से करीब 70 हजार को विभिन्न इकाइयों में तैनात किया गया है। उन्होंने यह भी जिक्र किया कि वर्ष 2024-25 में करीब 50 हजार रिक्तियां निकाली गई हैं और भर्ती प्रक्रिया जारी है। जनरल बोनप्पा ने बताया कि जून 2022 में योजना शुरू की गई। हमारे पास पहला बैच था, जिसे दिसंबर 2022 से जनवरी 2023 के बीच भर्ती किया गया था। करीब एक लाख अग्निवीरों को सेना में भर्ती किया गया है। इनमें करीब 200 महिलाएं भी शामिल हैं और लगभग 70 हजार को पहले ही विभिन्न बटालियों में भेजा जा चुका है। जहां वे बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें करीब 100 महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस साल 2024-25 में करीब 50 हजार रिक्तियां जारी की गईं। भर्ती प्रक्रिया जारी है। लेफ्टिनेंट जनरल बोनप्पा ने बताया कि वे सभी भर्ती होने वाले किसी भी अन्य सिपाहियों की तरह सभी परिचालन कार्यों और अन्य पेशेवर कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। वे एक ही वर्दी पहनते हैं और एक ही कर्तव्य निभाते हैं। इससे पहले भर्ती हुए अग्निवीरों की स्थिति को मजबूत करने के मकसद से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने उनके लिए विशेष भर्ती लाभों का एलान किया।

भारत में पहली बार विश्व धरोहर समिति की बैठक का आयोजन

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 21 जुलाई। नई दिल्ली में विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र की शुरुआत हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सत्र का उद्घाटन किया। आपको बता दें कि भारत में पहली बार विश्व धरोहर समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। भारत मंडपम में यह सत्र 21 जुलाई से 31 जुलाई तक चलेगा। इसमें 150 से अधिक देशों के 2000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इस दौरान केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने विश्व धरोहर समिति की बैठक में आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। शेखावत ने कहा कि पीएम मोदी ने इस सम्मेलन में आकर समारोह की गरिमा को बनाए रखने का काम किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'पीएम मोदी के नेतृत्व में बीते वर्ष जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसके बाद पूरी दुनिया का ध्यान भारत पर केंद्रित हो गया था। इससे विश्व का भारत के प्रति नजरिया बदला है। एक तरफ, इस सम्मेलन में आधुनिक ज्ञान और विज्ञान में भारत के कौशल का प्रदर्शन होगा। इसके साथ साथ भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली इतिहास से जुड़ी ऐतिहासिक धरोहरों और उनके रख-रखाव से जुड़े भारत सरकार के गंभीर प्रयासों को भी विश्व पटल पर दर्शाने में सफलता प्राप्त होगी। भारत अपनी सांस्कृतिक विविधताओं के लिए विश्व भर में

अलग स्थान रखता है।' विश्व धरोहर समिति की बैठक का अद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज भारत गुरु पूर्णिमा का पवित्र पर्व मना रहा है। मैं सभी देशवासियो× को अध्यात्म के इस वर्व की बधाई देता हूं। ऐसे अहम दिन आज विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र की शुरुआत हो रही है। भारत में यह आयोजन पहली बार हो रहा है। स्वाभाविक है कि मेरे सहित सभी देशवासियों को इसकी विशेष खुशी है। मैं इस अवसर पर पूरी दुनिया से आए अतिथियों का स्वागत करता हूं। खासतौर पर मैं यूनेस्को की महानिदेशक ऑद्रे अजोले का भी धन्यवाद अदा करता हूं। पीएम मोदी ने आगे कहा, 'मुझे विश्वास है कि हर वैश्विक आयोजन की तरह यह आयोजन भी भारत में सफलता के नए कीर्तिमान गढ़ेगा। अभी मैं विदेशों से वापस लाई गई प्राचीन धरोहरों की प्रदर्शनी भी देख रहा था। बीते वर्षों में हम भारत की 350 से अधिक प्राचीन धरोहरों को वापस लाए हैं। प्राचीन धरोहरों का वापस आना, ये वैश्विक उदारता और इतिहास के प्रति सम्मान के भाव को दिखाता है। जैसे जैसे तकनीक बढ़ेगी, इस क्षेत्र में शोध और पर्यटन की अपार संभावनाएं बनेंगी। विश्व धरोहर समिति का ये कार्यक्रम भारत के लिए एक गौरवशाली उपलब्धि से जुड़ा है। मुझे बताया गया है कि पूर्वोत्तर भारत के ऐतिहासक 'मोइदम' के यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होना प्रस्तावित है। यह भारत की 43वीं विश्व धरोहर और पूर्वोत्तर भारत की पहली धरोहर होगी, जिसे सांस्कृतिक धरोहर का दर्जा मिल रहा है।'

सर्वदलीय बैठक के बीच जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर साझा की जानकारी

नई दिल्ली, 21 जुलाई। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार को सर्वदलीय बैठक के बीच ही जानकारियों को सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किया। इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनकी आलोचना की। पार्टी ने कहा कि विपक्षी पार्टी को अगली बार अधिक अनुभवी व्यक्ति को भेजना पर विचार करना चाहिए। सर्वदलीय बैठक में जब चर्चा चल ही रहा थी, तभी रमेश ने एक्स पर लिखा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आज की सर्वदलीय बैठक में जदयू नेता ने बिहार को विषेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। वाईएसआरसीपी नेता ने आंध्र प्रदेश के लिए विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। अजीब बाद है कि तेदेपा नेता इस मामले पर चुप रहे। भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि इन सर्वदलीय बैठकों से जुड़े लोगों का एक निश्चित प्रोटोकॉल होता है। मीडिया ब्रीफिंग के बाद विचारों का स्वतंत्र और स्पष्ट आदान-प्रदान होता है। लेकिन जयराम रमेश की टाइमलाइन पर नजर डालें तो ऐसा लगता है कि वह बैठक के बीच ही (एक्स पर) पोस्ट कर रहे थे। उन्होंने कहा, कांग्रेस को इन बैठकों के लिए अगली बार अधिक अनुभवी व्यक्ति को भेजने पर विचार करना चाहिए। रमेश की पोस्ट में एक राजनीतिक कोण था, क्योंकि उन्होंने दो क्षेत्रीय दलों (इनमें से एक जदयू भाजपा की सहयोगी पार्टी है) की विशेष राज्य के दर्जे की मांगों पर प्रकाश डाला, जो केंद्र के लिए एक पेचीदा मसला है। कांग्रेस नेता ने भाजपा की एक अन्य सहयोगी पार्टी तेदेपा पर भी निशाना साधा।

नल्हड़ मंदिर में ब्रजमंडल यात्रा आज, जलाभिषेक को लेकर सुरक्षा सख्त

तेजिन्दर कौर बब्बर

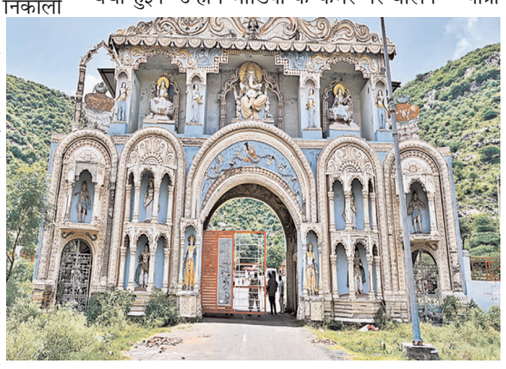

नूंह, 21 जुलाई। हरियाणा के नूंह स्थित नल्हड़ मंदिर तक ब्रजमंडल यात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान मंदिर पर भारी पुलिस बल तैनात रहेगा। सुरक्षा के मद्देनजर पहाड़ पर भी पुलिस की तैनाती रहेगी। बता दें कि ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा को कड़ी सुरक्षा के साथ सशर्त मंजूरी मिली है। पुलिस के अलावा पैरामिलिट्री फोर्स की भी तैनात की गई है। यात्रा में डीजे और हथियार ले जाने पर रोक है। मस्जिद, मदरसे व पीर के सामने नारेबाजी और भाषण बाजी पर रोक रहेगी। 22 जुलाई को निकलने वाली जलाभिषेक शोभायात्रा को लेकर आईजी रेवाड़ी रेंज ने रविवार को नलेश्वर शिव मंदिर का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ एसपी नूंह, एसपी पलवल डीएसपी तावडू सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे। नलेश्वर शिव मंदिर पर पहुंचकर आईजी रेवाड़ी ने देखा कि किस तरीके से सुरक्षा व्यवस्था इस बार यहां पर करनी है। इसके बारे में विस्तार से तकरीबन एक घंटे चर्चा हुई। उन्होंने मीडिया के कैमरे पर बोलने

से अभी मना कर दिया। इतना साफ है कि जिस तरह पिछले साल 31 जुलाई को ब्रज मंडल शोभा यात्रा के दौरान हिंसा हुई थी। वह हिंसा इस बार ना हो उसको लेकर पुलिस के इस वर्ष पुख्ता इंतजाम देखने को मिलेंगे। नलेश्वर शिव मंदिर से सुबह 10 बजे यह यात्रा शुरू होगी। इसके बाद फिरोजपुर झिरका के झिर मंदिर यात्रा पहुंचेगी और यात्रा का समापन शाम पांच बजे पुनहाना के सिंगार गांव के राधा कृष्ण मंदिर में होगा। यात्रा के जो भी रूट तैयार किए गए हैं उन रूट पर पुलिस के पुख्ता इंतजाम होंगे। पुलिस के साथ-साथ रैपिड एक्शन फोर्स भी यात्रा की सुरक्षा के लिए इस बार लगाई गई है। वहीं यात्रा को लेकर नलेश्वर मंदिर पर इस बार ड्रोन से वीडियोग्राफी कराई जाएगी। नूंह फिरोजपुर झिरका पुनहाना में ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी तैनात किए गए हैं। साथ-साथ नलेश्वर मंदिर के चारों तरफ अरावली पर्वत है तो उसे पर भी पुलिस के जवान सुरक्षा के रूप में मौजूद रहेंगे। अब देखना यह है कि 22 जुलाई को शोभायात्रा आएगी और किस तरीके से पुलिस अपनी सुरक्षा घेरे के बीच में इस बार यात्रा को कामयाब करेगी। वहीं मंदिर की देखरेख कर रहे सरदार जी एस मलिक ने कहा कि जलाभिषेक यात्रा को लेकर पूरी तरह से तैयारी की हुई है।

नहीं बदला जाएगा बीजू पटनायक खेल पुरस्कार का नाम

भुवनेश्वर, 21 जुलाई। ओडिशा सरकार बीजू पटनायक खेल पुरस्कार का नाम नहीं बदलेगी। खेल पुरस्कार का नाम बदले जाने के मुद्दे पर राज्य सरकार के खिलाफ विपक्ष की आलोचना के बाद सीएम मोहन चरन माझी ने रविवार को यह एलान किया। उन्होंने कहा कि पुरस्कार से बीजू पटनायक का नाम हटाने का फैसला अनौपचारिक है। शुक्रवार को खेल और युवा सेवा विभाग ने अवार्ड का नाम राज्य क्रीडा सम्मान किए जाने को लेकर गाइडलाइन जारी की थी। सीएम माझी ने कहा कि हमारी सरकार धरती पुत्रों का सम्मान करती है। इसलिए बीजू पटनायक खेल पुरस्कार के नाम में कोई बदलाव नहीं होगा। बीजू पटनायक का राज्य और देश के लिए दिया गया योगदान अविस्मरणीय है। बीजू पटनायक खेल पुरस्कार पहले की तरह ही रहेगा। वहीं पुरस्कार का नाम बदलने के मुद्दे पर बीजू पटनायक के बेटे और पूर्व सीएम नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजेडी ने भाजपा सरकार पर हमला बोला था। बीजेडी के वरिष्ठ विधायक अरुन साहू ने ने कहा था कि विमान चालक और राज्य के पूर्व सीएम बीजू पटनायक केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि संस्थान थे। वे राष्ट्रीय संपत्ति थे। जिनको अलग-अलग देशों ने सम्मानित किया था। भाजपा सरकार उनका नाम खेल पुरस्कार से हटाकर क्या साबित करना चाहती है। इसका जवाब देते हुए भाजपा प्रवक्ता दिलीप मल्लिक ने कहा था कि राज्य सरकार ने जांच करने के बाद यह फैसला लिया है। केवल बीजू पटनायक ही नहीं कई अन्य दिग्गजों और खेल हस्तियों ने राज्य के खेल के विकास में योगदान दिया है। बता दें कि बीजू पटनायक खेल पुरस्कार 2001-2002 में पूर्व बीजेडी सरकार में नवीन पटनायक ने शुरू किया था।

कांवड़ यात्रा में नेमप्लेट विवाद पर संसद में होगा हंगामा

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 21 जुलाई। सोमवार 22 जुलाई से शुरू हो रहा संसद का बजट सत्र खासा हंगामेदार हो सकता है। विपक्ष सरकार को यूपी और उत्तराखंड सरकार द्वारा कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानदारों के अपनी नेमप्लेट लगाने के मुद्दे पर घेर सकता है। इसके साथ-साथ विपक्ष सरकार को महंगाई बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर भी घेर सकता है। एनडीए के कुछ सहयोगियों ने भी कुछ मुद्दों पर असहमति जताई है, लिहाजा सरकार को बजट सत्र में परेशानी का सामना भी करना पड़ सकता है। 23 जुलाई को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश करेंगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी केंद्र सरकार पर हमेशा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस के निर्देश पर चलने के आरोप लगाते रहे हैं। नौ जुलाई को ही केंद्र सरकार ने एक आदेश जारी कर सरकारी कर्मचारियों द्वारा आरएसएस की गतिविधियों में हिस्सा लेने पर प्रतिबंध हटा लिया है। ऐसे में राहुल गांधी को केंद्र सरकार पर हमला करने का एक और बड़ा कारण मिल सकता है। इस मुद्दे पर केंद्र और विपक्ष में जोरदार टकराव देखने को मिल सकता है। पिछले सत्र में आम आदमी पार्टी ने अपने नेताओं को राजनीतिक कारणों से जेल में डालने का आरोप लगाते हुए विरोध किया था। चूंकि, इस बार आम आदमी पार्टी यह आरोप लगा रही है कि केजरीवाल को जेल में जान का खतरा है और उनके स्वास्थ्य को गंभीर खतरा है, आप नेता इसे लेकर भी केंद्र सरकार पर हमला बोल सकते हैं।

एकजुट होकर राज्य को उद्योग के लिए बनाए प्रमुख स्थान: शरद पवार

पुणे, 21 जुलाई। राकांपा (सपा) प्रमुख शरद पवार ने लोगों से एकजुट होकर महाराष्ट्र को व्यापार और उद्योग के लिए प्रमुख स्थान बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार यहां आईटी क्षेत्र लेकर आई, हमने यहां युवाओं को रोजगार दिया।। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता माधवराव किन्हालकर शनिवार को

राकांपा (एसपी) में शामिल हो गए। किन्हालकर 1990 से 1995 के बीच शरद पवार के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार में गृह राज्य मंत्री थे। मूल रूप से कांग्रेस नेता, उन्होंने विधायक के रूप में नांदेड़ जिले के भोकर का प्रतिनिधित्व किया है। पिंपरी-चिंचवाड़ में एनसीपी (सपा) की एक रैली आयोजित हुई। शनिवार को कार्यक्रम में शरद पवार ने बताया कि कैसे पुणे शहर के बाहरी इलाके में स्थित यह क्षेत्र राज्य के पहले मुख्यमंत्री स्वर्गीय वाई बी चव्हाण की पहल के कारण एक औद्योगिक केंद्र के रूप में उभरा। बता दें कि इस साल अक्टूबर में महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने हैं। शरद पवार ने कहा कि पिंपरी-चिंचवाड़ एक ऑटोमोबाइल केंद्र के रूप में विकसित हुआ उसके बाद फिर पुणे जिले के हिंजेवाड़ी, चाकन और अन्य क्षेत्र आईटी केंद्र के रूप में उभरे। शरद पवार ने कहा, विकास रुकना नहीं चाहिए। हमें राज्य को व्यापार और उद्योग के लिए एक प्रमुख स्थान बनाने के लिए एक साथ आना होगा। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार ने पिंपरी चिंचवाड़ की सूरत बदल दी। यह छोटे-छोटे गांवों का समूह हुआ करता था। हम यहां आईटी क्षेत्र लेकर आए, हमने यहां युवाओं को रोजगार दिया।

चंद्रयान-3 को मिलेगा विश्व अंतरिक्ष सम्मान

मुंबई, 21 जुलाई। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग कर इतिहास बनाने और दुनियाभर में भारत का परचम लहराने वाले चंद्रयान-3 को विश्व अंतरिक्ष सम्मान से नवाजा जाएगा। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री महासंघ ने पुरस्कार की घोषणा करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक उपलब्धि है। चंद्रयान-3 को यह पुरस्कार 14 अक्तूबर को इटली के मिलान में होने वाले 75वें अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री सम्मेलन के दौरान दिया जाएगा। चंद्रयान-3 ने 23 अगस्त 2023 को चंद्रमा पर सफल लैंडिंग की थी। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री महासंघ ने कहा कि भारत के अलावा अब तक अमेरिका, रूस और चीन ने चंद्रमा पर लैंडिंग की है। वहीं इसरो का मिशन चंद्रयान 3 वैज्ञानिक प्रयोग और लागत प्रभावी इंजीनियरिंग का अनूठा उदाहरण है। यह भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण की विशाल क्षमता का प्रतीक है। फेडरेशन ने कहा कि चंद्रयान -3 ने चंद्रमा की संरचना और भूविज्ञान के अनदेखे पहलुओं को उजागर किया। यह मिशन नए प्रयोगों के लिए वैश्विक उपलब्धि है। चंद्रयान 3 ने कई उपलब्धियां हासिल कीं। इसका प्रपल्शन मॉडल परमाणु प्रोद्यौगिकी द्वारा संचालित था जो अंतरिक्ष और परमाणु क्षेत्र के बीच सफल समन्वय था। भारत की तरफ से भेजे गए चंद्रयान-3 ने 23 अगस्त 2023 को चंद्रमा की दक्षिणी सतह पर सफल लैंडिंग की थी। देश के इतिहास में यह गौरव का क्षण था। चंद्रयान 3 मिशन की सफलता के पीछे ढ्ढस्क्रह्र में इसके प्रोजेक्ट डायरेक्टर पी वीरामुथुवल और उनकी टीम ने दिन-रात एक कर दिया था।

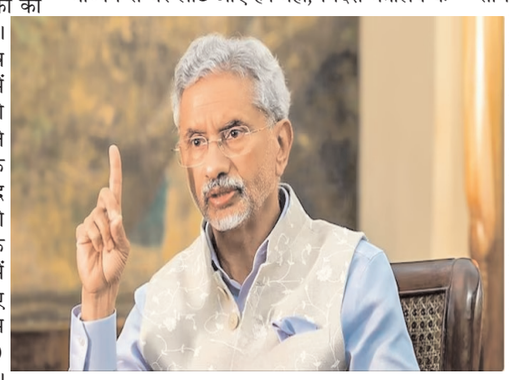

बांग्लादेश से आने वाले भारतीय नागरिकों को पूरी सुरक्षा दी जाएगी: जयशंकर

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली/ढाका , 21 जुलाई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि विदेश मंत्रालय (एमईए) बांग्लादेश में रह रहे भारतीय नागरिकों को पूरी तरह सुरक्षा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा कि लगभग 1,000 भारतीय छात्र बांग्लादेश से भारत लौट आए हैं। पड़ोसी देश में जारी हिंसा में 90 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। सोशल मीडिया पोस्ट में जयशंकर ने लिखा, बांग्लादेश में भारतीय नागरिकों के परिवारों और शुभचिंतकों को सुरक्षा और मदद देना हमारी प्राथमिकता है। जयशंकर ने आगे कहा, विदेश मंत्रालय बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच भारतीय नागरिकों की घर वापसी में सहायता कर रहा है। सुरक्षित यात्रा के लिए विदेश मंत्रालय नागरिक उड्डयन, आव्रजन, भूमि बंदरगाहों और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) अधिकारियों के साथ भी समन्वय कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश में भारतीय मिशन भारतीय नागरिकों और छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ नियमित संपर्क में हैं। अब तक, 778 भारतीय छात्र विभिन्न भूमि बंदरगाहों के माध्यम से भारत लौट आए हैं। इसके अलावा, लगभग 200 छात्र ढाका और चटगांव हवाई अड्डों से नियमित उड़ान सेवाओं के माध्यम से घर लौट आए हैं। वहीं, विदेश मंत्रालय के

प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेश में कुल भारतीय नागरिकों की संख्या लगभग 15,000 होने का अनुमान है। ढाका में भारतीय उच्चायोग और चटगांव, राजशाही, सिलहट और खुलना में सहायक उच्चायोग भारतीय नागरिकों की घर वापसी में सहायता कर रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय में, उच्चायोग और सहायक उच्चायोगों द्वारा भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ सीमा पार बिंदुओं तक सुरक्षित यात्रा की सुविधा के लिए उपाय किए जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय उच्चायोग और सहायक उच्चायोग बांग्लादेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में बचे 4,000 से अधिक छात्रों के साथ नियमित संपर्क में हैं और आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं। नेपाल और भूटान के छात्रों को भी अनुरोध पर भारत में प्रवेश करने में सहायता की गई है। मेघालय के पश्चिमी जैंतिया हिल्स जिले में डावकी एकीकृत जांच चौकी के माध्यम से हिंसा प्रभावित बांग्लादेश से शनिवार को कुल मिलाकर 284 और लोग भारत में दाखिल हुए। अधिकारियों ने बताया कि उनमें से 168 नेपाल से और 115 भारत से हैं, जिनमें मेघालय के आठ और कनाडा का एक छात्र शामिल है। गृह विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, पिछले तीन दिनों में, भारत, नेपाल और भूटान से कुल 953 लोग, जिनमें ज्यादातर छात्र हैं, और एक कनाडा से है, वहां आंदोलन के कारण बांग्लादेश से डाउकी आईसीपी के माध्यम से देश में आए हैं।

रीवा में दो महिलाओं को जिंदा दफन करने की कोशिश

रीवा, 21 जुलाई। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में दबंगों द्वारा दो महिलाओं को जिंदा दफनाने का मामला सामने आया है। ये महिलाएं निजी जमीन पर जबरन सड़क निर्माण का विरोध कर रही थीं। हालांकि समय रहते दोनों महिलाओं को बाहर निकाल लिया गया है। तीन लोगों पर मामला दर्ज कर लिया गया है। एक की गिरफ्तारी भी हो गई है। जानकारी के अनुसार बता दें कि घटना रीवा जिले के मनगवां थाना क्षेत्र के गगेव चौकी अंतर्गत हिनौता जोरौट गांव की है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कांग्रेस नेता ने भी इसे शेयर कर सवाल उठाए हैं। बता दें कि निजी जमीन पर सड़क बनाने की कोशिश की जा रही थी। इसी बात का आशा पाण्डेय और ममता पाण्डेय सहित अन्य महिलाएं विरोध कर रहे थीं। जैसे ही सड़क पर मुरम डालने के लिए डंपर आगे बढ़ा, तो महिलाएं उसके पीछे खड़ी हो गईं। उसी दौरान डम्पर चालक ने मुरम से भरी ट्रॉली इन महिलाओं के ऊपर खोल दी और महिलाएं मुरम के नीचे दब गईं। ग्रामीणों की मदद से मुरम में दबी महिलाओं को बाहर निकाला गया। मुरम से निकलने में थोड़ी भी देरी होती तो महिलाओं की मौत हो सकती थी। एएसपी विवेक लाल ने बताया कि मामला सामने आया है। सड़क निर्माण का महिलाएं विरोध कर रही थीं। उसी दौरान मुरम में दब गईं। थाने में शिकायत दर्ज की गई है। इस पूरे मामले की पुलिस जांच कर रही है। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। जानकारी सामने आई है कि तीन लोगों पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने बताया कि यह एक पारिवारिक विवाद है। इस प्रकरण में पुलिस ने डंपर को जब्त कर लिया है। आरोपी विपिन पांडेय को पुलिस ने हिरासत में लिया है, वहीं दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। महिलाओं का भी अस्पताल में उपचार कराया गया, जहां से उन्हें छुट्टी दे दी गई है। पुलिस की ओर से जानकारी दी गई कि हिनोता कोठार में जमीनी विवाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था, इसकी सूचना मिलते ही पुलिस बल को मौके पर पहुंचा। यहां फरियादी आशा पांडेय पति सुरेश पाण्डेय (25 वर्ष) ने पुलिस को बताया कि उनका ससुर गौकरण पांडेय से साझे की जमीन को लेकर रास्ता निकलने को लेकर विवाद है। शनिवार दोपहर करीब 2 बजे गौकरण पांडेय और देवर विपिन पांडेय विवादित जमीन पर सड़क बनवाने के लिए हाइवा से मुरुम लेकर आए।

देश में भ्रष्टाचार के सरगना हैं शरद पवार: अमित शाह

नरेश मल्होत्रा

पुणे, 21 जुलाई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के पुणे में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने दावा किया कि आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी बड़ी जीत हासिल करेगी। शाह ने कहा, 'मैं आज कहने आया हूं कि 60 वर्ष के बाद पहली बार देश में किसी नेता को तीसरी बार प्रधानमंत्री की शपथ लेने का यश मिला है, तो वे नरेंद्र मोदी हैं। हमने 2024 में महाराष्ट्र में बड़ी जीत हासिल करनी है। विपक्ष ने देश में भ्रांति फैलाने का काम किया है।' अमित शाह ने कहा, 'मैंने राजनीतिक जीवन में कई जय-पराजय देखे। परंतु, मैंने यह भी देखा कि कई लोग जीतने के बाद अहंकारी हो जाते हैं। जीतने के बाद अंहकार आने के सैकड़ों उदाहरण आपको दुनियाभर की राजनीति में मिल जाएंगे। लेकिन एक अनूठा उदाहरण राहुल गांधी दुनिया को दे रहे हैं। वो हारने के बाद अहंकारी हो गए हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा को 240 सीटें में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को 300 सीटें मिलीं और विपक्षी गठबंधन इंडिया को एकजुट होकर भी 240 सीटें नहीं मिलीं हैं। इस चुनाव में देश की जनता ने नरेंद्र मोदी के 10 वर्ष के शासन पर मुहर लगाई है।' इस दौरान अमित शाह ने कहा, 'हमारे कार्यकर्ताओं ने जोर शोर से काम किया लेकिन मन में एक कसक रह गई है। कसक रह गई है तो सिर पकड़कर नहीं बैठते हैं। नए लक्ष्य तय करते हैं और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर इस कसक को पूरा करने का काम करेंगे। ये याद रखें कि लोकसभा चुनाव में तीसरी बार हमारा गठबंधन पूर्ण बहुमत लेकर निकला है। कार्यकर्ता को हताश होने की जरूरत नहीं है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का परिणाम सुनिश्चित है। इस विधानसभा चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी विजय हासिल करेगी।' केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि 'आज हमें संकल्प लेना होगा कि हम किस पार्टी के कार्यकर्ता हैं। हम सत्ता प्राप्त करने के लक्ष्य के लिए निकले हुए लोग नहीं हैं। हम एक विचारधारा को लेकर राजनीति के मैदान में आए हैं। बीते दस वर्षों में विचारधारा के क्षेत्र में हमने क्या प्राप्त किया? हमारी विचारधारा थी कि एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे। कई लोग कहते थे कि कश्मीर में अनुच्छेद 370 नहीं होनी चाहिए। भारजा ने दस

वर्षों के शासन में यह कर दिखाया और कश्मीर को हमेशा के लिए भारत में जोड़ दिया। कोई नहीं मानता था कि रामजन्म भूमि में भव्य मंदिर बनेगा। इन दस वर्षों में हमने धड़ल्ले के साथ रामलला को प्राण प्रतिष्ठा के साथ राम मंदिर में स्थापित किया।' कांग्रेस पार्टी के नेता देश में भ्रम फैला रहे हैं कि वे दलितों, गरीबों का कल्याण करेंगे। मैं पूछना चाहता हूं कि 58 वर्ष तक आपने गरीबों के लिए क्या किया? बीते दस वर्षों में हमने गरीबों का कल्याण किया। विपक्षी नेताओं ने भ्रम फैलाया कि भारतीय जनता पार्टी आरक्षण समाप्त कर देगी। हम जवाब देने में कहीं कहीं संकोच करने लगे तो लोगों के मन में भ्रांति पैदा हुई मैं कहना चाहता हूं पूर्ण बहुमत होने के बाद भी पीएम मोदी ने आरक्षण को बल देने का काम किया है। विपक्षी नेताओं ने संविधान को लेकर भी भ्रांति फैलाई। अमित शाह ने इस दौरान विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेता शरद पवार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, अब महाराष्ट्र में चुनाव है और विपक्षी नेता शरद पवार नए नए प्रकार की भ्रांतियां फैला रहे हैं। मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि जब जब भाजपा महाराष्ट्र में आती है, तो मराठा समुदाय को आरक्षण दिया जाता है। जब शरद पवार की सरकार आती है तो मराठा आरक्षण गायब हो जाता है। 2014 में महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आया और मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया।

त्रिशुली नदी में लापता बस और यात्रियों को खोजने के लिए नेपाल पहुंची भारतीय एनडीआरएफ टीम

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की त्रिशुली नदी में 10 दिन पूर्व गिरी दो यात्री बसों और उसमें सवार यात्रियों को ढूंढने के लिए भारत की नेशनल डिजास्टर रेस्पांस फोर्स (एनडीआरएफ) टीम नेपाल पहुंच गई है और रविवार सुबह से रेस्क्यू ऑपरेशन की कमान संभाल ली है। एनडीआरएफ ने चितवन के सिमलताल में त्रिवेणी नदी के दुर्घटनास्थल से अपने रेस्क्यू ऑपरेशन की शुरुआत की है। रविवार की सुबह तक दोनों बसों में सवार 65 यात्रियों में से अब तक 25 यात्रियों का शव बरामद किये जा चुके हैं, जिसमें 17 शवों की पहचान हुई है। एनडीआरएफ के अधिकारी कुणाल तिवारी के नेतृत्व में 12 सदस्यों की टोली ही दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र में पहुंची थी। नेपाल के सशस्त्र प्रहरी बल के साथ मिल कर एनडीआरएफ की टीम नदी के उस क्षेत्र में भी जाने की योजना बना रही है, जो अत्यधिक गहरा और जोखिमयुक्त है। एनडीआरएफ का नेतृत्व कर रहे कमांडिंग ऑफिसर कुणाल तिवारी ने कहा कि नेपाल के गोताखोरों के साथ एनडीआरएफ की गोताखोर की टीम अत्याधुनिक तकनीक के जरिए आज से बसों और लापता यात्रियों के बारे में पता लगाने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि गहरे पानी में डूबी वस्तुओं और शवों का पता लगाने वाली कुछ अत्याधुनिक मशीने भी वो अपने साथ लेकर आए हैं, जिससे यहां रेस्क्यू करने में काफी मदद मिलेगी।

बांग्लादेश छोड़ने वाले नेपाली नागरिकों की संख्या हजार से ऊपर, भारत होकर नेपाल पहुंचने वालों की संख्या अधिक

एजेंसी

काठमांडू। बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शन के कारण जनजीवन अस्तव्यस्त होने के बाद देश छोड़ने वाले नेपाली छात्रों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। वापस आने वालों में ढाका सहित बांग्लादेश के कई प्रमुख शहरों में मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों की संख्या अधिक है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने रविवार सुबह तक करीब एक हजार से अधिक छात्रों के सुरक्षित नेपाल वापसी की जानकारी दी है। मंत्रालय का कहना है हवाई मार्ग से अधिक भारत के रास्ते सिलीगुड़ी होते हुए नेपाल आने वीले छात्रों की संख्या अधिक है। बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शन शुरू होने के साथ ही विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउवा खुद इन पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रालय में एक अलग डेस्क बनाकर बांग्लादेश में रह रहे अपने नागरिकों की सहायता के लिए चौबीस घंटे के हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। विदेश मंत्री देउवा ने बताया कि बांग्लादेश में रहे नेपाली दूतावास वहां से हमारे छात्रों को सुरक्षित निकालने के लिए सभी उपाय कर रहा है। लगातार सूचना देकर सभी छात्रों को दूतावास से संपर्क करने को कहा गया है। विदेश मंत्री के मुताबिक विशेष विमान भेज कर छात्रों को लाने का प्रयास भी चल रहा है।

कर्फ्यू के बावजूद थम नहीं रही हिंसा, आरक्षण विरोधी आंदोलन में अबतक 114 की मौत

ढाका। व्यापक स्तर पर कर्फ्यू और सख्त प्रावधानों के बावजूद बांग्लादेश में जारी आरक्षण विरोधी आंदोलन की आग फैलती जा रही है। हालत यह है कि राजधानी ढाका में हुए हिंसक टकराव में 10 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 90 लोग घायल हो गए। मरने वालों में दो पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। देश की राजधानी सहित अलग-अलग हिस्सों में आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान व्यापक स्तर पर हिंसक घटनाओं को देखते हुए पुलिस ने राजधानी के कई हिस्सों में सख्त कर्फ्यू लगा दिया। पुलिस को उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश दिया गया है। इसके बावजूद हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही। बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान मंगलवार से शुरू हुई हिंसा में अबतक करीब 114 लोगों की मौत हो चुकी है। लगातार बिगड़ती हालत के बाद सरकार ने शुक्रवार आधी रात से कर्फ्यू घोषित कर दिया और देशभर में सेना की तैनाती की। प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार ने रविवार और सोमवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया और केवल आपातकालीन सेवाओं के संचालन की अनुमति दी गई। इससे पहले बुधवार से सभी तरह के शिक्षण संस्थान बंद कर दिए गए थे।

पाकिस्तानी एजेंसियों ने इमरान की पार्टी पर ढाया कहर, पीटीआई के चार सदस्यों का किया अपहरण

लाहौर। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पर गुप्तचर एजेंसियों ने नया कहर ढाया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) की मीडिया शाखा के चार सदस्यों को गुप्तचर एजेंसियों ने हिरासत में ले लिया। पीटीआइ ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया कोआर्डिनेटर अहमद जांजुआ और इंटरनेट मीडिया टीम के अन्य तीन सदस्यों का सुबह अपहरण कर लिया गया। पीटीआइ द्वारा जारी सीसीटीवी फुटेज में जांजुआ को सादे कपड़े में आए लोगों द्वारा हिरासत में लेते देखा गया है। पीटीआइ ने कहा कि पिछले दो सप्ताह में पार्टी इंटरनेट मीडिया टीम पर कड़ा प्रहार किया गया है। पीटीआइ ने उच्चतर न्यायपालिका से प्रधानमंत्री शहबाज सरकार को मीडिया शाखा के लापता लोगों को रिहा करने का आदेश देने का आग्रह किया है।

मिसाइल हमले में गर्भवती ने तोड़ा दम, डॉक्टरों ने की शव की सर्जरी, बचाई नवजात की जान

एजेंसी

गाजा। गाजा पट्टी पर हुए इस्राइली हमले में एक गर्भवती महिला की मौत हो गई। डॉक्टरों ने आनन फानन शव की सर्जरी कर नवजात को बचा लिया। इस्राइल की ओर से किए गए मिसाइल हमलों में 24 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। इसमें छह लोग एक परिवार के थे। मध्य गाजा क्षेत्र के एक शरणार्थी शिविर पर इस्राइल ने मिसाइल से हमला किया था। गाजा के एक अस्पताल ने बताया कि नौ महीने की गर्भवती ओला अदनान हर्ब अल कुर्द मिसाइल हमलों में घायल हो गई थी। जब तक वह अस्पताल पहुंची, तब तक उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने बताया कि जब गर्भवती का अल्ट्रासाउंड किया गया तो पता चला कि बच्चे की धड़कन चल रही है। सर्जन ने बताया कि इस पर तत्काल सिजेरियन प्रसव किया गया और बच्चे को निकाला गया। स्त्री रोग विभाग की प्रमुख राएद अल सऊदी ने बताया कि नवजात बच्चे की हालत काफी गंभीर थी। उसे तत्काल ऑक्सीजन और इलाज मुहैया कराया गया। इसके

बाद उसकी हालत ठीक हुई। बच्चे को अल बलाह के अल अक्सा अस्पताल रेफर कर दिया गया है। बताया गया कि इस्राइल की ओर से लगातार किए जा रहे हमलों में गाजा पट्टी में लोगों की मौत हो रही है। चारों तरफ तबाही मची है।हमास ने सात अक्तूबर को इस्राइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इस्राइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इस्राइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इस्राइल और गाजा में कुल मिलाकर 38000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

ताइवान ने दक्षिण चीन सागर पर फिलीपींस, वियतनाम के दावों को खारिज किया

एजेंसी

ताइपे । ताइवान के विदेश मंत्रालय ने दक्षिण चीन सागर के विवादित क्षेत्र में विस्तारित महाद्वीपीय शेल्फ पर फिलीपींस और वियतनाम के दावों को खारिज कर दिया है। इससे दक्षिण चीन सागर में तनाव बढ़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ताइवान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों की कार्रवाईयां ताइवान की संप्रभुता और अंतर्राष्ट्रीय और समुद्री कानूनों का उल्लंघन करती हैं।

ताइवान के दावे के बाद दक्षिण चीन सागर में बढ़ सकता है तनाव

ताइवानी विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'दोनों देशों द्वारा किए गए दावे 'अस्वीकार्य' हैं और दक्षिण चीन सागर में अपने द्वीपों पर रिपब्लिक ऑफ चाइना (ताइवान) के संप्रभु अधिकारों पर जोर दिया।

हालांकि, ताइवान ने यह भी कहा कि ताइवान अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ 'परामर्श के आधार पर' दक्षिण चीन सागर से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए तैयार है।

वियतनाम और फिलीपींस ने किया था दावा

दावा किया था। वियतनाम और फिलीपींस अपने तटों से 200 समुद्री मील तक महाद्वीपीय शेल्फ की मांग कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में भी ये मांग की गई है। दक्षिण चीन सागर क्षेत्र

वियतनाम ने दक्षिण चीन सागर में महाद्वीपीय शेल्फ की सीमाओं पर अपना दावा जताया। जिसके बाद ताइवान के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर वियतनाम के दावे को सिरे से खारिज कर दिया है। एक महीने पहले फिलीपीं ने भी इस तरह का पहले ही चीन के दबदबे के चलते तनाव से जूझ रहा है और चीन, ताइवान के साथ ही फिलीपींस, ब्रूनेई, मलेशिया, वियतनाम और इंडोनेशिया समेत कई देशों ने दक्षिण चीन सागर के विवादित जल में दावे किए हैं।

पिछले एक सप्ताह में चीन में भारी बारिश के कारण बाढ़, अब तक 20 की मौत, 60 से अधिक लापता

एजेंसी

दक्षिण-पश्चिमी चीन। उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी चीन में अचानक बाढ़ आने से लगभग 20 लोगों की मौत हो गई, कई लोग लापता हैं। पिछले सप्ताह हुई भारी बारिश के कारण यहां बाढ़ आई है, यही नहीं एक दिन पहले पुल ढहने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। चीन में अचानक बाढ़ आने से स्थिति गंभीर हो गई है। बाढ़ से 20 लोगों की मौत की खबर आ रही है। वहीं दर्जनों लोग लापता हो गए हैं। वहीं बीते रोज बाढ़ के कारण एक पुल भी ढह गया था। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि वह पुल के पास पहुंच गया था, लेकिन अन्य वाहन चालकों के चिल्लाने की आवाज आई वे मुझे ब्रेक लगाने और कार रोकने के लिए कह रहे थे। उपनाम मेंग ने बताया कि मेरे सामने एक ट्रक नहीं रुका और पानी में गिर गया। वहीं मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने लापता लोगों को ढूंढने के लिए बचाव और राहत प्रयास करने का आग्रह किया है। इसी बीच दक्षिण-पश्चिमी सिचुआन प्रांत के याआन कस्बे में रातभर भयंकर तूफान के कारण आई बाढ़ के बाद 30 से अधिक लोग

लापता बताए हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तक आठ शव बरामद कर लिए गए थे, जबकि चार लोगों को बिना गंभीर चोट के बचा लिया गया।

वहीं शुक्रवार को शांक्सी के बाओजी शहर में बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन के कारण कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और आठ लापता हो गए। मीडिया रिपोर्ट में कीचड़ भरे पानी से पूरी तरह घिरे इलाकों की तस्वीरें प्रसारित की गई। जहां खुदाई करने वाले और निवासी नुकसान को साफ करने का प्रयास कर रहे हैं। मध्य चीन में शांक्सी के पड़ोसी अर्ध-रेगिस्तानी प्रांत गांसू और हेनान भी इस सप्ताह भारी बारिश से प्रभावित हुए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चीन इस समय अत्यधिक गर्मी का सामना कर रहा है, जहां पूर्व और दक्षिण में भारी बारिश हो रही है, जबकि उत्तर का अधिकांश भाग लगातार गर्म लहरों की चपेट में है।

जलवायु परिवर्तन के कारण पहले भी हुए हादसे

जलवायु परिवर्तन, जिसके बारे में वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण यह और भी अधिक गंभीर हो गया है, ऐसी चरम मौसमी घटनाओं को अधिक बार-बार तथा अधिक तीव्र बना रहा है। मई में, दक्षिणी चीन में कई दिनों की बारिश के बाद एक राजमार्ग ध्वस्त हो गया, जिसमें 48 लोग मारे गये। वहीं इस माह, पूर्वी चीन के एक कस्बे से एक बवंडर गुजरा, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, 79 घायल हो गए तथा भारी क्षति हुई। इस सप्ताह दो उष्णकटिबंधीय चक्रवात चीन के पूर्वी समुद्र तट पर तूफान और भारी वर्षा लेकर आएंगे, जिनमें से पहला रविवार को भूस्खलन करेगा, जबकि सप्ताहांत में देश के आंतरिक भागों में घातक बाढ़ आई थी। राष्ट्रीय पूर्वानुमानकर्ताओं ने इसका नाम प्रपिरून रखा है। रविवार रात को एक शक्तिशाली उष्णकटिबंधीय तूफान के रूप में चीन के सुदूर दक्षिणी द्वीप प्रांत हैनान में दस्तक देगा।

पाकिस्तान ने इस्राइली प्रधानमंत्री को बताया आतंकवादी, यहूदी देश के उत्पादों पर भी लगाया प्रतिबंध

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सरकार ने कहा है कि वह इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को आतंकवादी मानती है। पाकिस्तान ने मांग की कि फलस्तीनियों के खिलाफ युद्ध अपराध के लिए नेतन्याहू को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के राजनीति और सार्वजनिक मामलों पर सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा कि नेतन्याहू एक आतंकवादी हैं और युद्ध अपराध के दोषी हैं।

तहरीक ए लब्बेक पार्टी के हजारों समर्थकों ने किया विरोध प्रदर्शन

राणा सनाउल्लाह ने कहा कि पाकिस्तान में ऐसी कंपनियों और उत्पादों की पहचान के लिए एक समिति भी गठित की गई है, जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इस्राइल या फलस्तीनियों के खिलाफ युद्ध अपराध करने वाली ताकतों को बढ़ावा दे रही हैं। पाकिस्तान की धार्मिक और राजनीतिक पार्टी तहरीक ए लब्बैक पाकिस्तान के हजारों समर्थकों ने इस्लामाबाद में गाजा युद्ध के खिलाफ सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध कार्यक्रम में राणा सनाउल्लाह भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने गाजा में तत्काल युद्ध विराम की मांग की और पाकिस्तानी सरकार से इस्राइली प्रधानमंत्री को आतंकवादी घोषित करने की अपील की। पाकिस्तान और इस्राइल के बीच सीधा कोई व्यापारिक संबंध नहीं है, लेकिन कई पश्चिमी ब्रांड इस्राइली उत्पाद पाकिस्तान में बेचते हैं। राणा सनाउल्लाह ने कहा कि हम न केवल इस्राइल का बहिष्कार करेंगे बल्कि इससे संबंधित सभी उत्पादों और उन कंपनियों का भी बहिष्कार करेंगे, जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से क्रूर ताकतों की मदद कर रही हैं। ऐसे उत्पादों की पहचान के लिए एक समिति बनाई जाएगी। पाकिस्तान सरकार ने तहरीक ए लब्बैक पार्टी से ये वादा भी किया कि पाकिस्तानी सरकार महीने के अंत में फलस्तीनियों की मदद के लिए एक हजार टन से अधिक राहत सामग्री भेजेगी।

हिंसा के बीच अमेरिका ने जारी की नागरिकों के लिए एडवाइजरी, कहा- बांग्लादेश की यात्रा न करें

वाशिंगटन। पड़ोसी देश बांग्लादेश इन दिनों हिंसा की आग में झुलस रहा है। सरकारी नौकरियों में आरक्षण के मुद्दे शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन देशभर में उग्र रूप ले चुका है। हिंसा प्रभावित देश से लोग पलायन कर रहे हैं। इस बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने नागरिकों को सुझाव दिया है कि वह बांग्लादेश की यात्रा न करें। साथ ही अपने गैर-आपातकालीन सरकारी कर्मचारियों और परिवार के सदस्यों को उनकी मर्जी से देश वापस आने की अनुमति दी है।

एडवाइजरी का स्तर बढ़ा दिया गया

यह नया सुझाव ऐसे समय में दिया गया है, जब एक दिन पहले ही अमेरिका ने बांग्लादेश के लिए नई यात्रा एडवाइजरी जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि यात्रा करने से पहले एक बार जरूर विचार करें। अगर बहुत ही जरूरी हो तो सावधानी से बांग्लादेश के लिए यात्रा करें। हालांकि, अब एडवाइजरी का स्तर बढ़ा दिया गया है।

अमेरिका ने आगे यात्रियों से कहा कि ढाका और पूरे देश में संचार सेवाएं बंद हैं। इससे काउंसलिंग में देरी हो सकती है। यात्रियों को भीड़भाड़ वाले इलाकों में अपराध के प्रति सचेत रहना होगा। एडवाइजरी में अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा है कि हमले बिना किसी चेतावनी के हो सकते हैं। इसलिए सार्वजनिक क्षेत्रों पर सतर्क रहने की जरूरत है। सुरक्षा कारणों से बांग्लादेश के अमेरिकी दूतावास के कर्मचारियों पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। विदेश विभाग ने लोगों से प्रदर्शनों और राजनीतिक सभाओं में जाने से बचने के लिए कहा है।

ताइवान पर चीनी हमले का खतरा बढ़ा, 60 प्रतिशत ताइवानी हैं 'ड्रैगन' से खौफजदा

एजेंसी

एक सर्वेक्षण में खुलासा हुआ है कि ताइवान पर चीन के हमले का खतरा बढ़ गया है। ताइवान के लोगों ने खुद ये बात स्वीकार की है। ताइवान स्थित एकेडेमिया सिनिका द्वारा किए गए सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि ताइवान के लगभग 60 प्रतिशत निवासियों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में ताइवान के विरुद्ध चीन का खतरा बढ़ गया है।

80 फीसदी लोग ताइवान और चीन को एक देश नहीं मानते

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एकेडेमिया सिनिका के यूरोपीय और अमेरिकी अध्ययन संस्थान के सहायक अनुसंधान फेलो जेम्स ली

ने कहा, सर्वेक्षण में इस बात पर चर्चा की गई कि संयुक्त राज्य अमेरिका की विश्वसनीयता और समय के साथ इसमें किस तरह का बदलाव आया है और चीन का खतरा कितना बढ़ा है, साथ ही ताइवान के लोग अमेरिकी और चीनी संकेतों को किस तरह देखते हैं। खास बात ये है कि 80 फीसदी ताइवान के लोग मानते हैं कि चीन और ताइवान एक देश नहीं हैं। वहीं 13 फीसदी लोगों का मानना है कि चीन और ताइवान एक ही देश हैं।

ताइवान में अमेरिका की विश्वसनीयता बढ़ी

सर्वेक्षण रिपोर्ट में अमेरिकी विश्वसनीयता में 7.2 प्रतिशत अंकों की वृद्धि देखी गई है, जो साल 2023 के 34 प्रतिशत से बढ़कर इस साल 41 प्रतिशत हो गई है। ताइवान के लोग इस बात पर भी एकमत नहीं हैं कि अगर ट्रंप, अमेरिका के राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो फिर अमेरिका ताइवान का बचाव करेगा या नहीं। यह सर्वेक्षण ऐसे समय हुआ है, जब चीन और ताइवान के बीच तनाव बढ़ रहा है। हाल ही में भी ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के 22 पीएलए विमानों और 8 पीएलएएन जहाजों ने ताइवान की सीमा का उल्लंघन किया। ताइवान की सेना भी वार्षिक हान कुआंग सैन्य अभ्यास कर रही है। ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हाल के वर्षों में ताइवान के लिए सैन्य खतरा बढ़ा है।

ट्रंप पर गोली चलाने वाले शूटर के स्कूल ने किए कई खुलासे, कहा- उसके साथ कभी कोई दुर्व्यवहार नहीं हुआ

एजेंसी

वॉशिंगटन । डोनाल्ड ट्रंप गोली चलाने वाले 10वीं के छात्र थॉमस मैथ्यू क्रुक्स की मौत के बाद कई चौंकाने वाले दावे सामने आ रहे हैं। उनके स्कूल ने उनके राइफल टीम में शामिल होने समेत कई दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने पिछली सारी रिपोर्टों का खंडन कर दिया है।

13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया में डोनाल्ड ट्रंप की रैली के दौरान 20 साल के थॉमस मैथ्यू क्रुक्स ने ट्रंप पर जानलेवा हमला किया था, लेकिन इस हमले में ट्रंप बाल-बाल बच गए थे और गोली उनके कान को छूकर निकल गई थी। बाद में सीक्रेट सर्विस एजेंट्स की जवाबी कार्रवाई में हमलावर क्रुक्स को मौके पर ही ढेर कर दिया गया था। ट्रंप पर हमले के बाद जब पुलिस ने थॉमस क्रुक्स के घर के घर छापा मारा तो उन्हें तलाशी में क्रुक्स की कार से विस्फोटक डिवाइस भी प्राप्त हुई। साथ ही उसके घर पर दर्जनभर हथियार भी बरामद हुए। जांच में ये भी पता चला है कि हमले से पहले हमलावर ने डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन के बारे में

ऑनलाइन सर्च किया था। हमलावर ने पेंसिल्वेनिया में ट्रंप की रैली की तारीख भी सर्च की थी। साथ ही अगस्त में होने वाले डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन के बारे में भी सर्च किया था। जांच में ये भी पता चला है कि हमलावर ने हमले से कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में अपने इरादे जाहिर कर दिए थे। सोशल मीडिया मंच स्टीम पर साझा पोस्ट में हमलावर ने लिखा था कि 13 जुलाई को उसका भी प्रीमियर है और देखते हैं कि क्या होता है। हाईस्कूल में पढ़ने वाले शूटर थॉमस मैथ्यू क्रुक्स ने पेंसिल्वेनिया रैली शूटिंग के बाद चौंकाने वाले दावे किए गए। लेकिन बेथेल पार्क हाईस्कूल ने उन दावों से इंकार किया कि क्रूक्स ने स्कल की राइफल टीम के लिए प्रयास किया था, उसे धमकाया गया था। स्कूल ने दावा किया कि उसके पास क्रूक्स के राइफल टीम के लिए प्रयास करने का कोई रिकॉर्ड ही नहीं है। यहां तक कि कोच को तक याद नहीं है, कि वे कभी उससे मिले हैं। उन्होंने कहा कि यह हो सकता है कि क्रूक्स अनौपचारिक रूप से अभ्यास में शामिल हुआ हो, शॉट लिया हो और फिर कभी वापस नहीं लौटा। स्कूल ने बताया कि हमारे पास उसके यहां आने का कोई रिकॉड नहीं है। स्कूल ने यह भी दावा किया कि उसके साथ स्कूल में किसी प्रकार की कोई घटना नहीं हुई।

वहीं क्रूक्स के दो पूर्व सहपाठियों ने बताया कि उसने स्कूल की राइफल टीम के लिए प्रयाय किया था। लेकिन खराब निशानेबाजी के कारण उसे निकाल दिया गया था। पूर्व सहपाठी जेम्सन मर्फी ने कहा था कि उसने प्रयास किया और वह इतना हास्यास्पद रूप से खराब निशानेबाज था कि वह टीम में जगह नहीं बना पाया, पहले दिन के बाद ही टीम छोड़ दी। हाल ही में एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें क्रुक्स को धमकाते हुए दिखाया गया था। उन्होंने दावा किया कि रिकॉर्ड के अनुसार क्रूक्स ने शैक्षिणक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते थे, नियमित रूप से स्कूल जाते थे। उनके साथ कोई अनुशासनात्मक घटना नहीं हुई।

यह भी किया था दावा

दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ट्रंप पर गोली चलाने वाले शूटर के पिता ने हमले से पहले पुलिस को फोन किया था। इस फोन में हमलावर के पिता ने अपनी एआर-15 राइफल के गायब होने और अपने बेटे को लापता होने को लेकर चिंता जाहिर की थी। इस नए दावे से भी सुरक्षा एजेंसियों पर सवाल उठ गए हैं जो पहले ही ट्रंप की सुरक्षा में कथित चूक को लेकर निशाने पर है।

पहले लाया घर, फिर की हत्या, मन नहीं भरा तो शव के किए टुकड़े-टुकड़े

एजेंसी

नैरोबी । केन्या की राजधानी नैरोबी से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने अपनी पत्नी समेत 42 महिलाओं की हत्या करने, इनमें से कई के शव को क्षत-विक्षत करने, शरीर के अंगों को बोरिया में भरने और उन्हें एक स्क्रैपयार्ड में फेंकने की बात कबूल की है। जब इसके घर पर तलाशी ली गई तो पुलिस को अन्य चीजों के अलावा चाकू, औद्योगिक रबर के दस्ताने, सेलोटेप के रोल और नायलॉन की बोरियां मिलीं।

वैंपायर और मनोरोगी सीरियल किलर

33 साल के कोलिन्स जुमैसी खलूशा को एक वैंपायर और मनोरोगी सीरियल किलर बताया गया है, जिसका मानव जीवन के प्रति कोई खास लगाव नहीं है। देश में राजनीतिक उथल-पुथल और लिंग आधारित हिंसा की बढ़ती लहर के बीच खलूशा की भयावह हरकतें सामने आई हैं।

कैसे आया सामने मामला?

यह डरावना मामला तब सामने आया, जब नैरोबी के मुकुरु झुग्गियों के पास कूड़े के ढेर के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली एक जगह पर नौ महिलाओं के क्षत-विक्षत शव पाए गए। जांच करने पर सामने आया कि एक पास के जर्जर कमरे में रहने वाला शख्स पीड़ितों को बहला-फुसलाकर घर लाता था, फिर उनकी हत्या करता और जमीन पर दफना देता। मामले की जांच के कुछ दिनों बाद केन्याई पुलिस ने खालूशा को गिरफ्तार कर लिया। अभियोजकों ने बताया कि खालूशा ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। पीड़ितों की हत्या 2022 से लेकर उसकी गिरफ्तारी के बीच तक की गई थी।खलूशा के घर से जासूसों को कई मोबाइल फोन, पहचान पत्र और नायलॉन की बोरियां मिलीं, जो पीड़ितों के शवों को लपेटने के लिए इस्तेमाल की गई थीं। यह सबूत हत्याओं की एक व्यवस्थित और पूर्वनियोजित श्रृंखला की ओर इशारा करता है, जिसके कारण कुछ लोग उसे केन्याई टेड बंडी कहने लगे हैं।

कटे-फटे अवशेषों से भरी बोरियां मिलीं

दरअसल, 26 साल की हेयर ब्रेडर जोसेफिन ओविनो भी पीड़ितों में शामिल थी। एक सुबह वह अचानक गायब हो गई। इसपर उसकी बहन ने उसे ढूंढना शुरू किया। तलाश करती हुई आखिरकार वह डंपिंग ग्राउंड तक पहुंचीं। उन्होंने स्थानीय लोगों को तलाशने के लिए राजी किया। ढूंढने पर वहां से कटे-फटे अवशेषों से भरी बोरियां मिलीं।

इस पर पुलिस तो जानकारी दी। पुलिस ने शवों को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। एक सरकारी रोगविज्ञानी डॉ जोहानसेन ओडुओर ने बताया कि अधिकांश बोरियों में कटे हुए अंग और धड़ थे। केवल एक शव सही हालत में मिला था। किसी को भी गोली नहीं मारी गई थी। एक का गला घोंटा गया था। डीएनए से अबतक दो शवों की पहचान हो गई है।

मामले का दूसरा पहलू ये

हालांकि अब इस पूरे मामले को लेकर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। दरअसल, जिस जगह लाशें फेंकी गई हैं वो जगह पुलिस स्टेशन के पास ही है। ऐसे में पुलिस की निगरानी और क्षमता के बारे में सवाल उठता है।

यमन के बंदरगाह पर हमले के बाद नेतन्याहू की दुश्मनों को चेतावनी- नुकसान पहुंचाया तो कीमत चुकानी होगी

एजेंसी

इस्राइल । इस्राइल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने देश की ओर आंख उठाने वालों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि इस्राइल के दुश्मन हमारे अपने देश की हर हाल मे रक्षा के संकल्प पर संदेह न करें। हमें नुकसान पहुंचाने वालों को इसकी भारी कीमत चुरानी पड़ सकती है। दरअसल तेल अवीव की सड़कों पर हुए विस्फोट में एक इस्राइली नागरिक मारा गया। यह हमला ईरान समर्थित विद्रोहियों द्वारा ड्रोन द्वारा किया गया था। इसके बाद इस्राइल ने जवाब में लड़ाकू विमान से यमनी बंदरगाह पर हमला कर तीन लोगों को मार डाला। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा जिस बंदरगाह को निशाना बनाया गया वह कोई निर्दोष बंदरगाह नहीं था। उन्होंने बताया कि इस बंदरगाह का इस्तेमाल ईरान द्वारा अपने हूती आतंकवादियों को आपूर्ति किए जाने वाले हथियारों के प्रवेश द्वार के रूप में किया जाता था। हूती विद्रोहियों ने इन हथियारों का इस्तेमाल इस्राइल पर हमला करने, क्षेत्र के अरब देशों पर हमला करने और कई अन्य पर हमला करने के लिए किया। नेतन्याहू ने कहा कि यह हमला तेल अवीव में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास से सौ गज की दूरी पर हुए जानलेवा ड्रोन हमले के सीधे जवाब में किया। इसमें एक की मौत और कई अन्य घायल हो गए। पिछले आठ महीनों में हूती विद्रोहियों इस्राइल के खिलाफ सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइल और ड्रोन दागे।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

कंपनी ने महिला के आरोपों पर जताई चिंता,सरावगी को भेजा प्रशासनिक अवकाश पर

एजेंसी

नई दिल्ली/कोलकाता। एतिहाद फ्लाइट की एक महिला यात्री की ओर से भूतपूर्व सीईओ दिनेश सरावगी पर छेड़छाड़ के आरोप लगाने संबंधी मामले में तब एक नया मोड़ आया जब वलकन ग्रीन स्टील ने अपनी तरफ से सफाई दी है कि हम अपनी कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी पर लगे हालिया आरोपों से बेहद चिंतित हैं। हम स्थिति की गंभीरता को पहचानते हैं और इसे अत्यंत गंभीरता से देख रहे हैं। कंपनी ने एक्स पर किये अपने पोस्ट में कहा है कि वह इस मामले को सत्यनिष्ठा और तात्कालिकता से संबोधित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कंपनी ने अपने बयान में कहा, 'हमारी शून्य-सहिष्णुता नीति के अनुरूप, तथा निष्पक्ष और स्वतंत्र समीक्षा सुनिश्चित करने के लिए, कार्यकारी अधिकारी को प्रशासनिक अवकाश पर रखा गया है। निष्पक्षता बनाए रखने के लिए, हम जांच का नेतृत्व करने के लिए एक स्वतंत्र, विश्वसनीय तीसरे पक्ष को नियुक्त कर रहे हैं।'

VULCAN
STEEL STRUCTURES, INC.

लेफ्ट दलों से भी ज्यादा हिंसक हो गई है टीएमसी, आत्मनिरीक्षण दिवस मनाए तृणमूलः शहजाद पूनावाला

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तृणमूल कांग्रेस द्वारा 21 जुलाई के दिन को शहीद दिवस के तौर पर मनाने पर कटाक्ष किया। उन्होंने टीएमसी को एक खास सलाह दी! शहजाद पूनावाला ने वीडियो संदेश जारी कर कहा, तृणमूल कांग्रेस तो लेफ्ट दलों से भी ज्यादा हिंसक हो गई है और इसलिए उन्हें शहीद दिवस की बजाय आत्मनिरीक्षण दिवस मनाना चाहिए। आगे बोले, टीएमसी कहती है कि 21 जुलाई को वे शहीद दिवस के रूप में मनाएंगे, शहीदों को याद करेंगे। आज याद करने का या शहीद दिवस मनाने का दिन नहीं बल्कि आत्मनिरीक्षण का दिन होना चाहिए। क्योंकि तृणमूल कांग्रेस ने लेफ्ट पार्टियों से भी ज्यादा हिंसक रूप अपनाया है,राज्य में राजनीतिक हत्याएं हुई हैं और हर चुनाव में राजनीतिक हिंसा देखने को मिली है। उन्होंने बंगाल में महिलाओं के साथ हो रही ज्यादती का जिक्र किया। बोले, आज बंगाल में मां-माटी-मानुष नहीं बल्कि बम धमाके करने वाले,भ्रष्टाचार करने वाले और बलात्कारियों को बचाओ,यही टीएमसी सरकार का नारा बन चुका है। पूनावाला ने विपक्षी गठबंधन पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस की सरकार कहती है कि लेफ्ट फ्रंट की सरकार द्वारा किए गए अत्याचार के खिलाफ वे शहीद दिवस मना रहे हैं लेकिन इसी लेफ्ट फ्रंट के साथ वे दिल्ली में इंडी गठबंधन में क्यों है ? लेफ्ट के साथ रिश्ता तोड़िए।

सोमवार से शुरू होगा संसद का बजट सत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार, 22 जुलाई से संसद का बजट सत्र शुरू होने जा रहा है। संसद सत्र से एक दिन पहले रविवार, 21 जुलाई को सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की तरफ से दोनों सदनों-लोकसभा और राज्यसभा में सभी राजनीतिक दलों के फ्लोर लीडर्स को सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। रविवार को, सुबह 11 बजे दोनों सदनों के सभी राजनीतिक दलों के फ्लोर लीडर्स के साथ संसद भवन परिसर स्थित संसदीय सौध के मुख्य समिति कक्ष में सरकार यह सर्वदलीय बैठक करेगी। सरकार का मकसद , इस सर्वदलीय बैठक के जरिए सदन के तमाम राजनीतिक दलों को सत्र के दौरान के सरकार के एजेंडे और विधेयकों के बारे में जानकारी देना है। सरकार की तरफ से बैठक में विपक्षी दलों से संसद की कार्यवाही सुचारू ढंग से चलने देने का भी अनुरोध किया जाएगा। बैठक में विपक्षी दलों की तरफ से अपने-अपने एजेंडे को भी सामने रखा जाएगा,जिस पर वे सदन में चर्चा कराना चाहते हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी की यह पहली सर्वदलीय बैठक होगी। आपको बता दें कि, 22 जुलाई से शुरू होने जा रहे संसद के बजट सत्र के 12 अगस्त तक चलने की संभावना है। संसद सत्र के पहले दिन, सोमवार को सरकार द्वारा आर्थिक सर्वेक्षण सदन में पेश किया जाएगा।

अरविंद केजरीवाल का शासन दिल्ली के लिए श्राप - वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने राजधानी में प्रदूषण को लेकर अरविंद केजरीवाल की सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रदूषण की लड़ाई के लिए पूरा पैसा भेजा गया, लेकिन 'आप' सरकार की लापरवाही के कारण इस पैसे का इस्तेमाल नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि आप की सरकार दिल्ली के लिए श्राप के समान है। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली विश्व की सबसे ज्यादा प्रदूषण वाली राजधानी है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि पिछले छह साल में दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा दिया गया एक तिहाई पैसा भी इस्तेमाल नहीं किया है। अगर वह पैसा खर्च किया जाता, तो शायद प्रदूषण की स्थिति सुधर सकती थी।

पत्रकारों की होगी निःशुल्क जांच, सेवा भारती की शिविर में एमआरआई, सीटी स्कैन,अल्ट्रासाउंड सब मुफ्त में

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबंधित संगठन सेवा भारती विभिन्न मीडिया संस्थानों में कार्यरत पत्रकारों के लिए रविवार को चिकित्सा शिविर का आयोजन कर रहा है, जिसमें पत्रकारों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की जाएगी।

सेवा भारती दिल्ली प्रांत और नेशल मेडिकल ऑर्गनाइजेशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस शिविर में कोई पत्रकार (पुरुष और महिला) निःशुल्क जांच करवा सकता है। इसके लिए हालांकि उन्हें अपने संस्थान की ओर से जारी किये गये पहचान पत्र को दिखाना होगा। राष्ट्रीय राजधानी में सत्यवती कॉलेज के नजदीक अशोक विहार पार्ट-2 स्थित बढेरा भवन, बी-1/4 में आयोजित होने वाली शिविर में पत्रकारों की किसी भी जांच के लिए कोई शुल्क नहीं देना पड़ेगा। सेवा भारती के दिल्ली प्रांत के प्रचार प्रमुख भूपेंद्र कुमार ने यहां बताया, इस शिविर में एलोपैथी और होमियोपैथी के डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे और उनके परामर्श पर पत्रकारों की हर तरह की जांच निःशुल्क की जाएगी। 'उन्होंने बताया कि इस शिविर में एमआरआई हो या सीटी स्कैन या फिर अल्ट्रासाउंड हर तरह की जांच निःशुल्क की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस शिविर आयोजिन रविवार (21 जुलाई) को पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 01 बजे तक किया जाएगा।

यूपीएससी में गड़बड़ी की ख़बरें खतरनाक, जवाब दे सरकार : प्रियंका

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा शासन-प्रशासन तथा देश के लिए महत्वपूर्ण है और इस प्रक्रिया में गड़बड़ी की खबरें चौंकाने वाली हैं, इसलिए सरकार को इस बारे में जवाब देना चाहिए। श्रीमती वाड्रा ने इस परीक्षा की प्रक्रिया में गड़बड़ी की खबरों को हैरान करने वाला बताया और कहा, 'यूपीएससी की प्रक्रियाओं में गड़बड़ी की खबरें बहुत हैरान करने वाली हैं। इस महत्वपूर्ण चयन प्रक्रिया में हुई एक भी गड़बड़ी बड़े सवाल खड़े करती है और लाखों युवाओं के सपनों और उनके विश्वास पर चोट करती है।' उन्होंने कहा, 'यूपीएससी देश की सबसे नामी परीक्षा है और उससे निकले लोग शासन व्यवस्था के सबसे महत्वपूर्ण स्तम्भ होते हैं। देश के करोड़ों लोगों का भरोसा और हमारे रोजमर्रा के शासन-प्रशासन का कामकाज इस संस्था की पेशेवर प्रणाली से जुड़ा है।

मैंने खुद देखा है कि इस परीक्षा के लिए युवा कितनी मेहनत, आँखों में ढेर सारे सपने लिए और दिल में लगन के साथ तैयारियां करते हैं। इस प्रणाली को और अधिक पारदर्शी तथा प्रामाणिक बनाने के लिए बदलावों की सख्त जरूरत है, क्या इस पर विचार नहीं किया जाना चाहिए?' कांग्रेस नेता ने कहा, 'यूपीएससी से जुड़े सवाल इस देश के शासन-प्रशासन के प्रति भरोसे और हमारे करोड़ों युवाओं के सपनों से जुड़े सवाल हैं। इस पर सरकार से जवाब आना जरूरी है। जरूरी है कि इन सवालों का जवाब जनता और यूपीएससी की तैयारी करने वाले युवाओं को मिले-क्या इसके लिए यूपीएससी के उच्च पदों पर राजनीतिक नियुक्तियों से आए लोग जिम्मेदार हैं।

यदि हाँ तो उन पर कार्रवाई कब? उन्होंने कहा, जिस सिस्टम में एक-एक नंबर के चलते उच्च स्तर का कम्पटीशन होता है, उसमें क्या केवल सतही तौर पर जाँच करके पल्ला झाड़ना उचित है। नकली सर्टिफिकेट का सिस्टम एससी, एसटी, ओबीसी, विकलांग और ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों को मिलने वाले मौके पर चोट करता है। क्या सर्टिफिकेट जाँचने की कोई ठोस संस्थागत प्रणाली विकसित नहीं की जा सकती?'

चांदीपुरा वायरस से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा, केंद्रीय दल की तैनाती

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने चांदीपुरा वायरस से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की है और एक केंद्रीय दल की तैनाती की है। मंत्रालय ने यहां बताया कि स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक- डीजीएचएस और एनसीडीसी के निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अतुल गोयल की अध्यक्षता में कल अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली, कलावती सरन बाल अस्पताल और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज (निमहंस) के विशेषज्ञों तथा केंद्रीय और राज्य निगरानी इकाइयों के अधिकारियों के साथ स्थिति का जायजा लिया। समीक्षा बैठक में गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में चांदीपुरा वायरस और एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) के मामलों की समीक्षा की गयी। चांदीपुरा वायरस और एईएस मामलों की स्थिति की विस्तृत चर्चा और समीक्षा के बाद, विशेषज्ञों का आकलन रहा कि देश के एक छोटे-

Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

छोटे से हिस्से में इस चांदीपुरा वायरस का प्रकोप है। बैठक में गुजरात में सामने आये एईएस मामलों के व्यापक महामारी विज्ञान, पर्यावरणीय और कीट विज्ञान संबंधी अध्ययनों की आवश्यकता पर बल दिया। इसकी जांच के लिए गुजरात में एनसीडीसी, आईसीएमआर और डीएएचडी की एक बहु-विशेषज्ञ केंद्रीय टीम तैनात की गयी है।

एईएस चिकित्सकीय रूप में न्यूरोलॉजिक लक्षण का एक समूह है, जो कई अलग-अलग वायरस, बैक्टीरिया, कवक, परजीवी, स्पाइरोकेट्स, रसायन और विषाक्त पदार्थों आदि के कारण होता है। एईएस के ज्ञात वायरल कारणों में जेई, डेंगू, एचएसवी, सीएचपीवी, वेस्ट नाइल आदि शामिल हैं।

चांदीपुरा वायरस रैबडोविरिडे समूह से संबंधित है जो देश के पश्चिमी, मध्य और दक्षिणी भागों में खासकर मानसून के मौसम के दौरान छिटपुट मामलों और प्रकोपों ??का कारण बनता है। यह मक्खियों और टिक्स (किलनी) जैसे कीटाणुओं से फैलता है।

यह बीमारी ज़्यादातर 15 साल से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करती है और बुखार के साथ हो सकती है जो कुछ मामलों में मौत का कारण भी बन सकती है। हालाँकि चांदीपुरा वायरस से प्रभावितों के लिए कोई विशिष्ट उपचार उपलब्ध नहीं है। जून 2024 की शुरुआत से 20 जुलाई तक देश में 15 साल से कम उम्र के बच्चों में एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम के कुल 78 मामले सामने आए हैं। इनमें से 75 गुजरात के 21 जिलों और निगमों से, दो राजस्थान से और एक मध्य प्रदेश से हैं। इनमें से 28 मामलों में मौत हो गई है। कुल 76 नमूनों में से नौ में चांदीपुरा वायरस की पुष्टि हुई है।

'कांवड़ियों का दिल खोलकर स्वागत करेगा मुस्लिम समाज'

एजेंसी

नई दिल्ली। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने एकमत से यह विश्वास जताया है कि मुस्लिम समाज कांग्रेस, समाजवादी और अन्य विपक्षी दलों के फूट डालने के झांसे में न आते हुए पूर्ण आस्था के साथ दिल खोल कर कांवड़ियों का स्वागत करेगा। मंच ने कहा है कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कांवड़ियों के लिए शिविर लगाया जाएगा और उन्हें पुष्प वर्षा, शीतल जल की फुहारों, जल, फल, जूस, लंगर और शुद्धता भरे वातावरण से तरो ताजा किया जाएगा।

नई दिल्ली में मोतियाखान स्थित मंच के कार्यालय कलाम भवन में कार्यकर्ताओं की आपात बैठक हुई, जिसमें उक्त निर्णय लिए गए। दिल्ली से बाहर के लोगों के लिए यह बैठक ऑनलाइन भी थी। इसमें महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, बंगाल, नॉर्थ ईस्ट, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक से लोग जुड़े थे। बैठक में यह भी तय हुआ कि विपक्ष के एजेंडे को मुंहतोड़ जवाब देने का वक्त है, अन्यथा यह लोग राष्ट्र का अहित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। क्योंकि विपक्ष के नेता लगातार मिलती शिकस्त से बौखलाए हुए हैं। इस क्रम में वो सारी गरिमा भंग करने पर उतारू हैं।बैठक में शामिल अनेक कार्यकर्ताओं, अधिकारियों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, समाज सेवियों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस आदेश का श्रद्धा से पालन करने में आस्था जताई जिसमें कहा गया है कि फल, फूल, जूस, जलपान और भोजनालय अपने दुकानों, ठेलों पर अपना नाम साफ साफ लिखें। राष्ट्रवादी संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने कहा कि ऐसा इसलिए किया गया है कि समाजिक सौहार्द न बिगड़े। आस्था में डूबे लोगों को अपनी इच्छानुसार सामग्री मिले।

बीकानेर हाउस में डॉ. शालिनी की देवी-देवताओं की चित्रकारी को किया जा रहा पसंद

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के बीकानेर हाउस में चित्रों की प्रदर्शनी सभी को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। इस प्रदर्शनी में मैनेजमेंट की शिक्षिका डॉ. शालिनी यादव की पेंटिंग बहुत पसंद की जा रही है। उन्होंने हिंदू देवी-देवताओं पर आधारित चित्रों की प्रदर्शनी लगाई है। शालिनी ने प्रदर्शनी में भगवान कृष्ण, विष्णु, गणेश, हनुमान और शिव के रूप में विभिन्न दिव्य अभिव्यक्तियों की महाकाव्य कथाएं प्रस्तुत की है। उन्होंने शनिवार को आईएएनएस से खास बातचीत की और अपनी चित्रकारी की यात्रा को शेयर किया। शालिनी ने कहा कि वो पेशे से एक शिक्षक हैं, लेकिन चित्रकारी में उनकी हमेशा से रुचि रही है। 'मैंने पिछले सात से आठ साल की मेहनत को बीकानेर हाउस में चित्रकारी के माध्यम से प्रदर्शित किया है। मैंने बचपन से अपने दादा-दादी और माता-पिता से जो कहानियां सुनी है, उन्हीं को मैंने अपनी चित्रकारी में उतारा है।

उप्र में खान-पान की दुकानों के लिये निर्देश का फायदा देश विरोधी तत्व उठा सकते हैंः मदनी

नई दिल्ली। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा के मार्ग पर ढाबों, रेस्टोरेंट और खाने-पीने की दुकानों के मालिक आदि के नाम स्पष्ट करने वाले आदेश को 'धर्म की आड़ में राजनीति' का खेल करार देते हुये आशंका जतायी है कि इससे देश विरोधी तत्वों को लाभ उठाने का अवसर मिल सकता है। मौलाना मदनी ने कहा कि वह इस निर्देश की संवैधानिकता को चुनौती देने के विषय में कानूनी सलाह लेने जा रहे हैं। मौलाना मदनी ने जारी बयान में कहा कि राज्य सरकार के आदेश के कारण प्रदेश में साम्प्रदायिक सौहार्द्र के वातावरण को गम्भीर क्षति पहुंच सकती है। उन्होंने इस आदेश को नागरिकों के मूल अधिकारों का उल्लंघन भी बताया है। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने इस मसले पर विचार-विमर्श के लिये रविवार को अपनी कानूनी टीम की एक बैठक बुलाने की घोषणा की है और कहा है कि वह इस आदेश के कानूनी एवं संवैधानिक पहलू को चुनौती देने पर विचार कर रही है।उन्होंने कहा कि पहले यह आदेश केवल मुजफ्फ़र नगर प्रशासन ने जारी किया था,

लेकिन अब उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सभी कांवड़ यात्रा मार्गों के लिये यह आदेश जारी हो गया है। इसके दायरे में फल और सब्जी विक्रेताओं को भी लाया गया है। मौलाना मदनी ने कहा कि देश के सभी नागरिकों को संविधान में इस बात की पूरी आजादी दी गयी है कि वे जो चाहें पहनें, जो चाहें खायें, उनकी व्यक्तिगत पसंद में कोई बाधा नहीं डालेगा, क्योंकि यह नागरिकों के मूल अधिकारों का मामला है। संविधान में स्पष्ट शब्दों में कहा गया है कि देश के किसी नागरिक के साथ उसके धर्म, रंग और जाति के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जायेगा और हर नागरिक के साथ समान व्यवहार किया जायेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि लेकिन पिछले कुछ वर्षों से शासन-प्रशासन का जो व्यवहार सामने आया है

Name Change
It is for general information that I, DHARAM PAL S/o Sh. Bhagwan Sahai R/o RZF-766/9, Third Floor Back Side, Gali No.7, Raj Nagar-II, Palam Colony, New Delhi-110077, declare that name of mine has been wrongly written as DHARAMPAL SAINI in 10th Class educational documents of my minor son namely VIKAS aged about 16 years and name of my son has been wrongly written as "Kran" in his Aadhar Card No.5382 0830 4239. The actual name of mine and my son are DHARAM PAL and VIKAS, which may be amended accordingly.

Name Change
I Arasad, S/o, Yusuf, R/o. 670, Nagla mohall, gram post Bahadurgarh, garhmukteshwar, Hapur , Uttarpradesh, 245101. Have changed my name to Arasad Saifi for all future purposes.

Name Change
I, MALI RAM is legally father NO. 14836733F Rank HAV/SPL VEH DVR Name SATPAL Unit-672 [I] TPT PL ASC [TK TPTR] C/O 56 APO Presently residing at VILL: GHASIPURA, PO: KANWAT, TEHSIL: SHRI MADHOUPR, P/S: THOI, DISTT-SIKAR, STATE- RAJASTHAN, PIN-332708 have changed my date of birth from 01 JULY 1959 to 01 Jan 1950 for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL21659872329053W dated 20.07.2024 before Public Notary Delhi.

Name Change
I, GAJARA BAI is legally mother JC-674174M Rank SUB/MT Name TALEKAR TANAJI BALU Presently residing at VILL: VPO-KEM TEH-KARMALA, DIST-SOLAPUR, (MH)-413223 have changed my name from GAJARA BAI to GAJRABAI BALASAHEB TALEKAR for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL21661685958814W dated 20.07.2024 before Public Notary Delhi.

Name Change
I, BALU JANARDHAN TALLEKAR is legally father JC-674174M Rank SUB/MT Name TALEKAR TANAJI BALU Presently residing at VILL: VPO-KEM TEH- KARMALA, DIST-SOLAPUR, (MH)-413223 have changed my name from BALU JANARDHAN TALLEKAR to BALU JANARDHAN TALEKAR for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL21662335035448W dated 20.07.2024 before Public Notary Delhi.

Name Change
I, GAJARA BAI is legally mother JC-674174M Rank SUB/MT Name TALEKAR TANAJI BALU Presently residing at VILL: VPO-KEM TEH-KARMALA, DIST-SOLAPUR, (MH)-413223 have changed my name from GAJARA BAI to GAJRABAI BALASAHEB TALEKAR for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL21661685958814W dated 20.07.2024 before Public Notary Delhi

Name Change
I, RAJESH KUMAR S/O CHHOTEY LAL GUPTA Residing at HOUSE NO-398 SECTOR-7 HOUSING BOARD COLONY BAHADURGARH JHAJJAR HR-124507 have changed my name to RAJESH KUMAR GUPTA for all future purposes

Name Change
I, SUDESH BALA W/O ASHWANI KUMAR SONI residing at H NO-E-49, MANSAROVER GARDEN, RAMESH NAGAR, DELHI-110015 have changed my name to SUDESH SONI for all future purpose

Name Change
I, ANIL SONI S/O ASHWANI SONI residing at H NO-E-49, MANSAROVER GARDEN, RAMESH NAGAR, DELHI-110015 have changed my name to MIHIR SONI for all future purpose.

Name Change
I, Kuldeep S/o Sukhpal Singh, R/o House No-3939/30, Rajendra Park, Near Railway Station, Gurgaon, Haryana-122001 Have Changed My Name To Kuldeep Singh For Future Purpose.

Name Change
I, SUHAIL KHAN S/O NOUSHAD Residing at H NO-BG-5 STREET NO-6 KABIR NAGAR DELHI-110094 have changed my name to SUHAIL for all future purposes

Name Change
I, BASANTI wife of JC-835527P Rank-NB SUB Name-BALIRAM KUSHWAH R/O VILL-ZAKRUD, PO-SUNDREL, TEH-DHARAMPURI, DIST-DHAR, MADHYA PRADESH-454552 have changed my name from BASANTI to BASANTI KUSHWAH for all future purposes vide affidavit dated 20/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, MANJU RANI W/O RAJESH KUMAR GUPTA Residing at HOUSE NO-398 SECTOR-7 HOUSING BOARD COLONY BAHADURGARH JHAJJAR HR-124507 have changed my name to MANJU GUPTA for all future purposes.

Name Change
It is for general information that I, DEEPAK KUMAR GOYAL S/O SHRI LAL PANNA R/O A-001, SECTOR SIGMA-4, GREATER NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201308, declare that name of mine and my father has been wrongly written as BABLU KUMAR and PANNA LAL in my Voter Card SBJ1038207. The actual name of mine and my father are DEEPAK KUMAR GOYAL and SHRI LAL PANNA, which may be amended accordingly.

Name Change
I, Niraj s/o Shri Bhimlal Ahir, R/o House No-E 528, E- Block, Mahavir Enclave, part-3, Uttam Nagar, New Delhi.110059 have changed my name from NIRAJ to NIRAJ YADAV and my father's name from BHIM LAL AHIR to BHIM LAL YADAV and address also HOUSE NO-528 E-BLOCK MAHAVIR ENCLAVE PART 3 UTTAM NAGAR WEST DELHI 110059 for all in future purpose.

Name Change
I, LUTFUN AHMED wife of JC-312916A Rank-SUB Name-SADEK ALI AHMED presently residing at VILL & PO-UTTAR BAHIR GACHI, PS-NAKASHIPARA, TEHSIL-KRISHNANAGAR, DISTT-NADIA, WEST BENGAL-741126 have changed my name from LUTFUN AHMED to LUTFUN KHATUN AHMED for all future purposes vide Affidavit Dated 20/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, ARUN KUMAR S/o PRAKASH CHAND R/o VPO-SALAWA, TEH-SARDHANA, DIST-MEERUT, UTTAR PRADESH-250432, have changed my minor son's name from ADITYA to ADITYA SOAM for all future purposes.

Name Change
I MOHD FAISAL S/O MOHD SABIR R/O H.NO.6936, GALI GONNI WALI, AHATA KIDARA, BARA HINDU RAO, SADAR BAZAR, DELHI-110006 HAVE CHANGE MY NAME FROM MOHD FAISAL TO FAISAL SABIR KHAN FOR ALL FUTURE PUPOSE THAT MOHD FAISAL AND FAISAL SABIR KHAN ARE SAME PERSON

Name Change
I, POONAM Spouse of PREM MASHI Presently residing at KRISHNA VIKAS SOCIETY, KHASRA NO-2533, CITY FOREST MOHAN NAGAR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201007 have changed my name from POONAM to POONAM MASHI vide Affidavit Dated 20/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, ASHWIN son of JC-835527P Rank-NB SUB Name-BALIRAM KUSHWAH R/O VILL-ZAKRUD, PO-SUNDREL, TEH-DHARAMPURI, DIST-DHAR, MADHYA PRADESH-454552 have changed my name from ASHWIN to ASHWIN KUSHWAH for all future purposes vide affidavit dated 20/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, PRADEEP KUMAR CHAWLA @ PRADEEP KUMAR CHAWLA S/O KRISHAN KUMAR CHAWLA R/O 75, Guru Angad Nagar Extn., Sanatan Dharm Mandir, Laxmi Nagar, East Delhi, Delhi-110092 do hereby solemnly affirm and declare that both the names are indicating and referring myself as a same and one identical person, not to different person whatsoever. I will be referred as PARDEEP CHAWLA for all future purposes.

Name Change
I, ANJALI daughter of JC-835527P Rank-NB SUB Name-BALIRAM KUSHWAH R/O VILL-ZAKRUD, PO-SUNDREL, TEH-DHARAMPURI, DIST-DHAR, MADHYA PRADESH-454552 have changed my name from ANJALI to ANJALI KUSHWAH for all future purposes vide affidavit dated 20/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, Kuldeep Kumar S/o-Satish Kumar R/o 137 shahpur jat, south Delhi-110049 have changed my name from Kuldeep Kumar to Kunaal panwar for all future purposes.

Name Change
I, REKHA TRIPATHI is legally mother JC-577022W Rank NBSUB/MT Name CHANDRAMANI TRIPATHI Presently residing at MAKAN-66, WARD-11, TRIPATHI ATA CHAKKI, PURANA CHUNGINAKA, HUZUR, REWA, MADHYA PRADESH-486002 have changed my date of birth from 01/07/1966 to 01/01/1963 for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL21657354662897W dated 20.07.2024 before Public Notary Delhi.

Name Change
I, MALI RAM JAT is legally father NO. 14836733F Rank HAV/SPL VEH DVR Name SATPAL Unit-672 [I] TPT PL ASC [TK TPTR] C/O 56 APO Presently residing at VILL: GHASIPURA, PO: KANWAT, TEHSIL: SHRI MADHOUPR, P/S: THOI, DISTT-SIKAR, STATE- RAJASTHAN, PIN-332708 have changed my name from MALI RAM JAT to MALI RAM for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL21660416169876W dated 20.07.2024 before Public Notary Delhi.

Name Change
I, GAJRABAI BALASAHEB TALEKAR is legally mother JC-674174M Rank SUB/MT Name TALEKAR TANAJI BALU Presently residing at VILL: VPO-KEM TEH-KARMALA, DIST-SOLAPUR, (MH)-413223 have changed my date of birth from 01/07/1965 to 01/01/1949 for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL21661125632381W dated 20.07.2024 before Public Notary Delhi.

Name Change
I Chandra shekhar S/o Shitala Prasad R/O 131 second floor pocket 10 sector 20 Rohini Delhi 110086 have changed my name to Chandra shekhar Rao for all future purposes.

Name Change
I, S. BHARATH-- S/O K. SRINIVASAN R/o 1F, NEETHI APARTMENTS, CGHS LTD, PATPARGANJ, I P EXTENSION, LAXMI NAGAR, GANDHI NAGAR, EAST DELHI-110092, have changed the name of my minor son VRISHANK aged 7 years and he shall hereafter be known as VRISHANK BHARATH.

Name Change
MANJU DEVI is a legally wedded spouse of No. 14836733F Rank Hav/SPL VEH DVR Name SATPAL Unit-672 [1] TPT PL ASC [TK TPTR] C/o 56 APO presently residing at Vill: GHASIPURA, PO: KANWAT, Tehsil: SHRI MADHOUPR, P/S: THOI, Distt- SIKAR, State-RAJASTHAN, Pin-332708 have changed my date of birth from 01 JULY 1985 to 01 JAN 1981 for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL21656545773368W dated 20.07.2024 before Public Notary Delhi.

Name Change
I, PIYA MITRA W/O RAVI KUMAR R/O FLAT 903 BLOCK C2B, GOLF LINK RESIDENCY, SECTOR-18B, AMBERHAI, DWARKA SECTOR-6, SOUTH WEST DELHI-110075 have changed the name of my minor son DUDDI SHRIHAN RAO aged 14 years and he shall hereafter be known as SHRIHAN RAO.

Name Change
I, NIBHA DEVI is legally wedded spouse of No. GS-163874X Rank-PNR, Name- MURARI KUMAR MISHRA R/o A-79, 2nd FLOOR VIKAS NAGAR RAJDHANI SCHOOL UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110059, have changed my name from NIBHA DEVI to NIBHA MISHRA for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL2165777304898W dated 20.07.2024 before Sub Divisional Magistrate.

Name Change
I, BINDA DEVI is legally wedded spouse of No. GS-187531A Rank- officer SUPERINTENDENT, Name- RAM MOHAN R/o SECTOR-A, VIJAY NAGAR, MILMATHA, LUCKNOW, UTTAR PRADESH-226002, have changed my name from BINDA DEVI to BINDA DEVI PAL for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL21658453578432W dated 20.07.2024 before Sub Divisional Magistrate.

PUBLIC NOTICE
FOR ALL CONCERNED PERSONS The members of GREEN ESTATE & HRE PLOT HOLDERS ASSOCIATION (Registered with Registrar of Societies Delhi Vide Registration No. 3506 of 1967- 68) in an Annual General Body meeting, with due process, elected the Executive Committee on 25th February 2024 at Delhi for a period of five (5) years commencing from **25.02.2024** to **24.02.2029**. The names of office bearers are **President-** Rajeev Puri; V-Presidents - Prashant Vyas & Laxmi Nigam, **Secretary-** Asha Sabharwal, **Treasurer-** Vimal Chander; **Joint Secretary-** Bhawan Das; **Joint Treasurer-** Alok Bhardwaj. Jitendra Kardam is appointed as Chief Executive Officer.
Jitendra Kardam CEO-GEHREPHA
Arun Kr. Maji Adv. Returning Officer Election to EC of GEHREPHA
All Correspondence Should be made with CEO Jitendra Kardam
Address of Registered Office:
9/6659, Dev Nagar, New Delhi: 110005,
Contact Nos. 9015820185 or 74128228162
Email: generalbodygehrepha@gmail.com

PUBLIC NOTICE
I, Shiv Chandra Prasad S/o Shri Ram Ji Sao R/o House No. 72, Gali No.5, Block-N, Om Vihar, Phase-I, Kartarpuri @ Daulatpur, Nasirabad (63 Cartarpuri) Farrukhnagar, Gurgaon Haryana-122017 do hereby declare That I am physically & mentally fit, voluntarily and without any pressure giving this Affidavit for debarring my youngest son namely Govinda Kumar from all his moveable and immovable properties due to his rude behaviour and intolerable attitude towards the deponent and his family members and also severed relationship from him.That in future if anyone deals with my youngest son then the deponent will not be responsible for any criminal and illegal activity of his youngest son.

PUBLIC NOTICE
I, Sunita Devi W/o Shri Shiv Chandra Prasad R/o House No. 40/5, Salapur Khera, Bijwasan, South- West Delhi-110061 do hereby declare That I am physically & mentally fit, voluntarily and without any pressure giving this Affidavit for debarring my youngest son namely Govinda Kumar from all his moveable and immovable properties due to his rude behaviour and intolerable attitude towards the deponent and his family members and also severed relationship from him.That in future if anyone deals with my youngest son then the deponent will not be responsible for any criminal and illegal activity of his youngest son.

PUBLIC NOTICE
General Public is hereby informed that my client Smt. Usha W/o Sh. Pooran Rio 187 D-Block Durga Vihar Ph-2, Najafgarh Delhi-110043, have severed all their relations with their Son Mr. Aakash, and Daughter-in-law Ms. Kamini. My above-named clients have also disowned and debarred their said son and daughter-in-law from all their movable and immovable properties. Anybody dealing with Mr. Aakash and her Wife Ms. Kamini Both R/o H No. 21, Gali No. 9, Harpool Vihar, Jai Vihar, New Delhi, will do so at his/her/their own risk and responsibilities and my clients will not be responsible for any act, deed or dealing done by Mr. Aakash her Wife Ms. Kamini.
Deepak Sharma Advocate
Office at 130 & 131, Lajpat Nagar, Block H, New Delhi- 110024

Name Change
I, BANARSI DEVI is legally Mother NO. 14836733F Rank HAV/SPL VEH DVR Name SATPAL Unit-672 [I] TPT PL ASC [TK TPTR] C/O 56 APO Presently residing at VILL: GHASIPURA, PO: KANWAT, TEHSIL: SHRI MADHOUPR, P/S: THOI, DISTT-SIKAR, STATE- RAJASTHAN, PIN-332708, have changed my date of birth from 01 JULY 1962 to 01 Jan 1955 for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL21659181439685W dated 20.07.2024 before Public Notary Delhi.

Name Change
I, RUKMANI is legally mother NO.14850604M Rank HAV Name SURENDRA KUMAR Presently residing at VPO-TITANWAR, TEH-UDAIPURWATI, DIST-JHUNJHUNU (RAJASTHAN)-333012 have changed my name from RUKMANI to RUKMANI DEVI for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL21660709767514W dated 20.07.2024 before Public Notary Delhi.

Name Change
I, Ashish S/o- Hariom R/o sun bright home, Jasbir colony, rohtak haryana -124001 have changed my name from Ashish to Aashish for all future purposes.

प्रदेश में आम आदमी पार्टी के बढ़ते जनाधार से भाजपा पूरी तरह से बौखलाई :लवलीन टुटेजा

एजेंसी

रोहतक। आम आदमी पार्टी के प्रदेश सह सचिव लवलीन टुटेजा ने कहा कि चुनाव के समय ही भाजपा को सिर्फ प्रदेश की जनता की याद आती है। उन्होंने कहा कि दस साल सता में रहने के बाद भी भाजपा सरकार लोगों को बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं करवा पाई, ऐसी सरकार को सता में रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में लोगों ने भाजपा को सिर्फ ट्रेलर दिखाया है और पूरी फिल्म जनता विधानसभा के चुनाव में वोट की चोट से दिखाएगी। लवलीन टुटेजा विजय नगर में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम के तहत लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हर वर्ग सरकार की जनविरोधी नीतियों से परेशान है। उन्होंने कहा कि सरकार का काम लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना है, लेकिन सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। कोई दिन ऐसा नहीं जाता है कि जिस दिन हत्या, लूटपाट, फिरौती की घटनाएं ना होती हो। प्रदेश में पूरी तरह से जंगलराज कायम है। उन्होंने कहा कि जब भी शहर में मुख्यमंत्री का कार्यक्रम होता है तो प्रशासन द्वारा उन्हें पहले ही नजरबंद कर लिया जाता है, जिससे साबित होता है कि भाजपा सरकार आम आदमी से पार्टी से घबराई हुई है।

भाजपा ने जनविरोधी पोर्टल व सर्वर को लागू कर जनता को परेशान किया : दीपेंद्र हुड्डा

जींद। रोहतक से कांग्रेस के सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि भाजपा ने जनविरोधी पोर्टल तथा सर्वर को गैर भाजपा राज्य सरकारों में लागू कर जनता को परेशान किया हुआ है, महंगाई चरम स्तर पर है। किसानों को एमएसपी नहीं मिल रहा है, सिंचाई के लिए नहरी पानी नही है। भाजपा सरकार ने एससी तथा बी के अधिकारों को छीना है। सरकार पक्की नौकरियां नहीं दे रही है। 10 साल के शासनकाल में भाजपा ने महज 10 हजार नौकरियां दी हैं। भर्ती घोटाले तथा पेपर लीक में उलझ कर भाजपा रह गई है। भाजपा सरकार 10 रुपये की घोषणा करती है और काम चवन्नी में चलाती है। अगर भाजपा सरकार ने हिसाब-किताब नहीं दिया तो आने वाले विधानसभा चुनाव में लोग भाजपा का हिसाब-किताब चुकता कर देंगे। रोहतक से कांग्रेस के सांसद दीपेंद्र हुड्डा हरियाणा मांगे हिसाब कार्यक्रम के तहत पैदल मार्च से पूर्व पत्रकारों से बातचीत कर कर रहे थे।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार केंद्रीय जांच एजेंसी का दुरुपयोग कर रही है। विपक्ष को निशाना बनाया जा रहा है। भाजपा सरकार ने जो घोषणा की थी वह उन पर बिल्कुल भी खरी नही उतरी है। इसलिए सरकार जनता से माफी मांगे। बीपीएल, एसी तथा बी को सरकार प्लाट तक नही दिला पाई। अब क्रीमीलेयर की लिमिट को 10 साल के बाद बढ़ाना गरीब तबके को उनके अधिकारों से वंचित रखना है। भाजपा सरकार खुद मान रही है कि अग्निवीर को वर्ष 2026 में स्थायी कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार हरियाणा की जनता से माफी मांगे।

हांसी-महम-रोहतक-नई दिल्ली रेलमार्ग पर सिरसा से शुरू की जाए इंटरसिटी ट्रेन: कुमारी सैलजा

सिरसा। नवनिर्मित रेल लाइन हांसी-महम-रोहतक-नई दिल्ली के बीच नई इंटरसिटी ट्रेन चलाई जाए, ऐसा करने से सिरसा और अन्य जिलों के यात्रियों को समय की बचत होगी और वे दिल्ली से एक ही दिन में आना जाना कर सकते हैं। इस संबंध में सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद कुमारी सैलजा ने अश्विनी वैष्णव रेलमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा है कि संसदीय क्षेत्र सिरसा शहर की विभिन्न संस्थाओं आदर्श रेजिडेंशियल वेलफेयर कमेटी, भाईचारा न्यू हाऊसिंग बोर्ड कालोनी, अंतरराष्ट्रीय दर्शक-श्रोता संघ सिरसा, हैला सिरसा, सामुदायिक रेडियो श्रोता संघ सिरसा, ग्रीन मिशन सिरसा, अखिल भारतीय अरोडा एकता परिवार सिरसा, ओथ कमिश्नर एसोसिएशन सिरसा, टाइपिस्ट एसोसिएशन सिरसा, सर्वधर्म एकता कमेटी सिरसा, जिला बार एसोसिएशन सिरसा सहित अन्य संस्थाओं की ओर से उन्हें पत्र लिखकर मांग की है कि इस वर्ष फरवरी में हांसी-महम-रोहतक 72 किमी लंबी लाइन को शुरू किया गया है, लोगों की मांग है कि सिरसा से सुबह 4:30 बजे सिरसा से हिसार, हांसी, महम, रोहतक, नई दिल्ली के बीच नई इंटरसिटी ट्रेन चलाई जाए जो सुबह 9:00 दिल्ली पहुंचे। शाम 5:00 बजे चलकर रात्रि 10: 00 बजे सिरसा पहुंचे। ताकि आम आदमी और व्यापारी वर्ग आठ घंटे में अपना काम कर घर वापस लौट सके।

डॉ. विवेक सैनी ने संभाला राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य का पद भार

हिसार। डॉ. विवेक सैनी ने राजगढ़ रोड स्थित राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य का पद संभाल लिया है। वे राजकीय महाविद्यालय अग्रोहा में प्राचार्य थेए जिनका हाल ही में हिसार तबादला किया गया था।डॉ. विवेक सैनी राजकीय महाविद्यालय के जंतु विभाग में ही 15 वर्षों तक अपनी सेवाएं दे चुके हैं। महाविद्यालय पहुंचने पर महाविद्यालय के वाइस प्रिंसिपल डॉ. कृष्ण कुमार के नेतृत्व में कॉलेज काउंसलिंग ने उनका पुष्प भेंट करके स्वागत किया। डॉ. विवेक कुमार सैनी ने विधिवत रूप से प्राचार्य का कार्यभार संभालने के बाद पूरे स्टाफ का धन्यवाद किया व कहा कि राजकीय महाविद्यालय एक बहुत ही प्रतिष्ठित संस्थान है और उनका प्रयास रहेगा कि इसको हरियाणा में एक अलग पहचान दिलाई जाए।

विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का सूपड़ा साफ करेगी हरियाणा की जनता: मोहन लाल बड़ौली

एजेंसी

गुरुग्राम। भाजपा हरियाणा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ से उनके आवास पर मुलाकात की। बड़ौली ने हनुमान जी की मूर्ति और पुष्प गुच्छ भेंटकर राष्ट्रीय सचिव धनखड़ का अभिनंदन किया। दोनों नेताओं के बीच करीब घंटे भर प्रदेश की राजनीति और संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई।

गुरुग्राम स्थित अपने आवास पर पहुंचने पर धनखड़ ने भी प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली का स्वागत किया और बधाई तथा शुभकामनाएं दी। धनखड़ से मुलाकात के बाद प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली हरियाणा भवन पहुंचे और उसके बाद राष्ट्रीय कार्यालय के लिए रवाना हुए। प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया है कि भाजपा संगठन विधानसभा चुनाव में जीत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार

द्वारा प्रदेश में करवाए गए विकास के कार्यों और भाजपा के कार्यकर्ताओं की मेहनत के दम पर हम जनता के दिल में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं। बड़ौली ने कहा कि 10 साल का सुशासन देश और प्रदेश में भाजपा सरकार ने दिया है। अब हरियाणा में भी तीसरी बार भाजपा की सरकार बनना तय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग हिसाब की बात करते हैं, लेकिन जनता चुनाव में कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर उसका हिसाब चुकता कर देगी।

राजनीतिक संत मनोहर लाल की बदली परिपाटी से दलितों को मिला न्याय : सुदेश कटारिया

एजेंसी

जींद। हरियाणा की राजनीति में दलित समाज बदलाव की भूमिका में खड़ा है। आगामी विधानसभा चुनावों में दलित समाज न केवल भाजपा की हैट्रिक लगाने में सबसे बड़ा फैक्टर साबित होगा बल्कि विपक्ष को संविधान का अपमान करने का जवाब भी देगा। हरियाणा मुख्यमंत्री के चीफ मीडिया कोआर्डिनेटर सुदेश कटारिया दलितों में अलख जगाने का जिम्मा संभाले हुए हैं।

जींद जिले के नरवाना स्थित अंबेडकर भवन में आयोजित दलित सम्मेलन में सुदेश कटारिया ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल के दलित हितैषी फैसलों के साथ दलित महापुरुषों को दिए गए सम्मान बारे अवगत कराया। दलित समाज ने पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा दलितों के हित और नई पहचान दिलाने के खातिर लिए गए फैसलों की सराहना की। सुदेश कटारिया ने मनोहर लाल को राजनीति संत की उपाधि देते हुए कहा कि उन्होंने न केवल राजनीति की परिपाटी को

बदला बल्कि दलितों को न्याय दिलाने का काम किया। वर्ष 1966 हरियाणा गठन के बाद कई मुख्यमंत्री आए और गएए लेकिन किसी ने दलितों की सुध नहीं लीए केवल उन्हें वोट बैंक के तौर पर ही प्रयोग किया। उन्होंने स्पष्ट किया जो भी मुख्यमंत्री आयाए वह पुराने ढर्रे पर चला। चहेतों को नौकरियां देने का काम करने के साथ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों को पूरी तरह नजर अंदाज किया। मगर जब साढ़े नौ साल पहले मनोहर लाल ने बतौर मुख्यमंत्री हरियाणा की कमान संभाली तो वह दलितों के लिए एक संत की भूमिका में आए, जिन्होंने दलित हितों के रक्षक बाबा साहेब के बाद दलितों के हितों की चिंता की और उन्हें न्याय दिलाने का काम किया।

आर्यनगर व कैमरी गांव को जल्द ही महाग्राम योजना में किया जाएगा शामिल : नायब सैनी

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की है कि आर्यनगर व कैमरी गांव को जल्द ही महाग्राम योजना में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा आर्यनगर गांव में जमीन उपलब्ध होने पर डॉ. बीआर आंबेडकर के नाम से कम्युनिटी सेंटर बनाया जाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि गंगवा रोड, साकेत कॉलोनी कम्युनिटी सेंटर के पास उपलब्ध जमीन पर अर्बन हेल्थ सेंटर बनाया जाएगा। नायब सिंह सैनी जिले के गांव आर्यनगर में आयोजित प्रदेश स्तरीय दक्ष प्रजापति जयंती कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरु दक्ष आईटीआई, आर्यनगर में 15 किलोवाट का सोलर सिस्टम लगवाया जाएगा और आईटीआई में डिजिटल पुस्तकालय का निर्माण किया जाएगा। साथ ही विशेष पाइपलाइन के माध्यम से पीने के पानी की समस्या का भी निदान किया जाएगा। उन्होंने कुम्हार धर्मशाला प्रेम नगर हिसार में शैड के निर्माण के लिए 21 लाख रुपये की राशि की

मंजूरी की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि हरियाणा मिट्टी कला बोर्ड के बजट में बढ़ोतरी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी नौकरियों में बीसी-ए के बैकलॉग को जल्द भरा जाएगा। मुख्यमंत्री ने सपरा हॉस्पिटल से बाईपास राजगढ़ रोड तक की सडक़ तथा जिला हिसार में गांव तलवंडी रुक्का से गांव चनाना तक हरियाणा राज्य विपणन बोर्ड की लगभग छह किमी की सडक़ को बनवाने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि चौधरीवास सब माइनर बुर्जी संख्या 11300 से 18600 टेल तक रिमॉडलिंग का कार्य करवाया जाएगा। जिला फतेहाबाद में कुम्हार धर्मशाला बनाने के लिए नीति के अनुसार 50 प्रतिशत कलेक्टर रेट पर आधा एकड़ जमीन दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने आर्य नगर में मुख्यमंत्री तीर्थ योजना के अंतर्गत श्री अयोध्या धाम जाने वाले बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से लाखों वर्ष पहले प्रजापति ब्रह्मा ने पंच तत्वों (पृथ्वी, जल, वायु, आकाश और अग्नि) के प्रयोग से सृष्टि की रचना की थी। ब्रह्मा जी के बेटे दक्ष प्रजापति ने भी इन्हीं पंच तत्वों का इस्तेमाल करके बर्तनों की कलाकारी की। इस प्रकार मनुष्यों में सबसे पहले कलाकार महाराजा दक्ष प्रजापति ही थे। इसलिए कुम्हार को प्रजापति की संतान मानकर प्रजापति कहा गया।

इनसो ने वीसी को सौंप सभी संकायों में 50 प्रतिशत सीटे बढ़ाए जाने की रखी मांग

एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय वीसी डा. रणबीर सिंह को इनसो कार्यकर्ताओं ने प्रधान मोनू मलिक के नेतृत्व में सभी संकायों में 50 प्रतिशत सीटें बढाए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इसके अलावा बस सेवा शुरू करवाने, छात्रों की विभिन्न समस्याओं एवं उनके समाधान की मांग भी विश्वविद्यालय कुलपति के सामने रखी। मोनू मलिक ने कहा कि विश्वविद्यालय में दाखिला प्रक्रिया चली हुई है। इस बार उम्मीद से बढ़कर दाखिले के लिए छात्रों ने आवेदन भी किए हैं लेकिन सीटें कम होने के चलते कई छात्र दाखिले से वंचित रह गए हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय में मौजूद सभी संकायों में 50 प्रतिशत तक सीटें बढ़ाई जाएं ताकि हर छात्र को दाखिला मिल सके। वहीं विभिन्न परीक्षाओं का परिणाम जल्द जारी करने, दाखिले के लिए ऑनलाइन पोर्टल फिर से खोले जाने सहित अन्य छात्रों की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए। वीसी ने बच्चों की संख्या को देखते विश्वविद्यालय में सीट बढ़ोत्तरी का आश्वासन दिया। इस मौके पर पूनम, प्रवीण, दिनेश भाटी, लविश पूनिया, ममता, सोनिया, पिंकी आदि छात्र मौजूद रहे।

हिसार रेंज में पुलिस कर्मचारियों की पदोन्नति परीक्षा बी-1 के हुए मॉक टेस्ट

एजेंसी

हिसार। हिसार रेंज में सिपाही से मुख्य सिपाही की पदोन्नति के लिए होने वाली परीक्षा बी-1 के मॉक टेस्ट का आयोजन किया गया। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के दीनदयाल उपाध्याय कंप्यूटर लैब में यह परीक्षा हुई। पुलिस कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए बी-1 परीक्षा का यह अभ्यास चरण है।

हिसार रेंज में 528 पुलिस कर्मचारी इस परीक्षा के लिए पात्र हैं जिनमें से 516 पुलिस कर्मचारियों ने इस अभ्यास परीक्षा में भाग लिया। इस दौरान एडीजीपी डॉ. एम. रवि किरण ने परीक्षा केंद्र को चेक किया। इस परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से करवाने के लिए एडीजीपी की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी में भिवानी के पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला व हिसार के पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण इसके सदस्य हैं। इस पदोन्नति अभ्यास परीक्षा में 516 पुलिस कर्मचारियों ने भाग लिया। पदोन्नति की बी-1 की मुख्य परीक्षा 27 व 28 जुलाई को होगी। एडीजीपी ने पुलिस

कर्मचारियों को इस परीक्षा के लिए अच्छे से तैयारी करने के निर्देश दिए। हिसार रेंज के प्रत्येक जिले से एक-एक उप पुलिस अधीक्षक नोडल अधिकारी के रूप में अपनीङ्कअपनी टीम सहित इस परीक्षा का आयोजन करवाने के लिए पहुंचे।

अब स्कूली बच्चे गुड मार्निंग सर नहीं, बोलें, जय हिंद सर: शिक्षामंत्री सीमा त्रिखा

एजेंसी

कैथल। हरियाणा की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने कहा कि सरकार की शिक्षा नीति के परिणाम स्वरूप आमजन का सरकारी स्कूलों के प्रति विश्वास बढ़ रहा है। प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में करीब 25 लाख से ऊपर विद्यार्थियों को संस्कारमय शिक्षा देकर सर्वांगीण विकास किया जा रहा है, ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल हो और वे हर क्षेत्र में कामयाब हों। शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा शनिवार कैथल में प्रबंधन समिति प्रशिक्षण एवं कांफ्रेंस में बतौर मुख्यातिथि बोल रही थी। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता पूरक शिक्षा प्रदान करने में अध्यापकों के साथ-साथ हर विद्यालय में बनी स्कूल मैनेजमेंट कमेटियां यानि एसएमसी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक लीला राम व भाजपा

जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर ने भी शिरकत की। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने उत्तम कार्य करने वाली एसएमसी व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों व अध्यापकों को सम्मानित किया। शिक्षामंत्री ने उपस्थित बच्चों से आह्वान किया कि वे स्कूल पहुंचकर गुड मॉर्निंग की बजाय जय हिंद सर बोलें। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश के करीब 92 स्कूलों की पुरानी हो चुकी बिल्डिंगों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि करीब 500 अध्यापकों को प्रिंसिपल के पद पर पदोन्नत किया जाएगा।

विधायक लीलाराम ने रखी शिक्षामंत्री के आगे मांग

विधायक लीला राम ने शिक्षा मंत्री से कहा कि सजूमा, क्योडक व पाड़ला के स्कूलों के विकास के लिए 6-6 करोड़ रुपये की राशि मंजूर है, जिसमें कुछ राशि आ चुकी है, बाकि राशि जल्द जारी करवा दें, ताकि बाकि का विकास कार्य पूरा हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि शहर में गीता भवन के नजदीक लड़कियों का राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का भवन बहुत पुराना हो चुका है, इसके नवनिर्माण के लिए 12 करोड़ रुपये मंजूर हैं, जिसे जल्द जारी करवाया जाए।

झूठ बोलकर प्रदेश की जनता को गुमराह कर रहे कांग्रेस नेता : सीएम नायब सैनी

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि कांग्रेस झूठ बोलकर जनता को गुमराह करने का काम करते हैं। कांग्रेस नेता प्रदेश में घूम-घूम कर हिसाब मांग रहे हैं, जबकि कांग्रेस की केंद्र और राज्य में वर्षों तक सरकार रही लेकिन उनके समय में एससी-बीसी वर्ग के हितों का हनन होता था, उनका शोषण होता था।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नजदीकी गांव आर्यनगर में आयोजित महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती के प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब हम गरीबों का शोषण नहीं होने देंगे, उन्हें मजबूती से आगे बढ़ाने का काम करेंगे। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब के बेटे को प्रदेश के मुखिया की जिम्मेदारी सौंपी है। कांग्रेस के नेता बताएं कि क्या वे पिछड़ा वर्ग को इतना सम्मान देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय में पर्ची-खर्ची के साथ युवाओं को नौकरियां मिलती थी लेकिन हमारी सरकार में बिना पर्ची-बिना खर्ची के मैरिट पर युवाओं को नौकरियां मिली हैं। आज गरीब के घर के बच्चे भी हरियाणा में अधिकारी

लग रहे हैं, जिन्होंने पहले कभी सोचा भी नहीं था। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास रहा है कि सभी वर्गों के लोग आगे बढ़ें, सभी का उत्थान हो और सभी को बराबर के हक मिलें। इस दिशा में सरकार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन के अनुरूप विकास का लाभ उन लोगों तक पहुंचाने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं, जो किन्ही कारणों से पिछड़े रह गये थे। इससे पहले, स्वास्थ्य मंत्री डॉ कमल गुप्ता ने कहा कि जो समाज समय-समय पर अपने पूर्वजों को याद नहीं करता, वो समाज उन्नति नहीं कर सकता। महाराजा दक्ष प्रजापति को याद करते हुए उन्होंने कहा कि महाराज दक्ष इस जगत के रचयिता ब्रह्माजी के 10 पुत्रों में से एक थे। वे कला में माहिर और समाज के अग्रणी और गौरवशाली थे। प्रदेश सरकार ने महापुरुषों को सरकार ने पिछड़ा वर्ग के कल्याण व उत्थान के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं।

हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा ने महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती सरकारी स्तर पर मनाने के निर्णय लेने पर मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने पिछड़ों के कल्याण के लिए अनेक कदम उठाए है। उन्होंने कहा कि पहली बार हरियाणा प्रदेश सरकार की तरफ से गुरु दक्ष जयंती मनाई जा रही है।

कार्यक्रम में हांसी विधायक विनोद भयाना, बरवाला विधायक जोगीराम सिहाग, पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा, पूर्व मंत्री कर्णदेव कंबोज, पूर्व मंत्री प्रो. छत्रपाल सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद डीपी वत्स, पूर्व विधायक वेद नारंग, जिलाअध्यक्ष आशा खेदड़, माटी कला बोर्ड के चेयरमैन ईश्वर मालवाल, जिला परिषद के अध्यक्ष सोनू डाटा सहित बड़ी संख्या में प्रजापति समाज के लोग उपस्थित थे।

भारत को फिर से विश्व गुरू बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे बच्चे : असीम गोयल

मंत्री असीम गोयल ने किया उत्कृष्ट कोचिंग सेंटर की ऑनलाइन तथा ऑफलाइन कक्षाओं का शुभारंभ

एजेंसी

हिसार। हरियाणा के महिला, बाल विकास व परिवहन मंत्री असीम गोयल ने कहा है कि आज के बच्चे भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपनी उर्जा शिक्षण में लगाएं।

असीम गोयल यहां के बाल भवन में स्थित उत्कृष्ट कोचिंग सेंटर में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कक्षाओं का उद्घाटन अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता चंडीगढ़ हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद मानद महासचिव सुषमा गुप्ता ने की। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग एवं परिवहन मंत्री असीम गोयल को जिला बाल कल्याण परिषद हिसार द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर जिला प्रशासन की तरफ से रीजनल ट्रांसपोर्ट अधिकारी पारिशा शर्मा, हिसार मंडल बाल कल्याण अधिकारी कमलेश चाहर,

शालिनी चेतल उपस्थित रही। कार्यक्रम के दौरान हरियाणा कला परिषद हिसार मंडल के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां देकर सभी को मंत्रमुग्ध किया। इन प्रस्तुतियों में पद्मश्री अवार्डी महावीर गुड्डू की टीम ने देशभक्ति गीत से सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष जिला बाल कल्याण अधिकारी विनोद कुमार, उत्तर क्षेत्र सेवा प्रमुख कृष्ण कुमार, कमल सर्राफ, प्रचारक विकास, कुलदीप, युवा और सेवा फाउंडेशन अध्यक्ष शमशेर सिंह मोर, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन प्रधान रविन्द्र, डॉ. कुलदीप, सत्यावती, रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव रविन्द्र लोहान व भूपेंद्र सहित हरियाणा की टीम उपस्थित रही।

लूटपाट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। पशु व्यापारी से लूट करने वाले आरोपी को रानियां थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। जानकारी देते हुए करीवाला चौकी प्रभारी एसआई राजेश कुमार ने बताया कि आरोपी की पहचान पहचान गुरसेवक सिंह उर्फ मुल्ला पुत्र जैली सिंह उर्फ जैला राम निवासी बणी गांव जिला सिरसा के रूप में हुई है। पुलिस दो आरोपियों को पहले कर चुकी है गिरफ्तार उन्होंने कहा कि इस घटना के दो आरोपी मंगू व सोनू निवासी बणी को रानियां थाना पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर लूटी गई राशि में से 7500 रुपए की राशि बरामद कर चुकी है। वारदात में उपयोग होने वाली बाइक को भी बरामद कर लिया है। बात दें कि ने काले खां पुत्र मोहम्मद खां निवासी रोड़ावाली जिला हनुमानगढ़ राजस्थान की शिकायत पर रानियां थाना पुलिस ने लूटपाट के मामले में केस दर्ज किया था। गौरतलब है कि भैंस व्यापारी काले खां 7 जनवरी को गांव बणी से सुरेवाला की तरफ जा रहा था, तो रास्ते में घात लगाकर बैठे तीन युवकों ने काले खां से 15 हजार रुपए की नगदी लूट कर मौके से फरार हो गए थे।

नगरपालिका टूटने पर कुलदीप बिश्नोई व भव्य बिश्नोई का आदमपुरवासियों ने किया स्वागत

एजेंसी

हिसार। आदमपुर नगरपालिका टूटने के बाद पहली बार पहुंचे पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई एवं विधायक भव्य बिश्नोई का संघर्ष समिति एवं आदमपुर मंडी वासियों ने जोरदार स्वागत किया। ढोल की थाप, पगडियों व मिठाइयों से मंडी आदमपुर के बाजारों में जगह-जगह पर लोगों कुलदीप व भव्य का फूल माला पहनाकर तथा लड्डुओं से स्वागत किया। आदमपुर अनाज मंडी आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि आदमुपर और भजनलाल परिवार का रिश्ता कभी राजनीतिक नहीं रहा। पिछले 56 वर्षों के आपसी भाइचारे और अटूट विश्वास का यह संगम ऐसे ही हमेशा चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि नगरपालिका तुड़वाने के लिए स्थानीय वासी उनसे मिले थे और उन्होंने व भव्य ने विश्वास दिलाया था कि जनभावनाओं के अनुसार ही निर्णय लिया जाएगा। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि पिछले दो वर्षों में आदमपुर हलके में भरपूर विकास कार्य हो रहे हैं। कोई ऐसा गांव नहीं है जहां पर कोई न कोई विकास का कार्य न चल रहा है। 750 करोड़ रूपए के विकास कार्य प्रगति पर हैं। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि विपक्षी यह भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं कि आदमपुर नगरपालिका टूटने से विकास कार्यों पर असर पड़ेगाए लेकिन वे विश्वास दिलाते हैं कि न तो पहले और न ही भविष्य में आदमपुर मंडी के विकास में कोई कमी आने दी जाएगी। आदमपुर मंडी में सीवरेज लाईन बिछाने का कार्य आगामी छह माह में पूरा हो जाएगा। पेयजल पाईप लाईन तथा बरसाती पानी निकासी की पाईप लाईन के कार्य लगभग पूरे हो चुके हैं। सभा को संबोधित करते हुए विधायक भव्य बिश्नोई ने कहा कि आदमपुर नगरपालिका को तुड़वाने के लिए हम प्रयासरत थे। स्थानीय निवासियों की मांग को हमने मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। वे आभारी हैं मुख्यमंत्री नायब सैनी तथा शहरी निकाय मंत्री सुभाष सुधा के।

माईक्रोसॉफ्ट आउटेज के बाद विमानों का परिचालन सामान्यः राममोहन नायडू

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि वैश्विक आईटी व्यवधान के कारण प्रभावित एयरलाइन प्रणाली अब सामान्य तौर पर काम करने लगी हैं। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि सभी मुद्दे जल्द सुलझ जाएंगे। नायडू ने 'एक्स' पोस्ट पर बयान में कहा कि दुनियाभर में सूचना प्रौद्योगिकी माईक्रोसॉफ्ट के सर्वर ठप होने के कारण शुक्रवार को प्रभावित हवाई अड्डों पर एयरलाइन सिस्टम सामान्य रूप से काम करने लगी हैं। नागर विमानन मंत्रालय एयरपोर्ट और एयरलाइनों के परिचालन की लगातार निगरानी कर रहा है, ताकि यात्रा समायोजन और रिफंड का ध्यान रखा जा सके। नायडू ने एक बयान में कहा कि सुबह तीन बजे से हवाई अड्डों पर एयरलाइन प्रणाली सामान्य रूप से काम करने लगी हैं। हमें उम्मीद है कि सभी मुद्दे जल्द सुलझ जाएंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार इंडिगो, स्पाइसजेट, अकासा और एयर इंडिया एक्सप्रेस सहित अधिकांश एयरलाइनों की आरक्षण और चेक-इन प्रणाली अब चालू हो गई है। वहीं एयर इंडिया ने एक बयान में कहा कि उसने कल इतनी परेशानियों के बाद भी एक उड़ान रद्द नहीं की थी। इंडिगो ने कहा वैश्विक व्यवधान के कारण परिचालन संबंधी कठिनाइयां पैदा हो गई थीं, जो लगभग हल हो गई हैं।

आयकर विभाग ने करदाताओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने का सुझाया उपाय

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आयकरदाताओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी से चेतावनी के साथ बचाव के तरीकों के बारे में उचित परामर्श जारी किया है। आयकर विभाग ने करदाताओं को साइबर अपराध रोकथाम के तहत ऑनलाइन धोखाधड़ी से खुद को बचाने की सलाह दी है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में करदाताओं को ऑनलाइन होने वाली धोखाधड़ी से बचने के तरीकों के बारे में जानकारी दी है। विभाग ने टैक?सपेयर्स के लिए जारी अपनी सलाह में ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के उपाय भी सुझाए हैं। आयकर विभाग ने करदाताओं से कहा है कि कृपया ध्यान दें, अपनी व्यक्तिगत जानकारी कभी भी साझा न करें। आयकर विभाग ने करदाताओं को अपनी व्यक्तिगत जानकारियों-ओटीपी, बैंक अकाउंट, पैन और आधार नंबर कभी किसी से शेयर नहीं करने की सलाह दी है। विभाग ने करदाताओं को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से संबंधित बिना सत्यापित किसी भी लिंक पर क्लिक नहीं करने की सलाह दी है। इसके साथ ही करदाताओं से अपना आयकर रिटर्न आयकर विभाग के आधिकारिक ई-फाइलिंग वेबसाइटhttps://incometa&india.gov.in/Pages/ta&payers-charter-reports.asp& पर लॉगिइन करके फाइल करने की सलाह दी है।

कच्चा तेल 83 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड टूटकर 83 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 81 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन ब्रेंड क्रूड 2.48 डॉलर यानी 2.91 फीसदी की गिरावट के साथ 82.63 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 2.69 डॉलर यानी 3.25 फीसदी टूटकर 80.13 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, नई दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

रिलायंस जियो दुनिया भर में डाटा खपत के मामले में नंबर वन कंपनी

नई दिल्ली। चीनी कंपनियों को पीछे धकेल कर रिलायंस जियो दुनिया भर में डाटा खपत के मामले में नंबर वन कंपनी बन गई है। कंपनी के जून तिमाही के नतीजों में इस बात का खुलासा हुआ कि जियो नेटवर्क पर डाटा खपत तिमाही में 44 एक्साबाइट यानी 4400 करोड़ जीबी से आगे निकल गई है। यह पिछले साल के मुकाबले करीब 33 फीसदी का उछाल है। देश में पहली बार किसी टेलीकॉम नेटवर्क पर ग्राहक औसतन प्रतिदिन एक जीबी से कुछ अधिक डाटा का इस्तेमाल कर रहे हैं। कंपनी की जारी तिमाही रिपोर्ट के अनुसार जियो 5जी नेटवर्क से जुड़े करीब 13 करोड़ ग्राहक बड़ी तादाद में डाटा का उपयोग करते हैं। अभी जियो के 5जी नेटवर्क पर बिना शुल्क अनलिमिटेड डाटा उपलब्ध है। 5जी ग्राहकों की यह संख्या कितनी बड़ी है, इसका अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि अगर चीन को छोड़ दें, तो यह संख्या दुनिया में किसी भी जगह की तुलना में सबसे बड़ी है। गौरतलब है कि जियो के करीब 49 करोड़ ग्राहक हैं, जिनमें से करीब चार करोड़ ग्राहक पिछले एक साल में जियो नेटवर्क से जुड़े हैं। तिमाही नतीजों पर रिलायंस जियो इन्फोकॉम के अध्यक्ष आकाश एम अंबानी ने कहा, गुणवत्तापूर्ण उच्च कवरेज़ वाला, किफायती इंटरनेट डिजिटल इंडिया की रीढ़ है और जियो को इसमें योगदान देने पर गर्व है। हमारे नये प्रीपेड प्लान, 5जी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नवाचार और सतत विकास को को बढ़ावा देंगे। 'कस्टमर फर्स्ट' दृष्टिकोण के साथ, अपने बेहतर नेटवर्क और नये सेवा प्रस्तावों के दम पर जियो अपनी मार्केट लीडरशिप को और मजबूत करेगा।

शीर्ष देशों को भारत की तरफ से माल निर्यात में दोहरे अंकों की वृद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में आकर्षक पश्चिमी बाजारों में भारत के निर्यात में दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज की गई है, जो अर्थव्यवस्था की तरफ से की जा रही प्रतिस्पर्धा की ताकत को दर्शाता है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा इकट्ठा किए गए नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि चालू वित्त वर्ष की तिमाही के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका में भारत का निर्यात 10.4 प्रतिशत बढ़ गया, जबकि नीदरलैंड के मामले में 41.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यूनाइटेड किंगडम के शिपमेंट में 21.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात के समृद्ध बाजारों में भारत का निर्यात क्रमशः 26.55 और 17.6 प्रतिशत तक बढ़ गया।इस दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार बना रहा, इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और नीदरलैंड का स्थान रहा। आंकड़ों से

यह भी पता चलता है कि चीन को किया जाने वाला निर्यात 2.8 प्रतिशत घट गया, जबकि पड़ोसी देश से आयात 8.3 प्रतिशत बढ़ गया। इससे व्यापार घाटा बढ़ गया। लाल सागर क्षेत्र के आसपास जहाजों पर हौथी हमलों और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण विश्व व्यापार में व्यवधान जैसी भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद भारत ने लगातार तीन महीनों तक निर्यात में वृद्धि दर्ज की है। इसी को देखते हुए आरबीआई ने कहा है कि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं और उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में वैश्विक आर्थिक गतिविधि मजबूत होती दिख रही है और वस्तुओं और सेवाओं में वैश्विक व्यापार गति पकड़ रहा है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत है। भारत का गुड्स एंड सर्विस का निर्यात जून में 5.4 प्रतिशत बढ़कर 65.47 बिलियन डॉलर हो गया, जबकि इस साल अप्रैल-जून तिमाही के दौरान निर्यात की कुल वृद्धि 8.4 प्रतिशत रही, जो 200.33 बिलियन डॉलर थी। व्यापार सचिव सुनील बर्थवाल ने इस सप्ताह मासिक व्यापार आंकड़े को जारी करते हुए कहा 2024-25 की पहली तिमाही में भारत का कुल निर्यात 200 अरब डॉलर को पार कर गया है और अगर यही क्रम जारी रहता है, तो हमें उम्मीद है कि इस वित्तीय वर्ष का निर्यात 800 अरब डॉलर को पार कर जाएगा।

ईपीएफओ ने मई महीने में रिकॉर्ड 19.5 लाख सदस्य जोड़े

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में सेवानिवृति कोष का प्रबंधन करने वाला निकाय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने मई महीने में शुद्ध रूप से (नेट) रिकॉर्ड 19.50 लाख सदस्यों को जोड़ा है। मई में जोड़े गए कुल नए सदस्यों में से 58 फीसदी से अधिक 18-25 आयु वर्ग के हैं।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि मई में शुद्ध रूप से रिकॉर्ड 19.50 लाख सदस्य जोड़े गए हैं। ये संख्या सालाना आधार पर मई 2023 की तुलना में 19.62 फीसदी ज्यादा है। आंकड़ों के मुताबिक मई 2024 के दौरान करीब 9.85 लाख नए सदस्यों ने नामांकन कराया है। अप्रैल 2024 के मुकाबले नए सदस्यों में 10.96 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि सालाना आधार पर इसमें 11.5 फीसदी की वृद्धि हुई है। पेरोल आंकड़ों के अनुसार करीब 14.09 लाख सदस्य ईपीएफओ से बाहर हो गए थे, जो बाद में फिर शामिल हो गए। आंकड़ों के लिंग-वार विश्लेषण के मुताबिक मई के दौरान जोड़े गए नए सदस्यों में करीब 2.48 लाख महिला सदस्य थीं। ये आंकड़ा मई 2023 की तुलना में 12.15 फीसदी ज्यादा है। इस दौरान नेट 3.69 लाख महिला

सदस्य शामिल हुईं। पेरोल के राज्यवार आंकड़ों में महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात और हरियाणा में सदस्यों की सबसे अधिक वृद्धि हुई है। मंत्रालय के मुताबिक अप्रैल 2018 में ईपीएफओ के जब पहली बार पेरोल आंकड़े जारी हुए तब से मई महीने में सबसे अधिक सदस्य बढ़े। मई 2024 में जोड़े गए कुल नए सदस्यों में 18-25 आयु वर्ग की 58.37 फीसदी हिस्सेदारी है।

जबलपुर कॉन्क्लेव में देशी-विदेशी उद्योग संघों के 3,500 से ज्यादा प्रतिनिधि होंगे शामिल

एजेंसी

जबलपुर/भोपाल । मध्य प्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर में होने वाले रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इसमें देश और विदेश के विभिन्न उद्योग संघों के साढ़े तीन हजार से ज्यादा प्रतिनिधि हिस्सा लेगें।

यह आयोजन जबलपुर के सुभाष चंद्र बोस कल्चरल एंड इंफार्मेशन सेंटर में होने वाला है। आयोजन स्थल कार्यक्रम के लिए पूरी तरह तैयार है। इस आयोजन के लिए सरकार ने एक ऐप बनाया है, जो एआई आधारित है। इसके जरिए प्रतिनिधियों को कॉन्क्लेव की जानकारी दी जा रही है। वहीं, इसके जरिए औद्योगिक प्रतिनिधि भी आपस में मिलने का समय तय कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव 80 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित नेताजी सुभाष चंद्र बोस सांस्कृतिक और सूचना केंद्र का उद्घाटन कर यहां होने वाले क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन का शुभारंभ भी करेंगे।सम्मेलन में प्रमुख उद्योगपतियों, विभिन्न उद्योग संघों के प्रतिनिधियों और प्रमुख विदेशी प्रतिनिधियों सहित 3500 से अधिक उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियां

शामिल होंगी। मुख्यमंत्री 60 से अधिक इकाइयों का वर्चुअली उद्घाटन कर उद्योगपतियों से वन-टू-वन चर्चा भी करेंगे। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में शामिल होने वाली हस्तियों में बैद्यनाथ समूह, आईटीसी, वोल्वो आयशर, बेस्ट कॉर्प, एसआरएफ एवं दावत समूह जैसे प्रमुख औद्योगिक ग्रुप शामिल हैं।कार्यक्रम में ताइवान, मलेशिया, ब्रिटेन, फिजी, जापान और इंडोनेशिया का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख विदेशी प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। विशिष्ट अतिथि एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप और पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। जबलपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में निवेश संभावनाओं पर केंद्रित पांच क्षेत्रीय सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें कृषि, खाद्य एवं डेयरी प्रसंस्करण, रक्षा, खनन एवं खनिज, कपड़ा एवं परिधान तथा पर्यटन शामिल हैं। साथ ही उद्योग संघों, स्टार्ट-अप्स एवं रक्षा, कपड़ा एवं परिधान के विशेषज्ञों के साथ राउंड-टेबल चर्चा भी होगी।

बढ़ती आय की वजह से भारत में खपत में बढ़ोत्तरी, खुदरा बिक्री भी बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली । बढ़ती आय के साथ वस्तुओं और सेवाओं पर घरेलू उपभोग व्यय में वृद्धि के साथ देश में जून के महीने में खुदरा बिक्री में 5 प्रतिशत की शानदार वृद्धि देखी गई। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) के एक सर्वेक्षण के अनुसार दक्षिण भारत में 7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। जिसकी वजह से वह क्षेत्र सबसे आगे रहा, इसके बाद उत्तर और पूर्वी भारत में क्रमशः 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, और पश्चिमी भारत में यह वृद्धि 4 प्रतिशत देखी गई। फुटवियर और परिधान के क्षेत्र में 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

आरएआई के सीईओ कुमार राजगोपालन ने कहा, 'आगामी त्योहारी सीजन और अच्छे मानसून के साथ, हम उपभोक्ताओं की खर्च करने की बढ़ती क्षमता की वजह से खुदरा बिक्री में और सुधार की उम्मीद करते हैं। रिपोर्ट में विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया गया है। विशेष रूप से ऐसी वस्तुओं में जो उपभोक्ता के लिए गैर-आवश्यक हो, लेकिन सीजन के अंत में इसकी बिक्री बढ़ी है। सांख्यिकी मंत्रालय के एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में घरेलू उपभोग व्यय वस्तुओं और सेवाओं पर बढ़ रहा है।

सर्वेक्षण के अनुसार मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण भारत में 2011-12 की तुलना में मासिक प्रति व्यक्ति घरेलू खपत 2022-23 में 40 प्रतिशत बढ़ गई है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय 2011-12 में 1,430 रुपये से बढ़कर 2022-23 में 2,008 रुपये हो गया। शहरी क्षेत्र में भी मुद्रास्फीति के समायोजन के बाद प्रति व्यक्ति घरेलू उपभोग व्यय 2011-12 के 2,360 रुपये से बढ़कर 2022-23 में 3,510 रुपये हो गई, जो 33 प्रतिशत अधिक है।इस साल की पहली छमाही में देश में खुदरा स्टार्टअप ने पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक धन जुटाया।

डेटा इंटेलिजेंस फर्म ट्रैक्सन के अनुसार 2024 की पहली छमाही में खुदरा क्षेत्र के लिए फंडिंग 32 प्रतिशत बढ़कर 1.63 बिलियन डॉलर हो गई है, जो 2023 की पहली छमाही में 1.23 बिलियन डॉलर थी।

यूबीएस की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दशक में भारत में खपत लगभग दोगुनी हो गई है।चीन, अमेरिका और जर्मनी जैसी दुनिया की अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में पिछले साल भारत में खपत तेजी से बढ़ी है।

एचडीएफसी बैंक का मुनाफा 33 फीसदी बढ़कर 16,474 करोड़ रुपये पर पहुंचा

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 204-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। अप्रैल-जून तिमाही में बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ 33.17 फीसदी बढ़कर 16,474.85 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक को 12,370 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। एचडीएफसी बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में एकल आधार पर उसका शुद्ध लाभ 33.17 फीसदी बढ़कर 16,174 करोड़ रुपये रहा है। हालांकि, यह मुनाफा इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही के 16,511 करोड़ रुपये से कम है। बैंक ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में उसकी की कुल आमदनी बढ़कर 83,701 करोड़ रुपये रही है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष 202324 की समान तिमाही में 57,816 करोड़ रुपये रही थी। इसके साथ ही मार्च में बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात 1.24 फीसदी से बढ़कर 1.33 फीसदी हो गया है। जून तिमाही के अंत में एचडीएफसी बैंक की कुल पूंजी पर्याप्तता 19.33 फीसदी थी।

ओयो 2.5 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर जुटाएगा 125 मिलियन डॉलर की पूंजी : रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली । बजट होटल चेन चलाने वाली कंपनी ओयो की ओर से 2.5 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर 100 से लेकर 125 मिलियन डॉलर का फंड जुटाया जा रहा है। टेकक्रंच की रिपोर्ट में सोमवार को सूत्रों के हवाले से बताया गया कि बजट होटल चेन की ओर से 100 अरब डॉलर से लेकर 125 अरब डॉलर की राशि जुटाई जा रही है और कंपनी ने इसके लिए अपना वैल्यूएशन कम करके 2.5 अरब डॉलर कर दिया है। इस रिपोर्ट पर ओयो की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।पिछले महीने कंपनी की ओर से भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दोबारा से जमा कराए गए आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) के पेपर में कहा गया कि कंपनी ने अपने 450 मिलियन डॉलर के

टर्म लोन बी (टीएलबी) को दोबारा से कम ब्याज दर पर रिफाइनेंस कराया है।कंपनी के इस कदम से पहले साल 8 से 10 मिलियन डॉलर की राशि बचेगी। इसके बाद 15 से 17 मिलियन डॉलर की राशि की बचत करने में मदद मिलेगी। ओयो के संस्थापक और सीईओ, रितेश अग्रवाल ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी ने पहली बार 100 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है। अग्रवाल ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि हम लगातार आठ तिमाहियों से सकारात्मक ईबीआईटीडीए पोस्ट कर रहे हैं और कंपनी की बैलेंस शीट में 1,000 करोड़ रुपये का कैश मौजूद है। मुझे पूरा विश्वास है कि वित्त वर्ष 25 और भी अच्छा होगा।

ग्लोबल क्रेडिट रेटिंग फर्म फिच ने कंपनी की क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है। इसकी वजह कंपनी की स्थिति में सुधार हुआ है और कैश फ्लो का मजबूत होना है।

ग्रेटर नोएडा: आईटी-आईटीईएस स्कीम लॉन्च, 8,000 करोड़ का होगा निवेश

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा । ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने निवेशकों की मांग को देखते हुए आईटी/आईटीईएस के चार भूखंडों की योजना लॉन्च कर दी है। इस योजना के लिए शुक्रवार से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। 9 अगस्त तक पंजीकरण किए जा सकते हैं। रिजर्व प्राइस के हिसाब से इन भूखंडों की कीमत करीब 233 करोड़ रुपये है। अगर सभी चार भूखंड आवंटित हो जाते हैं तो इससे करीब 8,000 करोड़ रुपये के निवेश और 5,000 युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकेंगे। दरअसल,

आईटी कंपनियों की मांग को देखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने आईटी-आईटीईएस भूखंडों की स्कीम जल्द लॉन्च करने को कहा था। सीईओ की पहल पर चार भूखंडों की स्कीम लॉन्च कर दी गई है। दो भूखंड टेकजोन और दो भूखंड नॉलेज पार्क-5 में स्थित हैं। टेकजोन के दोनों भूखंड 48,567-48,567 वर्ग मीटर के हैं, जबकि नॉलेज पार्क-5 के दोनों भूखंड 8,080-8,080 वर्ग मीटर के हैं। इस स्कीम की समस्त जानकारी सहित ब्रोशर को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट और भारतीय स्टेट बैंक के वेब पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। इस स्कीम में पोर्टल के जरिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। ब्रोशर डाउनलोड करने की सुविधा शुक्रवार से ही शुरू कर दी गई है। प्रोसेसिंग फीस जमा करने की अंतिम तिथि 7 अगस्त और डॉक्यूमेंट जमा करने की अंतिम तारीख 9 अगस्त है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार का कहना है कि आईटी/आईटीईएस कंपनियों के लिए ग्रेटर नोएडा हब के रूप में उभरा है। यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी से भी निवेशक बहुत प्रभावित हैं। उन्होंने इस स्कीम के बेहद सफल होने की उम्मीद जताई है।

आर्थिक सर्वे और बजट का बाजार पर रहेगा असर

एजेंसी

मुंबई । विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर दमदार लिवाली से 81 हजार अंक के पार पहुंचने के बावजूद सप्ताह के अंतिम दिन हुई भारी मुनाफावसूली के दबाव में बीते सप्ताह मामूली बढ़त में रहे घरेलू शेयर बाजार पर अगले सप्ताह संसद में पेश होने वाले समाप्त वित्त वर्ष की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट और चालू वित्त वर्ष के पूर्ण बजट का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 85.31 अंक अर्थात 0.1 प्रतिशत बढ़कर सप्ताहांत पर 80604.65 अंक हो गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 28.75 अंक यानी 0.1 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24530.90 अंक पर रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में जमकर मुनाफावसूली हुई। इससे मिडकैप 1248.23 अंक अर्थात 2.63 प्रतिशत का गोता लगाकर सप्ताहांत पर 46260.03 अंक और स्मॉलकैप 1531.45 अंक यानी 2.83 प्रतिशत की गिरावट लेकर 52481.80 अंक रह गया। विश्लेषकों के अनुसार, अगले सप्ताह सोमवार को 31 मार्च को समाप्त हुए वित्त वर्ष 2023-24 की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी होने वाली है। इसके अगले दिन मंगलवार को संसद में वित्त वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट पेश किया जाएगा।

भारत में करोड़ों रुपये के लग्जरी होम की बिक्री में आई वृद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली । रियल एस्टेट क्षेत्र में निरंतर आई तेजी के साथ इस साल की पहली छमाही में 4 करोड़ रुपये और उससे अधिक की लागत वाले घरों की बिक्री 27 प्रतिशत बढ़ गई है। रियल एस्टेट सलाहकार सीबीआरई की एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, भारत के लग्जरी हाउसिंग सेगमेंट ने बिक्री में मजबूत वृद्धि बनाए रखी है। जो 2023 की समान अवधि में लगभग 6,700 यूनिट की तुलना में लगभग 8,500 लग्जरी यूनिट की कुल बिक्री तक पहुंच गई है।

शीर्ष सात शहरों में कुल लग्जरी आवास बिक्री में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और हैदराबाद की हिस्सेदारी लगभग 84 प्रतिशत रही। जहां दिल्ली-एनसीआर में बिक्री 14 प्रतिशत बढ़कर 3,300 यूनिट हो गई, वहीं मुंबई में 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,500 यूनिट हो गई। हैदराबाद में आवास की बिक्री 1,300 यूनिट रही, जो सालाना 44 प्रतिशत अधिक दर्ज की गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, पुणे में इस अवधि के दौरान 1,100 यूनिट की

बिक्री दर्ज की गई, जो साल-दर-साल 450 प्रतिशत अधिक है।

अंशुमान मैगज़ीन, सीबीआरई चेयरमैन और सीईओ-भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका ने कहा, लग्जरी हाउसिंग सेगमेंट, विशेष रूप से 4 करोड़ रुपये और उससे अधिक की कीमत वाले घरों के लिए, यह उद्योग फलने-फूलने को तैयार है। क्योंकि खरीदार ऐसे घरों की तलाश कर रहे हैं, जो उनकी समृद्ध जीवनशैली के अनुरूप हो। इस महीने की शुरुआत में एक अन्य रिपोर्ट से पता चला कि मजबूत अर्थव्यवस्था और लग्जरी जीवन शैली की बढ़ती मांग के कारण रियल एस्टेट बाजार में 2024 की पहली छमाही में उच्च लग्जरी आवास की बिक्री बढ़ी है। संपत्ति सलाहकार फर्म नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 की पहली छमाही में 1 करोड़ रुपये से अधिक की आवास बिक्री कुल बिक्री का 41 प्रतिशत थी। 2023 की समान अवधि में यह आंकड़ा 30 फीसदी था। 2024 की पहली छमाही में कुल 1,73,241 घर बेचे गए, जो आंकड़ा 11 वर्षों में सबसे अधिक बिक्री का है। इस महीने एक तीसरी रिपोर्ट से यह भी पता चला कि मुंबई में 10 करोड़ रुपये और उससे अधिक की लागत वाले लग्जरी घरों की बिक्री अब तक की सबसे अधिक, अर्धवार्षिक बिक्री रही, जो 12,300 करोड़ रुपये थी। इंडिया सोथबी की इंटरनेशनल रियल्टी एंड सीआरई मैट्रिक्स की रिपोर्ट के अनुसार 2023 की पहली छमाही में 11,400 करोड़ रुपये की बिक्री की तुलना में यह 8 प्रतिशत अधिक है। प्राथमिक लग्जरी खंड में 8,752 करोड़ रुपये की बिक्री हुई, जो पिछले पांच वर्षों में दूसरी सबसे अच्छी अर्ध-वार्षिक बिक्री है। इंडिया सोथबी इंटरनेशनल रियल्टी के कार्यकारी निदेशक सुदर्शन शर्मा के अनुसार, यह वृद्धि भारत के आर्थिक सुधार और उच्च आय वर्ग के बीच बढ़ती समृद्धि से प्रेरित, टॉप-एंड लग्जरी रियल एस्टेट की बढ़ती मांग को दर्शाती है।

माइक्रोसॉफ्ट आउटेज के बाद विमानों का संचालन हुआ सामान्य, नागर विमानन मंत्रालय ने दी जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली । माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में वैश्विक स्तर पर आई गड़बड़ी के कारण विमानन सेवा में आई बाधा अब ठीक हो गई है। नागर विमानन मंत्रालय की तरफ से प्रेस रिलीज जारी कर बताया गया, आज सुबह 3 बजे से देश के सारे हवाई अड्डों पर हवाई प्रणाली ने सुचारू रूप से कार्य करना शुरू कर दिया। अब उड़ान परिचालन सुचारू रूप से चल रहा है। कल व्यवधान के कारण कार्य लंबित हुआ था। और आज यह धीरे-धीरे सही हो गया। हम अब सारी समस्याओं के खत्म होने की उम्मीद करते हैं।

हम विमानन कंपनियों द्वारा दिये जाने वाले रिफंड और टिकटों के समायोजन के साथ हवाई अड्डों पर उड़ान परिचालन की लगातार निगरानी कर रहे हैं। हम आपके धैर्य के लिए आभारी हैं। गौरतलब है कि शुक्रवार को माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में वैश्विक स्तर पर आई गड़बड़ी के कारण फ्लाइट्स में हुई देरी से यात्री बुरी तरह प्रभावित हुए। फ्लाइट्स को टेकऑफ में देरी के अलावा, चेक-इन तथा बुकिंग में भी लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ा। दुनिया भर में शुक्रवार को माइक्रोसॉफ्ट सिक्योरिटी सिस्टम में तकनीकी खराबी का असर कई एयरलाइन्स पर पड़ा। इसकी वजह से भारत समेत दुनिया के कई देशों के विमान एयरपोर्ट पर ही खड़े रह गए।मुंबई के अंधेरी में इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर माइक्रोसॉफ्ट की क्लाउड सर्विस में गड़बड़ी के कारण ऑनलाइन चेक-इन सेवा बंद कर दी गई थी। इतना ही नहीं, इस गड़बड़ी के चलते हुई अव्यवस्था का असर रेलवे स्टेशन पर भी दिखाई दिया था। इधर नई दिल्ली के रेलवे स्टेशन पर भी लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। हैदराबाद एयरपोर्ट पर कई उड़ानें कैंसिल करनी पड़ी।

मानसून में दही रखेगा पाचन का ख्याल, इन अलग-अलग तरीकों से बनाएं इसे डाइट का हिस्सा

दही हमारे पाचन के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसे घर पर भी जमा सकते हैं या बाजार से भी खरीदकर ला सकते हैं। इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स आपके पाचन के लिए काफी फायदेमंद है और इससे खाना भी जल्दी पच जाता है। इसलिए इस मानसून दही से बनने वाली ये स्वादिष्ट रेसिपीज आपको अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। आइए जानते हैं इनकी रेसिपीज।

मानसून में पेट का खास ख्याल रखना जरूरी होता है। गट हेल्थ यानी पाचन से जुड़ी कई समस्याएं इस मौसम में आसानी से आपको अपना शिकार बना लेते हैं। इसलिए इस मौसम में ऐसे फूड्स खाने चाहिए, जो आपके गट हेल्थ को लिए फायदेमंद हों। दही एक ऐसी ही चीज है, जिसे पाचन के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। प्रोबायोटिक्स से भरपूर होने की वजह से यह आंतों का ख्याल रखता है और अपने खट्टे स्वाद के कारण पाचन क्रिया को तेज बनाता है। इसलिए दही को अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाना चाहिए।

ऐसे में जरूरी नहीं कि आप रोज सिर्फ सादी दही ही खाएं। दही से बनने वाली कई लजीज डिशेज से आप अपने पाचन का भी ख्याल रख सकते हैं और आपके खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा। इस आर्टिकल में हम आपको ऐसी ही कुछ दही से बनने वाली डिशेज के बारे में बताने वाले हैं, जो देश के अलग-अलग राज्यों में बनाई जाती हैं और लोग इन्हें खूब चाव से खाते हैं।

दही शेंवगीदही - 2 कप
शेंवगी (गवार फली) - 1 कप (काटी हुई)
कोकम (सूखा) - 2-3
हल्दी पाउडर - 1/2 चम्मच
धनिया पाउडर - 1/2 चम्मच
लाल मिर्च पाउडर - 1/2 चम्मच
सौंफ पाउडर - 1/2 चम्मच
राई- 1/2 चम्मच
तेल - 2 टेबलस्पून
कढ़ी पत्ते - 6-8 पत्ते
नमक - स्वादानुसार
ऐसे बनाएं-

इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक कढ़ाई में तेल गरम करें और राई डाले।फिर इसमें कोकम, शेंवगी, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, सौंफ पाउडर और नमक डालकर अच्छे से मिलाएं और धीमी आंच पर पकाएं।जब शेंवगी पक जाए और तेल ऊपर आने लगे, तो आंच कम कर दें। अब दही इसमें मिलाएं और धनिया पत्ती डालकर सर्व करें।यह भी पढ़ें- इन 5 वजह से जरूरी है ब्रेकफास्ट, एक बार जान लिया तो कभी नहीं करेंगे स्किपकच्ची दहीकच्ची दही गुजरात में बनने वाली एक लजीज डिश है। इसे बनाने के लिए आपको चाहिए-

दही - 2 कप
शक्कर - 2 टेबलस्पून
नमक - स्वादानुसार
काजू (बारीक कटे हुए) - 2 टेबलस्पून
तेल - 2 टेबलस्पून
राई - 1/2 चम्मच
हींग - 1/4 चम्मच
कढ़ी पत्ते - 6-8 पत्ते
मेथी दाना - 1/2 चम्मच
लाल मिर्च - 1
बनाने की विधि-

इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े बाउल में दही को अच्छे से फेंट लें।

अंबेडकरवाद की जड़ें हुईं और मजबूत

उत्तर प्रदेश में भाजपा की हार की चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि इसके सबसे बड़े ब्रांड नरेंद्र मोदी बनारस से चुनाव लड़ते हैं। उनके अलावा हिंदुत्व के सबसे कट्टर छवि वाले योगी आदित्यनाथ पिछले 7 साल से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। हिंदुत्व के दो सबसे बड़े फायर ब्रांड चेहरों के होते हुए भी यूपी में भाजपा का हारना बड़े सवाल खड़े करता है। लेकिन जिन विश्लेषकों को यूपी के नतीजे पर विश्वास नहीं हो रहा है, वे शायद यह भूल गए हैं कि उत्तर प्रदेश मान्यवर कांशीराम की भी कर्मभूमि है।लोकसभा चुनाव में देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में भाजपा अपनी हार से नहीं उबर पा रही है। 80 लोकसभा सीटों में से भाजपा ने 75 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा था। लेकिन भाजपा अपने पुराने सहयोगियों के साथ मिलकर भी लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। यूपी में एनडीए को कुल 36 सीटों पर जीत मिली जबकि कांग्रेस और सपा का इंडिया गठबंधन 43 सीटें जीतने में कामयाब हुआ। यह भाजपा के उसके अपने गढ़ में बहुत बड़ी हार है। वैसे तो भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को महाराष्ट्र में भी बड़ा झटका लगा। वहां 48 में से 31 सीटों पर एनडीए को पराजय मिली लेकिन यूपी में भाजपा की हार ज्यादा मानीखेज है। यही कारण है कि इन दिनों यूपी बीजेपी में घमासान जारी है। इस हार का जिम्मेदार कौन है? इसके लिए खींचतान अभी भी चल रही है। लेकिन इस पराजय ने नरेंद्र मोदी को एनडीए की सरकार बनाने के लिए मजबूर कर दिया। %56 इंच की छाती वाला% और %एक अकेला सब पर भारी% कहने वाले नरेंद्र मोदी इस समय नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की बैसाखियों के सहारे सरकार चला रहे हैं।मूल प्रश्न यह है कि आखिर यूपी में बीजेपी की हार क्यों हुई और इस पराजय को इतना बड़ा क्यों माना जा रहा है? भाजपा जिस राम मंदिर आंदोलन के सहारे सत्ता के दरवाजे तक पहुंची, उसका केंद्र उत्तर प्रदेश है। 1980 में स्थापित भाजपा के राम मंदिर आंदोलन का पहला नतीजा 6 दिसंबर 1992 को आया, जब बाबरी मस्जिद ढहा दी गई। इसके करीब 27 साल बाद 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू जन भावनाओं के आधार पर विवादित स्थल पर राम मंदिर बनाने का फरमान जारी कर दिया। 5 साल बाद 22 जनवरी 2024 को नवनिर्मित राम मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। भाजपा को यह उम्मीद थी कि राम मंदिर के जरिए 2024 का लोकसभा चुनाव आसानी से जीत लिया जाएगा। लेकिन चुनाव नतीजों ने भाजपा को ही नहीं बल्कि बड़े-बड़े विश्लेषकों को भी चौंका दिया। भाजपा उस फैजाबाद सीट पर भी चुनाव हार गई जहां अयोध्या स्थित है। ध्यातव्य है कि यहां जीतने वाले सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद पासी दलित हैं। अयोध्या में बीजेपी की हार बेहद शर्मनाक साबित हुई। इसका एक परिणाम यह हुआ कि तब से नरेंद्र मोदी ने जय श्रीराम का नारा लगाना बंद कर दिया, जो राम मंदिर आंदोलन और भाजपा की राजनीति का सबसे तेजाबी नारा था।उत्तर प्रदेश में भाजपा की हार की चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि इसके सबसे बड़े ब्रांड नरेंद्र मोदी बनारस से चुनाव लड़ते हैं। उनके अलावा हिंदुत्व के सबसे कट्टर छवि वाले योगी आदित्यनाथ पिछले 7 साल से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। हिंदुत्व के दो सबसे बड़े फायर ब्रांड चेहरों के होते हुए भी यूपी में भाजपा का हारना बड़े सवाल खड़े करता है। लेकिन जिन विश्लेषकों को यूपी के नतीजे पर विश्वास नहीं हो रहा है, वे शायद यह भूल गए हैं कि उत्तर प्रदेश मान्यवर कांशीराम की भी कर्मभूमि है।

1970-80 के दशक में कांशीराम ने उत्तर प्रदेश में एक सांस्कृतिक आंदोलन के जरिए दलित, पिछड़ों और मुसलमानों के बीच बहुजन एकता स्थापित करने का प्रयास किया था। 1984 में उन्होंने बसपा जैसी राजनीतिक पार्टी बनाई। बसपा एक राष्ट्रीय पार्टी के रूप में आज भी समादृत है। मायावती चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनीं। एक समय मायावती को राष्ट्रीय राजनीति में प्रधानमंत्री के रूप में भी देखा जाने लगा था। लेकिन 2012 में यूपी विधानसभा चुनाव हारने के बाद बसपा आगे कोई सफलता हासिल कर नहीं कर सकी। 2014 में केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद, 2017 में उत्तर प्रदेश भी भाजपा के हाथ में आ गया। भाजपा ने योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री बनाया। इन वर्षों में मायावती की निष्क्रियता और खामोशी से दलित राजनीति हाशिए पर चली गई। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि इस जमीन पर दलित चेतना का विकास निरंतर होता रहा।लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा की हार के पीछे यही दलित चेतना और अंबेडकरवादी चिंतन है। पिछले 10 साल में दलित या बहुजन राजनीति लगातार कमजोर होती गई। 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद मुसलमानों के खिलाफ एक मुहिम चलाई गई। हिंदू सांप्रदायिक उन्माद बढ़ता गया। मुसलमानों के खिलाफ दलितों-पिछड़ों के बीच साम्प्रदायिक प्रचार का पूरा तंत्र झोंक दिया गया। लेकिन सच्चाई यह है कि भाजपा और आरएसएस की अंदरूनी राजनीति असल में दलितों-पिछड़ों के अधिकार और राजनीतिक प्रभाव के खिलाफ है। आरएसएस जानता है कि मुसलमान कभी उनके लिए चुनौती नहीं बन सकते। आरएसएस का हिंदुत्व नया ब्राह्मणवाद है। आरएसएस सामाजिक समरसता के नाम पर जातिगत असमानता को बरकरार रखना चाहता है। उसके सामने असली चुनौती संवैधानिक व्यवस्था है।

इसलिए दलित चेतना या मंडल की राजनीतिक एकता को ध्वस्त करने के लिए भाजपा-आरएसएस ने दलितों और पिछड़ों के स्वार्थी, चापलूस और अस्तित्वहीन नेताओं को चुना। इन मुखौटों के जरिए भाजपा और नरेंद्र मोदी की सरकार ने दलितों-पिछड़ों के आरक्षण, शिक्षा, नौकरी जैसे संवैधानिक अधिकारों को बेमानी बना दिया। बहुजन नायकों की मूर्तियों को प्रतीकों में बदलकर उन्हें महज वोट जुगाड़ने का माध्यम बना दिया। इस दरमियान रोहित वेमुला की आत्महत्या (17 जनवरी 2016) , 7 दलितों की सरेआम पिटाई वाला ऊना कांड (11 जुलाई, 2016) मामले में अत्याचारियों को कोई सजा नहीं मिली। यूपी के हाथरस में भी दबंग अपराधियों पर सरकार मेहरबान रही, जबकि पीड़ित परिवार न्याय के लिए आज भी भटक रहा है। उत्तर प्रदेश में दलित उत्पीड़न की घटनाओं पर पुलिस प्रशासन कार्रवाई करने के लिए तैयार नहीं दिखता। उल्टे खुद पुलिस दलितों पर अत्याचार करने लगी। एक दरोगा कहता है कि दलित औरतें मजा लेने के लिए होती हैं।योगी आदित्यनाथ के प्रशासन में सवर्णों का बोलबाला हो गया। थानों में आमतौर पर ठाकुर दरोगा तैनात हो गए। एसपी, डीएम, तहसीलदार आदि सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर सवर्णों का कब्जा हो गया। दलित, पिछड़े अधिकारी-कर्मचारी किनारे लगा दिए गए। इसका परिणाम यह हुआ कि थानों से लेकर विश्वविद्यालयों तक दलितों को अन्याय और अपमान का रोज-रोज सामना करना पड़ा। अन्याय के खिलाफ पनप रही चेतना ने तमाम बुद्धिजीवियों, लेखकों, पत्रकारों को एक्टिविस्ट बना दिया। उन्होंने राजनीतिक दलों और नेताओं की तरफ देखना छोड़ दिया। समाज के बीच वे खुद सक्रिय हो गए और बाबा साहब के विचारों तथा संदेशों को लेकर समाज के बीच पहुंचे। इस बीच कुछ बड़ी घटनाएं भी हुईं।मसलन, जब सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी-एसटी एक्ट को कमजोर किया गया तो इसके पीछे केंद्र सरकार की मंशा छिपी हुई थी। इसके खिलाफ 2 अप्रैल 2018 को देशव्यापी आंदोलन हुआ। इस आंदोलन में दर्जनों दलित नौजवानों की शहादत हुई। बिना किसी राजनीतिक दल और नेतृत्व के महज सोशल मीडिया पर किए गए प्रचार के जरिए यह आंदोलन खड़ा हुआ। इस स्वतःस्फूर्त आंदोलन के सामने केंद्र सरकार को झुकना पड़ा। इसके बाद मार्च 2019 में 13 प्वाइंट रोस्टर आरक्षण को लेकर भी आंदोलन हुआ। इसमें भी कामयाबी मिली। इन आंदोलनों ने दलित समाज के पढ़े-लिखे नौजवानों को संगठित होने और संघर्ष करके जीत हासिल करने का हौंसला दिया। डॉ अम्बेडकर के विचारों की यह सबसे बड़ी जीत साबित हुई। असल में, बाबा साहब के सपनों को जमीन पर उतारने का काम इस दशक के दलित बुद्धिजीवियों और नौजवानों ने किया। निहत्थे और नेतृत्वविहीन होकर विचार की ताकत से एक अहंकारी और बर्बर सत्ता से कैसे लड़ा जा सकता है, यह दलित एक्टिविस्टों ने दिखाया।1925 में स्थापित आरएसएस भाजपा का पितृ संगठन है। आरम्भ से ही उसका लक्ष्य, भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना है। इसलिए कांग्रेस के नेतृत्व में चलने वाले स्वाधीनता आंदोलन में आरएसएस ने भाग नहीं लिया। बल्कि इसके उलट अंग्रेजों का सहयोग किया। आरएसएस ने स्वाधीनता आंदोलन के मूल्यों, विचारों और उससे उपजे संविधान को कभी ना तो पसंद किया और ना ही स्वीकार किया। वीडी सावरकर के हिंदुत्व और आरएसएस के हिंदू राष्ट्र के खतरे को डॉ. अंबेडकर ने 1940 में ही भांप लिया था।इसलिए उन्होंने सीधे तौर पर दलितों को आगाह किया था कि %यदि हिंदू राष्ट्र बनता है तो यह दलितों के लिए सबसे बड़ी आपदा साबित होगा। इसलिए इसे किसी भी कीमत पर रोका जाना चाहिए।% अंबेडकर ने संविधान के जरिए असमानता और भेदभाव मिटाकर दलितों, आदिवासियों को अवसर उपलब्ध कराने हेतु आरक्षण का प्रावधान किया। आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक एमएस गोलवलकर ने अपनी किताब %बंच ऑफ थॉट्स% में वर्ण और जाति व्यवस्था का समर्थन किया। आरएसएस शुरू से ही आरक्षण का विरोधी, पुरुषवादी और समाज में ब्राह्मणों के वर्चस्व का हिमायती रहा है। कांग्रेस और वामपंथी दलों ने संघ और भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति का तो विरोध किया लेकिन आरक्षण विरोध और जाति व्यवस्था के समर्थन का मजबूती से कभी प्रतिकार नहीं किया।

संपादकीय

सेहत की कैंटीन

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि भारत धीरे-धीरे मधुमेह, हृदय रोग व मोटापे की राजधानी बनता जा रहा है। देश के हर चार में से एक व्यक्ति मोटापे व प्री-डायबिटिक स्थिति में पहुंच गया है। संकट इसलिए बड़ा है कि किशोर व युवा भी इसके चपेट में आ रहे हैं। रात दिन मोबाइल-लेपटॉप में लगे रहने और शारीरिक श्रम से दूर पीढ़ी के लिए फास्ट फूड खासा घातक साबित हो रहा है। यही वजह है कि कई सर्वेक्षणों के निष्कर्ष व विशेषज्ञों की सिफारिश के बाद देश के विश्वविद्यालयों का नियमन करने वाली राष्ट्रीय संस्था विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कॉलेजों को निर्देश दिये हैं कि कॉलेज की कैंटीन में पिज्जा, बर्गर और समोसे जैसे जंक फूड की बिक्री पर रोक लगाई जाए।। दरअसल, छात्रों में बढ़ते मोटापे और मोटापे से जनित अन्य रोगों की समस्या के मद्देनजर यूजीसी ने कहा है कि शैक्षणिक संस्थानों में स्वास्थ्य के लिये नुकसानदायक खाद्य पदार्थों की बिक्री पर तुरंत रोक लगायी जाए। निस्संदेह, नई पीढ़ी में जंक फूड को लेकर खासा क्रेज है, लेकिन युवाओं के स्वास्थ्य को लेकर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हाल के दिनों में युवाओं में मधुमेह, मोटापे व हृदय संबंधी विकार के मामले तेजी से बढ़े हैं। कुछ माह पूर्व आयी आईसीएमआर की रिपोर्ट में भी चिंता जताई गई थी कि देश में तेजी से बढ़ रहे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों में वसा की अधिक मात्रा पायी जाती है। जो मोटापा बढ़ने का बड़ा कारण है। जो कालांतर हृदयाघात,डायबिटीज आदि गैर संक्रामक बीमारियों की वजह बनता है। आईसीएमआर ने अच्छे स्वास्थ्य को मानव के मौलिक विशेषाधिकार की संज्ञा दी है। दूसरी ओर मानव पोषण, महामारी विज्ञान, चिकित्सा शिक्षा, बाल रोग व सामुदायिक उपचार आदि के स्वतंत्र विशेषज्ञों के राष्ट्रीय थिंक टैंक एनएपीआई ने भी इसी प्रकार की चिंताएं जतायी हैं। एनएपीआई ने भी शैक्षणिक संस्थानों में अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों पर तुरंत रोक लगाने की सलाह दी है। साथ ही कैंटीन में स्वस्थ खाद्य पदार्थों के विकल्प बढ़ाने पर जोर दिया है।

बहरहाल, अब शिक्षण संस्थाओं के प्रबंधकों व शिक्षकों का दायित्व है कि कालेजों की कैंटीनों में स्वस्थ खाद्य पदार्थों के विकल्प उपलब्ध करायें। साथ ही छात्रों को इस दिशा में आगे बढ़ने को प्रेरित करें। निस्संदेह, केवल यूजीसी के निर्देशों से हालात बदलने वाले नहीं हैं। दरअसल, यूजीसी ने इस बाबत पहली बार दिशा-निर्देश नहीं दिये हैं। इससे पहले दस नवंबर 2016 तथा इक्कीस अगस्त 2018 को भी इसी तरह के परामर्श जारी किये गए थे। विडंबना यह है कि युवा पीढ़ी पाश्चात्य खानपान शैली का अंधानुकरण कर रही है। किसी देश का खानपान उस देश की जलवायु तथा रोगों की आनुवंशिकता के आधार पर तय होता है। युवा पीढ़ी मौसमी फल, सब्जियों तथा परंपरागत खाद्य पदार्थों से परहेज कर रही है। सदियों से हमारे खानपान में उन तमाम खाद्य पदार्थों से परहेज किया गया, जो तामसिक प्रवृत्ति के हैं और त्रिदोष को बढ़ावा देने वाले हैं। सही मायने में हमारे खानपान में एसिड बढ़ाने वाले पदार्थों का बोलबाला है। जबकि हमें क्षारीय प्रवृत्ति वाले खाद्य पदार्थों का सेवन भी संतुलन के लिये करना चाहिए। दरअसल, समय के साथ देश में संपन्नता आई है और समृद्ध खानपान की शैली विकसित हुई है, लेकिन विडंबना यह है कि हमारी जीवन शैली में श्रम की प्रधानता घटी है। श्रमशील व गतिशील व्यक्ति को सब कुछ हजम हो जाता है, लेकिन निष्क्रिय जीवन शैली मोटापे, मधुमेह व हृदय रोगों को बढ़ावा देती है। चिंता की बात यह है कि जो रोग पहले व्यक्ति को पचास साल के बाद होते थे, वे अब किशोरों व युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहे हैं। हाल ही में एक प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय मैगजीन ने खुलासा किया था कि कैसे भारत में पचास फीसदी लोग सप्ताह में जरूरी व्यायाम व सैर तक नहीं करते।

केन्द्रीय बजट का लक्ष्य हो सामाजिक न्याय और समानता के साथ विकास

इस समय भारतीय अर्थव्यवस्था की दो प्रमुख चुनौतियां हैं- बड़े पैमाने पर नौकरियों का सृजन और निम्न आय वर्ग के लोगों की आय में सुधार। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विभिन्न हितधारकों के साथ बजट-पूर्व परामर्श समाप्त कर लिया है और सभी बैठकों में अतिरिक्त संसाधन जुटाने का सवाल उठा। कहीं भी देश के तेजी से बढ़ते अतिधनाढ्यों को अर्थव्यवस्था में समानता बहाल करने के लिए अतिरिक्त बोझ साझा करने के लिए बाध्य करने पर कोई गंभीर बात नहीं हुई।नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट 23 जुलाई को पेश होने में केवल तीन दिन बचे हैं। अर्थव्यवस्था की बुनियाद अभी भी मजबूत है, लेकिन संकटग्रस्तता के दायरे में बेरोजगारी की बड़ी समस्या शामिल है, जिसमें शिक्षित युवा और महिलाएं सबसे ज्यादा संकट महसूस कर रही हैं। अरबपतियों की संख्या में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है, जबकि श्रमिकों और ग्रामीण गरीबों की वास्तविक मजदूरी में गिरावट आई है। संक्षेप में, एनडीए के नेतृत्व वाली नरेंद्र मोदी सरकार के दस साल के शासन में हुए आर्थिक विकास में सामाजिक न्याय की कमी और असमानताओं में बढ़ोतरी हुई है। संसदीय लोकतंत्र में किसी भी सरकार के लिए लोकसभा चुनाव जीतने के बाद का पहला बजट वंचितों के जीवन स्तर को सुधारने के उद्देश्य से नीतिगत दिशा को सही करने का बड़ा अवसर देता है।इस समय भारतीय अर्थव्यवस्था की दो प्रमुख चुनौतियां हैं- बड़े पैमाने पर नौकरियों का सृजन और निम्न आय वर्ग के लोगों की आय में सुधार। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विभिन्न हितधारकों के साथ बजट-पूर्व परामर्श समाप्त कर लिया है और सभी बैठकों में अतिरिक्त संसाधन जुटाने का सवाल उठा। कहीं भी देश के तेजी से बढ़ते अतिधनाढ्यों को अर्थव्यवस्था में समानता बहाल करने के लिए अतिरिक्त बोझ साझा करने के लिए बाध्य करने पर कोई गंभीर बात नहीं हुई।अतिधनाढ्यों पर कर लगाने के प्रस्ताव पर वैश्विक स्तर पर चर्चा हुई है। इस साल 18 और 19 नवंबर को ब्राजील में होने वाले अगले जी-20 शिखर सम्मेलन में इस मुद्दे पर चर्चा होने क प्रस्ताव है। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका दोनों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो जी-20 के पिछले अध्यक्ष थे, ने इस प्रस्ताव पर चुप्पी साध रखी है, हालांकि वह नवंबर में होने वाले शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और उन्हें इस प्रस्ताव पर भारत की स्थिति के बारे में बात करनी है, जो भारतीय समाज में बहुत तेजी से फैल रही असमानता के संदर्भ में महत्वपूर्ण है।अतिधनाढ्योंया अरबपतियों पर कर क्या है, जिसकी बात कांग्रेस कर रही है? मुकेशअंबानी परिवार में हाल ही में हुई शादी ने यह दिखा दिया है कि एक अतिधनाढ्य के बेटे की शादी के लिए किस हद तक धन खर्च किया जा सकता है। भारत में आतिधनाढ्य लोगों का 10 खरब डॉलर का विवाह उद्योग है। इनमें उद्योगपति, खिलाड़ी, फिल्मी हस्तियां, तथा बड़े राजनेता शामिल हैं। उनकी शादी के खर्चों की जांच की जानी चाहिए और एक सीमा से अधिक कर लगाया जाना चाहिए। एक अनुमान के अनुसार, भारत में 167 डॉलर-अरबपति हैं और यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। दो प्रतिशत कर से 1.5 लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। यह राशि श्रमिक केन्द्रित परियोजनाओं में रोजगार सृजन सहित अन्य विकास कार्यक्रमों पर खर्च की जा सकती है।प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. प्रणबबर्धन द्वारा किये गये विश्लेषण के अनुसार, सरकार द्वारा संपन्न लोगों को दी जाने वाली प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सब्सिडी को कम करके अतिरिक्त संसाधन उत्पन्न किये जा सकते हैं। भारत में, विरासत और संपत्ति कर शून्य है और संयुक्त रा'य अमेरिका की तुलना में पूंजीगत लाभ कर बहुत कम है। कर प्रणाली अभी भी अमीरों की ओर झुकी हुई है। उदाहरण के लिए, कोविडमहामारी के संदर्भ में, मोदी सरकार ने एक ही झटके में कॉर्पोरेट टैक्स की दर कम कर दी और सरकारी खजाने को 18.4खरब रुपये का नुकसान हुआ। कोविड काल में उद्योगपति और अमीर हो गये जबकि श्रमिकों और कर्मचारियों की नौकरियां चली गयीं और उन्हें भीषण गरीबी का सामना करना पड़ा। डॉ. बर्धन का अनुमान है कि 10 खरबरुपये के कोष से भारत में 200 लाख नौकरियां पैदा की जा सकती हैं।वित्त मंत्री निर्मलासीतारमण ने भारत सहित वैश्विक स्तर पर कंपनियों द्वारा कर चोरी पर हाल के अध्ययनों को अवश्य पढ़ा होगा। एडवोकेसी ग्रुप टैक्स जस्टिस नेटवर्क द्वारा 202× के एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया भर के देश टैक्स हेवन के कारण अगले दशक में कर राजस्व में 48खरब (ू×8खरब) तक का नुकसान उठा सकते हैं। इन आश्रयों को वैश्विक कंपनियों के साथ-साथ भारत के कई अमीरों द्वारा संरक्षण दिया जाता है। इस साल की शुरुआत में यूरोपीय संघ कर वेधशाला की एक रिपोर्ट में पाया गया कि दुनिया भर के अरबपतियों पर प्रभावी कर दरें उनकी संपत्ति के 0प्रतिशत से 0.5प्रतिशत के बराबर हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि महामारी के वर्षों के दौरान, जबकि गरीब और अन्य लोग पीड़ित थे और मर गये, परन्तु बड़ी कंपनियों के मुनाफे और अमीर व्यक्तियों की संपत्ति में वृद्धि हुई। वास्तव में महामारी के वर्षों में असमानता और बढ़ गयी।भारत में अतिधनाढ्यों पर विशेष कर लगानाचिरप्रतीक्षित है। इस साल जनवरी में जारी नवीनतम ऑक्सफैमरिपोर्ट सहित सभी हालिया रिपोर्टें दिखाती हैं कि असमानता

लगातार बढ़ रही है। महामारी और महामारी के बाद के वर्षों में, सामाजिक सुरक्षा के बिना गरीब लोगों को दयनीय जीवन जीने की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, जबकि उ%च मध्यम वर्ग और अमीरों की आय में वृद्धि हुई है। असमानता के बढ़ने का भारत में विशेष प्रभाव है क्योंकि आम नागरिकों को पश्चिम और लैटिन अमेरिका और अन्य विकासशील देशों की तरह सामाजिक सुरक्षा उपायों के माध्यम से संरक्षित नहीं किया जाता है।ऑक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार, भारत सिफ़ पाँच हाथों में औद्योगिक संकेन्द्रण की बढ़ती समस्या का सामना कर रहा है, और अरबपतियों, निजी इच्टिीफंडों और क्रोनीकैपिटलिस्टों को समृद्ध कर रहा है, जिससे लोगों में अभूतपूर्व स्तर की असमानताएँ और गरीबी बढ़ रही है। दलितों को निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में उ%च और असहनीय आउट-ऑफ-पॉकेट शुल्क, निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में वित्तीय बहिष्कार और दोनों में ही खुलेआम भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है।विश्व स्तर पर, 2020 से अब तक, सबसे अमीर पाँच लोगों ने अपनी संपत्ति दोगुनी कर ली है, लेकिन इसी अवधि के दौरान लगभग पाँच अरब लोग गरीब हो गये हैं। कठिनाई और भूख रोज़मर्रा की स%चाई है, और मौजूदा दर पर, गरीबी को खत्म करने में 2×0 साल लगेंगे, लेकिन हम सिफ़10 साल में दुनिया का पहला ट्रिलियन डॉलर वाला धनाढ्य हासिल कर सकते हैं।भारत में, जहाँ निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र अब 2×6अरब अमेरिकी डॉलर का है और तेज़ी से बढ़ रहा है, विश्व बैंक की निजी क्षेत्र की शाखा, अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) ने देश के कुछ सबसे बड़े कॉर्पोरेट अस्पताल श्रृंखलाओं में सीधे तौर पर आधेअरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है, जिनके मालिक कुछ सबसे अमीर अरबपति हैं। फिर भी जून 202× में, ऑक्सफैम ने पाया कि आईएफसीने भारत में अपनी स्वास्थ्य परियोजनाओं का एक भी मूल्यांकन प्रकाशित नहीं किया है, क्योंकि ये 25 साल पहले शुरू हुई थीं। भारतीय स्वास्थ्य नियामकों ने कई शिकायतों को बरकरार रखा है, जिसमें अस्पतालों द्वारा अधिक शुल्क लेने, कीमतों में हेराफेरी करने और गरीबी में रहने वाले रोगियों का मुफ्त में इलाज करने से इनकार करने के मामले शामिल हैं, जबकि यह सरकारी ज़मीन मुफ़्त में प्राप्त करने की शर्त है।

इसके अलावा, वित्त पोषित 144 अस्पतालों में से केवल एक ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है।वर्षों सेऑक्सफैम ने बढ़ती और अत्यधिक असमानता के बारे में चिंता जतायी है। 2024 में, बहुत वास्तविक खतरा यह है कि ये असाधारण चरम नयी सामान्य स्थिति बन रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कॉरपोरेट और एकाधिकार शक्ति एक निरंतर असमानता पैदा करने वाली मशीन है, और कहा गया है कि हम एक दशक के विभाजन की शुरुआत के दौर से गुजर रहे हैं- केवल तीन वर्षों में, हमने एक वैश्विक महामारी, युद्ध, जीवन-यापन की लागत का संकट और जलवायु परिवर्तन का अनुभव किया है। प्रत्येक संकट ने खाई को चौड़ा किया है - अमीरों और गरीबी में रहने वाले लोगों के बीच ही नहीं, बल्कि कुलीन वर्ग और विशाल बहुमत के बीच भी।नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा मोदी शासन अपने तीसरे कार्यकाल को जारी रखने में हिंदुत्व-कॉरपोरेट गठजोड़ की शक्ति पर विश्वास करते हैं। पिछले लोकसभा चुनावों में, भारतीय मतदाताओं ने भाजपा की 6× सीटों को कम करके दूसरी मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों को एक बड़ा झटका दिया। यह देखना होगा कि सत्तारूढ़ दल, विशेष रूप से प्रधान मंत्री ने कोई सबक सीखा है या नहीं और बजट प्रस्तावों के माध्यम से सरकार की आर्थिक नीतियों में कोई सुधार किया है या नहीं।

माथेरान

प्रदूषण से मुक्त खूबसूरत हिल स्टेशन

महाराष्ट्र का खूबसूरत हिल-स्टेशन माथेरान दुनिया भर की उन गिनी-चुनी जगहों में से एक है जहां किसी भी किस्म के मोटर वाहन के प्रवेश पर पूरी तरह पाबंदी है।

इस तरह यह न सिर्फ एक प्रदूषणरहित बल्कि अपने आपमें विशेष और बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। रायगढ़ जिले में स्थित माथेरान को देश के सबसे छोटे हिल स्टेशन का दर्जा प्राप्त है। वैसे यहां सवारी के लिए घोड़े, खच्चर, टट्टू, हाथ से खींचने वाले रिक्शे और पालकी उपलब्ध रहते हैं लेकिन आप चाहें तो पैदल घूम कर भी पूरे हिल स्टेशन का मजा ले सकते हैं। माथेरान में घूमते हुए सैलानियों को कुदरत से बेहद निकटता का एहसास होता है।

यहां देखने के लिए 20 से ज्यादा व्यू प्वाइंट, झीलें और पार्क हैं जिनमें मंकी प्वाइंट, इको प्वाइंट, मनोरमा प्वाइंट, सनराइज और सनसेट प्वाइंट प्रमुख हैं। लिटिल चॉक और चॉक पॉइण्ट से नवी मुंबई की ओर के बेहद खूबसूरत और आकर्षक नजारों का लुत्फ लिया जा सकता है।

माथेरान में जहां बादलों से घिरे पहाड़ और पहाड़ों से गिरते झरनों के खूबसूरत और आकर्षक नजारे बेहद मनमोहक लगते हैं वहीं पेड़ों के घने आवरण से बीच में पहाड़ी के नीचे की घाटियां, तीव्र ढलानों, पठारों और मैदानों के कई विहंगम दृश्य भी देखने को मिल जाते हैं।

पेड़ों की घनी दीवारों के बीच जैसे खिड़कियां-सी खुलती हैं जहां से इन अद्भुत नजारों का आनंद लिया जा सकता है। माथेरान में चारों ओर छायादार घने पेड़ और हरियाली से लदी समतल पहाड़ियां भी हैं जहां सब तरफ लहरदार पैदल रास्ते मौजूद हैं। दरअसल पूरे माथेरान में पैदल रास्ते भी कच्ची-पक्की पगडंडियों के तौर पर ही मिलते हैं जिनके जरिए नीचे घाटी की तरफ जाने पर उस झील तक भी पहुंचा जा सकता है जहां से पूरे माथेरान में पानी की सप्लाई होती है।

वैसे तो सालभर ही माथेरान में कुदरती सुंदरता के अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं लेकिन जून से अगस्त यानी बारिश के महीनों को छोड़कर बाकी समय मौसम बेहद सुहावना रहता है। बारिश के मौसम में बादलों के बीच दूर-दूर तक नजारे कम देखने को मिलते हैं साथ ही यहां कच्ची सड़क होने से फिसलने का खतरा भी बढ़ जाता है लेकिन बारिश के मौसम का भी यहां अपना अलग मजा है।

माथेरान पहुंचने के लिए मुंबई के करीब नेरूल जंक्शन से दो फुट चौड़ी नैरो गेज लाईन पर चलनेवाली टॉय-ट्रेन सबसे बेहतर विकल्प हैं जो लगभग इक्कीस किमी का सफर तय कर

सवारियों को माथेरान बाजार के बीच स्थित रेलवे स्टेशन तक पहुंचाती है।

यह टॉय ट्रेन भारत के सबसे घुमावदार रेल पथ पर चलती है, जिसका ग्रेडियेन्ट 1:20 है। लगभग 2 से ढाई घंटे की इस छोटी से यात्रा में इतने तीखे और घुमावदार मोड़ हैं कि कई बार सवारियों को अपने कोच की सीट पर बैठे-बैठे अचानक अगला कोच या कहीं-कहीं रेलवे ट्रेक पर घुमाव लेते हुए पूरी ट्रेन ही नजर आ जाती है ऐसे में ये दृश्य काफी आकर्षक लगता है।

अद्भुत पर्यटक स्थल सराहन घाटी

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और किन्नौर जिले की सीमा पर बसा सराहन स्वर्ग का एहसास कराने वाला एक सुंदर और अद्भुत पर्यटक स्थल है जो सराहन घाटी के नाम से भी जाना जाता है। यह क्षेत्र कई वर्षों तक पर्यटन के लिहाज से बचा रहा मगर अब पिछले कुछ वर्षों से इस तरफ पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी है।

इसलिए अब सरकार ने भी इसे पर्यटन के लिए लिहाज से उपयुक्त समझा है। यह शहर समुद्रतल से 7,589 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। इतिहास में इसको बुशहर नाम से भी जाना जाता है। इसके अतिरिक्त 51 शक्तिपीठों में से एक भीमाकाली माता का मंदिर भी इसी शहर में है। हिंदू और बौद्ध वास्तुशिल्प से निर्मित यह मंदिर लगभग 2,000 वर्ष पुराना है, मगर इसका जीर्णोद्धार कर इसको पुनः वही आकार दिया गया है।

पत्थरों और लकड़ी के इस्तेमाल से बना यह मंदिर शत-प्रतिशत भूकंपरोधी है। मंदिर के प्रांगण में खड़े होकर आप हिमालय को साक्षात निहार सकते हैं। इस मंदिर के नजदीक ही आपको एक पक्षी-विहार है जिसमें यहां के राज्य-पक्षी मोनाल सहित लगभग हर प्रकार के पहाड़ी पक्षी हैं। सरकार और स्थानीय लोगों के प्रयासों से रास्तों के दोनों तरफ लगाए गए तरह-तरह के फूल लहराते हुए पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

सराहन से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर यदि घाटी से थोड़ा नीचे उतरेंगे तो वहां आपको सतलज नदी का मनोहारी दृश्य मिलेगा। इसके अतिरिक्त सराहन से कुछ ही दूरी पर कामरू का ऐतिहासिक किला, चितकुल घाटी और बस्पा नदी जैसे अन्य पर्यटन स्थल भी हैं जहां आप आसानी आ-जा सकते हैं।

शहर अत्यधिक बड़ा न होने के कारण यहां यातायात के साधनों की आवश्यकता कम ही होती है इसलिए कुछ स्थानों पर पैदल भी घूमा जा सकता है। फिर भी यहां टैक्सी, बस आदि की सुविधा आसानी से मिल जाती है और महंगी भी नहीं है। पर्यटकों की सुविधा के लिए सरकार ने यहां आम से खास तक, सभी के बजट के अनुसार होटल और रेस्ट हाउस आदि का भी विशेष प्रबंध किया है।

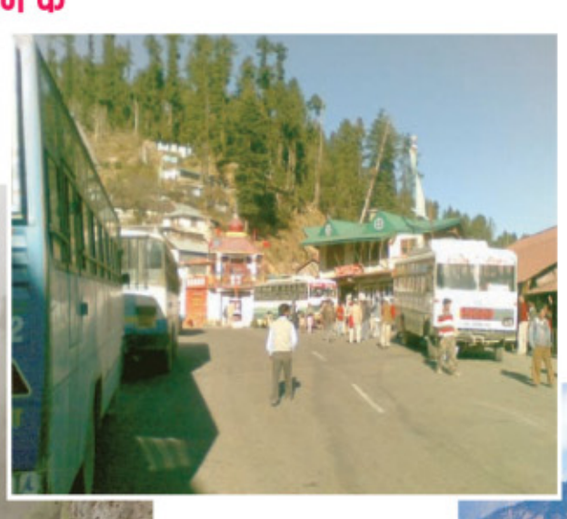

यहां आने के लिए सर्दियां उचित समय नहीं है क्योंकि इस मौसम में यहां पर तापमान शून्य से भी नीचे ही रहता है। यहां आने के लिए मार्च से जून और सितंबर से अक्टूबर का समय बहुत ही अच्छा समय है। दिन के समय यहां का तापमान लगभग 30 से 32 डिग्री तक रहता है। मगर रात को ठंड बढ़ जाती है।

यदि अपनी गाड़ी से जा रहे हैं तो ध्यान दें कि शिमला से राष्ट्रीय राजमार्ग 22 से होते हुए रास्ते में थेयोग, नारकंडा, रामपुर और जैओरी नामक कुछ छोटे-छोटे पर्यटन स्थल भी आते हैं जहां आपको पेट्रोल पंप की सुविधा मिलेगी। शिमला से सराहन के बीच लगभग 180 किलोमीटर के इस रास्ते पर जब आप निकलेंगे तो आपका सामना देवदार के घने जंगलों, कई सारे छोटे-बड़े झरनों, खेतों एवं छोटे-छोटे अनेक गांवों से होगा।

इन गांवों से होकर जाने पर आपको उनके पारंपरिक पहनावे और संस्कृति की भी झलक देखने को मिलेगी। सराहन जाने के लिए सड़क मार्ग ही है जो शिमला से टैक्सी, जीप या बस द्वारा भी जाया जा सकता है। यह दूरी लगभग 6-7 घंटे में आसानी से तय की जा सकती है।

यह रास्ता अधिकतर सतलुज नदी के किनारे से गुजरता है, इसलिए इसकी तेज धारा आपको एक नए संगीत की से रू-ब-रू कराएगी। इसके अतिरिक्त जैसे-जैसे आप सराहन के नजदीक पहुंचेगे वैसे-वैसे आपको मार्ग के किनारे अनेक प्रकार की जड़ी-बूटियां भी नजर आने लगेंगी।

टूथपेस्ट में होते हैं हानिकारक केमिकल

- टूथपेस्ट बनाने में इस्तेमाल होने वाले केमिकल आपके दांतों को नुक्सान पंहुचा सकते हैं
- इसमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स मुंह के जरिए खून में जाकर शरीर के अंगों को नुक्सान पंहुचा सकते हैं
- जब आप टूथपेस्ट से ब्रश करते हैं तो उसमें मौजूद केमिकल मुंह की कैविटी के जरिए आपके शरीर में चले जाते हैं
- 'डीएथलोमिन' नाम के केमिकल से लीवर कैंसर, किडनी कैंसर और हार्मोनल इम्बैलेंस हो सकता है

हम अपने दांतों को साफ क्यो करते हैं, इसीलिए न की हमारे दांत सही और तंदुरुस्त और चमकदार बने रहें, ताकि हम जो भी खाएं दांतों के द्वारा सही ढंग से चबाया जा सके और हमारी पांचन क्रिया सही बनी रहे। पर आपको यह जान कर हैरानी होगी कि दांतों को साफ करने वाले टूथपेस्ट आपको बीमारी दे सकते हैं। टूथपेस्ट बनाने में इस्तेमाल होने वाले केमिकल आपके दांतों के साथ शरीर के अंगों को भी नुक्सान पंहुचा सकते हैं। जब आप टूथपेस्ट से ब्रश करते हैं तो उसमें मौजूद केमिकल मुंह की कैविटी के जरिए आपके शरीर में चले जाते हैं।

1. लीवर और गुर्दे का कैंसर : टूथपेस्ट में ''डीएथलोमिन' नाम का केमिकल पाया जाता है जिससे टूथपेस्ट में झाग बनता है। इस केमिकल से लीवर कैंसर, किडनी कैंसर और हार्मोनल इम्बैलेंस हो सकता है। जिसके बाद केमिकल आपके खून में जमा होने लगते हैं जो लंबे समय के बाद आपको गंभीर बीमारी दे सकता है।

2. थायराइड : बाजार में मिलने वाले टूथपेस्ट में ट्रिक्लोसन नाम का जर्म किलर केमिकल पाया जाता है जिसे पहले पेस्टसाइड की तरह इस्तेमाल किया जाता था। अध्यन से पता चला है कि यह केमिकल थायराइड, हृदय की समस्या और कैंसर जैसे रोगों को जन्म दे सकता है।

3. दिमाग, किडनी और हृदय की समस्या : कुछ टूथपेस्ट में पॉलीथीन ग्लाइकोल्स (पॉलीथीन) नाम का पदार्थ पाया जाता है जो और कुछ नहीं प्लास्टिक होती है। यह केमिकल आपके शरीर के लिए जहर की तरह है जो आपके दिमाग, किडनी और हृदय को नुकसान पहुंचा सकता है।

4. बच्चों में बुद्धि की कमी : टूथपेस्ट में फ्लोराइड नाम का केमिकल पाया जाता है जो आपके मसूड़ों को नुक्सान पंहुचा सकता है साथ ही बच्चों के दिमाग को भी कमजोर करता है। गर्भवती महिलाएं अगर इसका इस्तेमाल करती हैं तो उन्हें थायरॉयड, हड्डियों की परेशानी, पेट की समस्या और कैंसर हो सकता है।

5. मुंह का अल्सर और हार्मोनल इम्बैलेंस : टूथपेस्ट में एक ऐसा पदार्थ मिलाया जाता है जो साबुन की तरह काम करता है जिसे सोडियम सल्फेट कहा जाता है। इससे मुंह का अल्सर, त्वचा में इरिटेशन और हार्मोनल इम्बैलेंस हो सकता है।

6. मधुमेह और वजन बढ़ना : टूथपेस्ट में एस्पार्टेम (आर्टफिशल शुगर) पाई जाती है। इस जीरो कैलोरी शुगर से मधुमेह और मोटापे का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही इससे ब्रेन ट्यूमर सहित कई अन्य बीमारियां भी होती हैं।

अंडरगारमेंट जो करेगा कूल्हे की चोट से रक्षा

- दरअसल यह एक डिवाइस है जिसे अंडरगारमेंट में फिट किया गया है, यह डिवाइस हिप एरिया पर स्थित फीमर बोन की सुरक्षा करेगा
- यह डिवाइस पूरी तरह से कॉटन से तैयार की गई है
- माइक्रो सेल्यूलर इंजेक्शन के साथ इसमें प्लास्टिक फोम का भी प्रयोग किया गया है, यह डिवाइस काफी लचीली भी है

नई दिल्ली। आजकल वृद्धों में कूल्हे की चोट काफी आम बात सी हो गई है। जरा सा भी गिरने पर आपके घर में मौजूद किसी भी वद्ध को कूल्हे पर गंभीर चोट लग जाती है। अब आईआईटी के छात्रों ने एक ऐसा अंडरगारमेंट तैयार किया है जो वृद्ध लोगों को इस तरह की चोट से बचाएगा। जल्द ही आप इसे ऑनलाइन भी खरीद सकेंगे।

दरअसल यह एक डिवाइस है जिसे अंडरगारमेंट में फिट किया गया है। यह डिवाइस हिप एरिया पर स्थित फेमुर बोन की सुरक्षा करेगा। आईआईटी दिल्ली के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स ने इस डिवाइस को तैयार किया है। आईआईटी के प्रोफेसर नरेश भटनागर ने इस डिवाइस के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह डिवाइस पूरी तरह से कॉटन से तैयार की गई है। माइक्रो सेल्यूलर इंजेक्शन के साथ इसमें प्लास्टिक फोम का भी प्रयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि यह डिवाइस काफी लचीली भी है।

कैसे बचाता है चोट से प्रोफेसर नरेश के मुताबिक, गिरने पर यह डिवाइस हिप एरिया के आसपास मौजूद टिश्यूज पर पड़ने वाले दबाव को कम करती है। इसकी वजह से कोई भी चोट या फिर घाव नहीं होता है। इसका आकार काफी छोटा है, वजन भी कम है और इसकी डिजाइन भी काफी सुविधाजनक है। ऐसे में अगर आप चाहें तो इस डिवाइस को आसानी से अपने साथ कैरी कर सकेंगे। प्रो. भटनागर ने जानकारी दी कि जल्द ही यह डिवाइस फ्लिपकार्ट पर 1,000 रु पए से भी कम कीमत पर लोगों के लिए मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने जानकारी दी कि अमेरिका में इसी तरह की एक डिवाइस है जिसकी कीमत 100 अमेरिकी डॉलर है लेकिन भारत में यह काफी सस्ती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-5-7-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अत:आलस्य का त्याग करें। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-3-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-2-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

लॉफिंग ज़ोन

एक टीवी सेल्समैन एक गृहिणी को अपनी कंपनी के नये कलर टीवी की विशेषताएं बता रहा था. यह दिखाने के लिए कि रिमोट कंट्रोल कितना शक्तिशाली है, वह रंगीन टीवी को बैठक में छोड़कर रसोईघर में गया और वहीं से टीवी का चैनल बदलकर दिखाया.

एक माह बाद वह फिर पहुंचा और उस गृहिणी से टीवी के बारे में पूछा.

गृहिणी ने कहा, 'टीवी तो अच्छा है पर चैनल बदलने के लिए हर बार मुझे रसोईघर में जाना पड़ता है.'

☺ ☺ ☺

वकील साहब (मुजरिम से)- 'क्या यह सही है कि तुमने दस हजार रुपये के साथ-साथ गहने भी चुराए हैं?'

मुजरिम (वकील से)- हां साहब. मेरी मां का कहना है कि केवल रुपये से ही खुशी नहीं मिल सकती.'

☺ ☺ ☺

मालिक (नौकर से)- 'इन सारे मच्छरों को मार दो.'

थोड़ी देर बाद मालिक फिर गुस्से से बोला, 'तुमने इनको मारा नहीं इनकी भिनभिनाहट सुनकर मेरे कान पक गए हैं.'

नौकर (मालिक से)- साहब जी, 'मच्छरों को तो मैंने कभी का मार दिया. ये तो उनकी विधवाएं हैं जो उनकी याद में विलाप कर रही हैं.'

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली 5018

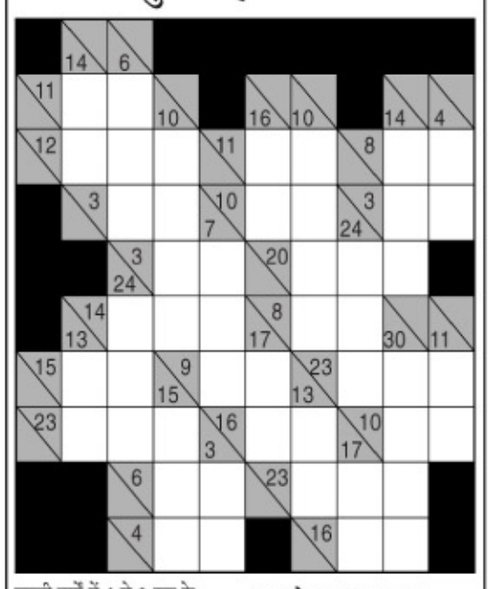

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर, नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

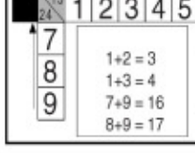

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो 5017 का हल

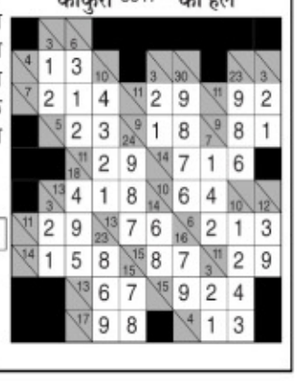

फिल्म वर्ग पहेली-5018

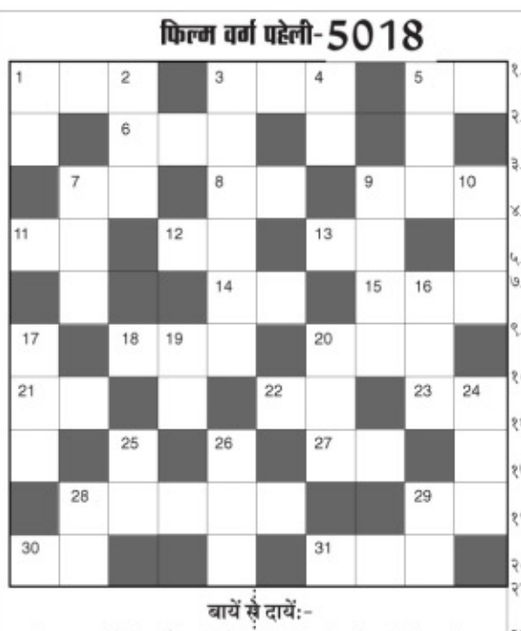

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 5017

सूडोकु 5018

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 5017 हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 5018

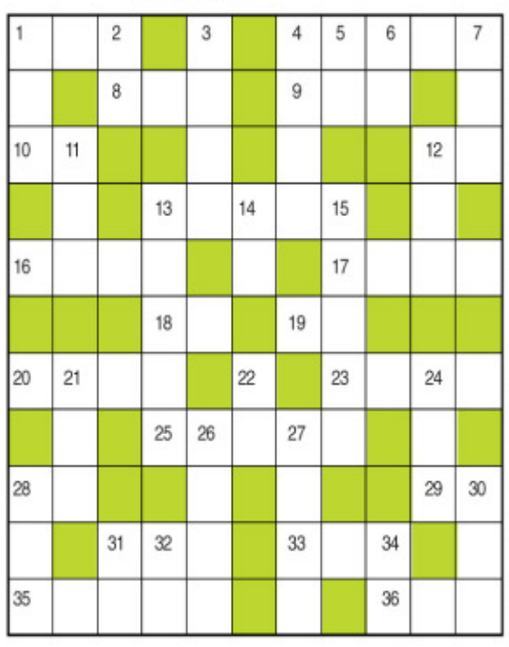

बाएँ से दाएँ

1. द्वेष,झगड़ा,रार-3
4. बुरकापोश-5
8. गागर,घड़ा-3
9. प्याऊ (उर्दू-3)
10. पैंदा,तला-2
12. बरस,वर्ष-2
13. सतत,लगातार-5
16. मजार,समाधि-4
17. उदारता,बड़प्पन-4
18. वायदा,कसम-2
19. महीना,माह-2
20. हमसफर-4
23. आदेश,आज्ञा-4
25. कहानी लेखक-5
28. गधा,गर्दभ-2
29. श्रवणेंद्रिय-2
31. बारिश,वर्षा-3
33. देवर्षि-3
35. दया करना-3,2
36. चिंतन

ऊपर से नीचे

1. कुपुत्र-3
2. अधिकार-2
3. सलाह,राय-4
4. अफसोस,खेद-4
5. शीतकालीन फसल-2
6. दलहन-2
7. ठंडा,सर्द-3
11. जिज्ञासा,उत्साह-3
12. बारिश का मौसम-3
13. धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14. रीत,परंपरा-2
15. जीवनसाथी, हमराही-5
21. मोर-3
22. जल,नीर-2
24. पीहर-3
26. गजशाला, हाथी घर-4
27. करतब, करामात-4
28. उपभोग,खर्च-3
30. नेत्र,चक्षु,आंख-3
31. सवारी गाड़ी-2
32. रहन,गिरवी वस्तु-2
34. ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली 5017 का हल

जम्मू-कश्मीरः राजौरी सड़क दुर्घटना में दो की मौत, छह घायल

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में राजौरी जिले की नौशेरा तहसील में रविवार को एक कैब के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और छह घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यात्रियों को लेकर थंडिकास्सी से लाम की ओर जा रही कैब चलान गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। चालक की पहचान अरुण कुमार के रूप में की गई जो मौके पर ही मृत पाया गया। जबकि बगलाव के मोहम्मद दीन ने उप-जिला अस्पताल नौशेरा में चोटों के कारण दम तोड़ दिया पुलिस ने कहा कि सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के चार सदस्यों सहित छह लोगों को भी चोटें आईं, अस्पताल में भर्ती सभी का इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर है। बहरहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खडगे ने की ओडिशा प्रदेश कांग्रेस समिति भंग

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने ओडिशा प्रदेश कांग्रेस समिति को पूरी तरह से भंग कर दिया है और जिला अध्यक्षों को नए अध्यक्ष की घोषणा होने तक कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में बने रहने को कहा है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि श्री खडगे में ओडिशा प्रदेश कांग्रेस को भंग कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस भंग करने के फैसले की घोषणा उन्होंने पार्टी अध्यक्ष से अनुमोदित एक पत्र के माध्यम से की है।

उन्होंने कहा, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस कमेटी, उसके पदाधिकारी, कार्यकारिणी के सदस्य, जिला, ब्लॉक तथा मंडल कांग्रेस पार्टी के सहयोगी संगठनों को पूरी तरह से भंग कर दिया गया है। पार्टी नेता ने कहा कि जिला अध्यक्षों को अगले अध्यक्ष की नियुक्ति तक कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर काम करने के लिए कहा गया है।

पतंजलि योगपीठ में आस्था व भक्ति के साथ गुरु पूर्णिमा महोत्सव सम्पन्न

हरिद्वार/देहरादून। गुरु-शिष्य की पवित्र परम्परा का प्रतीक 'गुरु पूर्णिमा', रविवार को उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी रामदेव व महामंत्री आचार्य बालकृष्ण के सान्निध्य में पतंजलि वैलनेस, योगपीठ-2 स्थित योग भवन ऑडिटोरियम में समारोह पूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर स्वामी रामदेव महाराज ने कहा कि गुरु पूर्णिमा भारत की गुरु परम्परा, ऋषि परम्परा, वेद परम्परा व सनातन परम्परा का बहुत ही गौरवपूर्ण व पूर्णता प्रदान करने वाला उत्सव है। स्वामी रामदेव ने कहा कि अलग-अलग कारणों से पूरी दुनिया में इस्लाम, इसाईयत, कम्यूनिज्म, कैपिटलिज्म और अलग-अलग प्रकार के वैचारिक उन्माद भौतिकवाद, इंटिलेक्चुअल टैरिरिज्म, रिलिजियस टैरिरिज्म, पॉलिटिकल, इकॉनोमिकल टैरिरिज्म, मेडिकल टैरिरिज्म, एजुकेशनल टैरिरिज्म सब एक्सपोज हो चुके हैं। ऐसे में सबकी दृष्टि भारत की ओर है कि भारत से पूरी दुनिया को शिक्षा, चिकित्सा के क्षेत्र में पारिवारिक, आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक जीवन में नई दिशा मिलेगी।उन्होंने कहा कि यह दिशा देने का कार्य भारत गुरु देश के रूप में करता रहा है, इसीलिए भारत विश्वगुरु रहा है। पतंजलि के संस्थापक अध्यक्ष ने कहा कि भारत अपनी उस भूमिका में पुनः आए, इसके 100 करोड़ से अधिक सनातनधर्मी अपने गुरुओं के सच्चे प्रतिनिधि बनें। योग तत्व, वेद तत्व व सनातन तत्व को अपने जीवन व आचरण में धारण करें। हमारे आचरण से किसी भी प्रकार से हमारी गुरु, ऋषि, वेद व सनातन परम्परा कलंकित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा का पर्व सनातन धर्म को युग धर्म के रूप में प्रतिष्ठापित करने का पर्व है।

घर में पुलिस की दबिश के 15 मिनट के बाद मालिक की संदिग्ध हालात में मौत

नादौन। थाना क्षेत्र नादौन के तहत तेलकड़ गांव में एक घर में पुलिस की दबिश के 15 मिनट के बाद मालिक रघुवीर (50) की संदिग्ध हालात में मौत हो गई है। यह घटना शाम सवा आठ बजे के करीब की है। इससे गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों दोपहर दो बजे तक हंगामा किया और पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। इससे स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। वहीं, पुलिस ने प्रारंभिक जांच में यह बताया है कि व्यक्ति ने आत्महत्या की है। परिजनों का आरोप है कि गांव के व्यक्ति ने उनके खिलाफ घर में राइफल होने की झूठी शिकायत पुलिस को दी थी। पुलिस ने बिना सर्च वारंट के घर में तलाशी ली। घर पर कुछ भी बरामद नहीं हुआ। इन झूठी शिकायतों से तंग आकर व्यक्ति ने आत्महत्या की है। इससे लोग आक्रोशित थे। एसडीएम नादौन अपराजिता चंदेल और पुलिस अधिकारियों के मौके पर पहुंचने के बाद माहौल शांत हुआ। इसके बाद व्यक्ति के शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज हमीरपुर में ले जाया जा सका। पुलिस रघुवीर सिंह के खिलाफ घर में अवैध तरीके से बंदूक रखने की शिकायत मिलने पर को सात बजे के करीब तलकेड़ गांव में पहुंची थी।

केदरानाथ भूस्खलन पर सीएम पुष्कर धामी ने जताया दुख, घायलों के उपचार का दिया निर्देश

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर हुए भूस्खलन के कारण तीन यात्रियों की मौत हो गई, कई घायल हो गए। इस घटना पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुख जताया।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पर लिखा- केदारनाथ यात्रा मार्ग के पास पहाड़ी से मलबा व भारी पत्थर गिरने से कुछ यात्रियों के हताहत होने का समाचार अत्यंत दुःखद है। घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य जारी है। इस संबंध में निरंतर अधिकारियों के संपर्क में हूं। हादसे में घायल हुए लोगों को त्वरित रूप से बेहतर उपचार उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं। ईश्वर दिवंगतों की आत्मा को श्री चरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल के

चिरबासा मार्ग पर रविवार सुबह भूस्खलन हुआ। बताया जा रहा है कि गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर पहाड़ी से अचानक मलबा गिर गया। इस दौरान वहां से कुछ तीर्थयात्री गुजर रहे थे। मलबे की चपेट में आने से तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और दो घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही गौरीकुंड पुलिस और डीडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंची। रेस्क्यू टीमों ने घटनास्थल से तीर्थयात्रियों को हटाया। साथ ही उन्होंने भूस्खलन को देखते हुए रास्ते को बंद कर दिया। इसके साथ ही सभी घायलों को गौरीकुंड के नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि अचानक ही पहाड़ टूटकर गिरने लगे कोई कुछ समझ पाता इससे पहले ही मलबे के नीचे लोग दब गए। इससे पहले बीते 10 जुलाई को जोशीमठ में भूस्खलन हुआ था। जिसके चलते बदरीनाथ नेशनल हाईवे बंद कर दिया गया था। राहत की बात थी कि इस दौरान जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, चार धाम यात्रियों पर जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था।

राहुल-प्रियंका ने जन्मदिन पर खडगे को दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी वाड्रा ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को जन्मदिन पर बधाई देते हुए रविवार को उन्हें मिठाई खिलाई और दीर्घायु होने की शुभकामनाएं दी। श्री गांधी ने कहा जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ,श्री खडगे जी। आपके अथक सेवा और लोगों के हित के लिए आपका समर्पण एक प्रेरणा है। आपको ढेर सारा प्यार और अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनाएं। श्रीमती वाड्रा ने कहा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। देश के संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अटल है। हमारी पार्टी की विचारधारा को क़ायम रखते हुए उन्होंने 24 के चुनाव में अभय नेतृत्व देते हुए, एक-एक कार्यकर्ता को हर परिस्थितियों में लड़ने की हिम्मत दी। उन्होंने कहा, मैंने खुद उन्हें कड़ी धूप में, मीटिंग के बाद मीटिंग करते हुए देखा। अपनी सेहत को ध्यान न देते हुए, निजी समस्याओं को परे करते हुए, वह रुके नहीं। उनका अथक परिश्रम हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्हें भगवान लंबी उम्र दें, उनकी सेहत अच्छी रहे और उनका नेतृत्व बुलंद रहे। कांग्रेस पार्टी ने भी अपने आधिकारिक पेज पर ट्वीट कर कहा, आज हम कांग्रेस अध्यक्ष खडगे जी के जन्मदिन पर उनकी अदम्य भावना का सम्मान करते हैं। संविधान को बनाए रखने के प्रति उनका अटूट समर्पण, दूरदर्शी नेतृत्व और सामाजिक न्याय की अटूट खोज एक बेहतर कल के लिए हमारे जुनून को प्रज्वलित करती है।

गुरु पूर्णिमा की सीएम योगी आदित्यनाथ ने दी शुभकामनाएं, श्री गोरखनाथ मंदिर में किया रुद्राभिषेक

एजेंसी

गोरखपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षापीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ गोरखपुर पहुंचे। यहां उन्होंने श्री गोरखनाथ मंदिर में विधि-विधान से रुद्राभिषेक कर देवाधिदेव महादेव से सभी के लिए सुख-शांति, आरोग्यता एवं समृद्धि हेतु प्रार्थना की। सीएम ने विधिवत पूजन अर्चन कर नाथपंथ के गुरुजनों के प्रति श्रद्धा भी व्यक्त की। सभी आनुष्ठानिक कार्यक्रमों को सम्पन्न करने के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर अपने शिष्यों को आशीष देंगे।

परम्परा अनुसार मंदिर में गुरु पूजन का सिलसिला तड़के से ही शुरू हो गया। गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सुबह सबसे पहले गुरु गोरक्षनाथ की पूरे विधि विधान से पूजा की। इसके साथ ही नाथपंथ के सभी योगियों की समाधि स्थल और देवी देवताओं के मंदिर में विशेष पूजन का कार्यक्रम भी प्रारंभ हो गया। पूजा के अंत में सामूहिक आरती होगी

फिर गुरु पूजन के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर अपने शिष्यों के बीच होंगे। बारी-बारी से शिष्य, गोरक्षपीठाधीश्वर तक पहुंच, उन्हें तिलक लगाकर आशीर्वाद ग्रहण करेंगे। इससे पहले पावन दिन पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा है, प्रदेश वासियों को गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं! गुरु कृपा शिष्य की सभी प्रकार के विघ्नों से रक्षा करती है। शरणागत शिष्य के दैहिक, दैविक, भौतिक कष्टों को दूर कर उसे सद्गति प्रदान करती है। सभी गुरुजनों का सादर अभिनंदन एवं उन्हें नमन!

चुनाव के समय कांग्रेस नेताओं को गिरफ्तार करना ईडी-सीबीआई का काम : पीसी शर्मा

एजेंसी

भोपाल। हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोनीपत से कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार को गिरफ्तार किया है। उनकी गिरफ्तारी पर मध्य प्रदेश कांग्रेस के नेता और पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा ने आरोप लगाया कि चुनाव जीतने के लिए भाजपा कांग्रेस नेताओं को गिरफ्तार करवा रही है।

शर्मा ने सुरेंद्र पंवार की गिरफ्तारी पर कहा कि यह तो चलेगा। ईडी-सीबीआई का एक ही काम है कि जब भी चुनाव आए कांग्रेस नेताओं को गिरफ्तार करो। लोकसभा चुनाव के दौरान भी सब जगह इन्होंने यही किया था। उन्होंने दावा किया कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, वहां कांग्रेस की ही जीत होगी। ईडी ने अवैध खनन से जुड़े मामले में शनिवार को पंवार को गिरफ्तार किया। केंद्रीय एजेंसी ने बीते दिनों अवैध खनन के मामले में सोनीपत

विधायक और यमुनानगर में पूर्व विधायक दिलबाग सिंह के ठिकानों पर छापेमारी की थी। जानकारी के अनुसार ईडी ने पंवार को गुरुग्राम से पहले हिरासत में लिया था और फिर कुछ देर बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। कांग्रेस विधायक की गिरफ्तारी के बाद ईडी ने उन्हें अंबाला में कोर्ट नंबर एक में पेश किया। कोर्ट में करीब साढ़े पांच घंटे की बहस के बाद सेशन जज कंचन माही ने सुरेंद्र पंवार को नौ दिन की रिमांड पर भेज दिया। ईडी 29 जुलाई तक पंवार से पूछताछ करेगी।

कठिन रास्तों पर जो चलते हैं वही इतिहास रचते हैं : कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

एजेंसी

जयपुर। कैबिनेट मंत्री व झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने गुरु पूर्णिमा के

पावन अवसर पर डूंगरी कलां, झोटवाड़ा में आयोजित सत्संग में परम पूज्य श्रद्धेय हीरापुरी महाराज जी का आशीर्वाद लिया एवं सत्संग को संबोधित किया। इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने श्रद्धेय हीरापुरी महाराज जी को नमन करते हुए कहा कि हमें अपने गुरुजनों, माता पिता को नमन करना चाहिए। आज के दिन हमें इस सृष्टि को भी नमन करना चाहिए। पेड़, पौधे सूर्य जो हमेशा हमें कुछ न कुछ सिखाते हैं ये भी नमन के योग्य हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमें अपने विरोधियों को भी इस अवसर पर नमन करना चाहिए क्योंकि हम उनसे भी कुछ न कुछ सीखते जरूर हैं। कर्नल राठौड़ ने कहा कि हमें बुजुर्गों, गुरुओं, माता-पिता से आगे बढ़ने का आशीर्वाद प्राप्त होता है। आशीर्वाद क्या है यह एक उर्जा होती है, जब हम सांस लेते हैं वो भी एक ऊर्जा है, कोई हमारे सिर पर हाथ फेरता है वो भी एक प्रकार की ऊर्जा होती है जो हमें हमारे जीवन पथ पर आगे बढ़ते रहने के लिए शक्ति प्रदान करती है।

ममता बनर्जी के मंच पर बोले अखिलेश यादव- केंद्र में नहीं टिकेगी एनडीए सरकार

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी के साथ रविवार को कोलकाता में शहीद दिवस कार्यक्रम पर मंच साझा करते हुए समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने एनडीए सरकार को सत्ता से बेदखल करने का संकल्प व्यक्त किया और ममता बनर्जी के नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने दावा किया कि केंद्र में एनडीए की सरकार अधिक दिनों तक नहीं टिकेगी।

अखिलेश यादव ने कहा कि दिल्ली में सत्ता बनाए रखने के लिए वे कुछ भी कर सकते हैं। जब जनता जागती है, तो उनकी झूठे प्रचार ध्वस्त हो जाते हैं। हम नकारात्मक राजनीति नहीं करते, बल्कि सकारात्मक राजनीति करते हैं। हमें जनता के जीवन में बदलाव लाने के लिए एकजुट होना होगा।

ममता बनर्जी को समर्थन देने का आह्वान

अखिलेश ने ममता बनर्जी के संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि सांप्रदायिक ताकतें सिर उठा रही हैं। अगर आप जैसे लोग ममता जी के

साथ खड़े रहेंगे, तो वह सभी साजिशों का मुकाबला कर सकेंगी। उन्होंने ममता के कार्यकर्ताओं के समर्पण और उनकी नेतृत्व क्षमता की भी तारीफ की। अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी के साहसिक और निस्वार्थ नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि ममता दीदी के पास ऐसे कार्यकर्ता हैं, जो अपनी जान की परवाह किए बिना लड़ाई लड़ते हैं। आज मैं यहां हूं, यह दर्शाता है कि ममता दीदी के दिल में अपने कार्यकर्ताओं के लिए कितना सम्मान है। अखिलेश यादव ने अंत में ममता बनर्जी के नेतृत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि हम ममता बनर्जी के साथ मिलकर देश को एक नई दिशा देने के लिए तैयार हैं। भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

इस कार्यक्रम में अन्य नेताओं ने भी अपनी बातें रखीं। तृणमूल के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने बताया कि वह पिछले एक-डेढ़ महीने से पार्टी की योजनाओं का मूल्यांकन कर रहे थे और जल्द ही इसके परिणाम सामने आएंगे। नयाग्राम के विधायक दुलाल मुर्मू ने सांताली भाषा में अपनी बात रखी, जबकि बागदा की विधायक मधुपर्णा ठाकुर ने भाजपा पर कड़ा प्रहार किया।

गुरू पूर्णिमा पर धामी ने अपनी माता संग किया पौधारोपण

देहरादून। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर रविवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के

अंतर्गत, अपनी माताजी बिशना देवी के साथ पौधारोपण किया। इस अवसर पर श्री धामी ने कहा कि जीवन में व्यक्ति की सबसे पहली गुरू मां ही हैं। ऐसे में मां के नाम पौधारोपण अभियान में शामिल होना किसी सौभाग्य से कम नहीं है।

सपा व कांग्रेस सरकार में होते थे दंगे, योगी सरकार में कानून का राज : ओपी राजभर

एजेंसी

बस्ती। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर बस्ती पहुंचे। यहां उन्होंने सर्किट हाउस में अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान कांवड़ यात्रा के रूट पर दुकानों के सामने नाम लिखे जाने के सवाल पर उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम है, विरोध करना। हम लोगों की और सरकार की जिम्मेदारी है जनता के हित में काम करना। सपा और कांग्रेस की सरकार में दंगे होते थे, लेकिन इस सरकार में एक भी दंगे नहीं हुए। उन्होंने कहा कि सीएम योगी अपने हिसाब से सरकार चलाएंगे या अखिलेश के हिसाब से चलाएंगे। अखिलेश यादव ने अपनी सरकार के दौरान अति पिछड़ों का आरक्षण लूटा। तीन सितंबर 2013 को

हाईकोर्ट ने अति पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण बांटने का आदेश दिया था, लेकिन उन्होंने क्या किया। अति पिछड़े समाज के हिस्से को लूटने का काम किया।

वहीं पेपर लीक मामले में उनके एक विधायक का वीडियो वायरल होने के सवाल पर कहा कि यह खबर फर्जी है, सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में जो रिपोर्ट दाखिल की है, उसमें उनका नाम नहीं है। वायरल वीडियो अखिलेश की सरकार के समय का है। जब सपा की राज्य में सरकार थी, तब का मामला है। आज का यह मामला नहीं है।

उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में 300 से ज्यादा सीटों के साथ चुनावी मैदान फतह करेंगे। डिप्टी सीएम केशव मौर्य के 2017 की तरह 2027 में भी सीटें जीतने के दावे पर उन्होंने कहा कि उनका कहना सही है। 2017 में वह पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे। उन्हीं के नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया और 325 सीट जीती गई थी। उस समय मैं भी उनके साथ था, उसके बाद जब हम साथ नहीं थे तो 75 सीट हार गए।

'एक पेड़ मां के नाम', पेड़ लगाइए व शुद्ध वातावरण पाइए : हेमा मालिनी

एजेंसी

मथुरा। केंद्र सरकार ने देश भर में पौधारोपण की मुहिम चलाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण करने का आह्वान किया है। इस कैंपेन को बल देने के लिए फिल्म अभिनेत्री और भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने शनिवार को मथुरा में पौधारोपण किया।

हेमा मालिनी ने जवाहर बाग में पौधारोपण के दौरान मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह मुहिम बहुत ही सराहनीय है। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान बहुत जरूरी है। पेड़-पौधों को काटकर इमारतें बनाई जा रही हैं। इसकी वजह से जलवायु परिवर्तन की समस्या उत्पन्न हो रही है। बारिश समय पर नहीं हो रही है।

हमें ऑक्सीजन मिलेगा। भाजपा सांसद ने मथुरावासियों से पौधारोपण की अपील भी की। उन्होंने कहा कि मैं सभी लोगों से पेड़ लगाने की अपील करती हूं। खासकर बिल्डरों से अनुरोध करती हूं कि वो अधिक से अधिक से पेड़ लगाएं।

उन्होंने कहा कि पौधारोपण के बाद इसकी देखभाल भी बेहद जरूरी है। जवाहर बाग में बहुत सुंदर-सुंदर पेड़ हैं और आज मेरे नाम पर भी एक पेड़ लग गया है। मुझे इससे खुशी हो रही है। इसी तरह पूरे मथुरा शहर में पौधारोपण किया जाए।उन्होंने लोगों से इस बात का भी खास ध्यान रखने के लिए कहा कि भवन निर्माण वाली जगह पर पौधारोपण नहीं करें। क्योंकि बाद में फिर इसे उखाड़ना पड़ता है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के बाद 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम में अपनी मां हीराबेन को याद किया था। उन्होंने मां और पर्यावरण के रिश्तों को लेकर 'एक पेड़ मां के नाम% मुहिम की बात कही थी। पीएम मोदी ने इसकी शुरुआत इस साल पर्यावरण दिवस से की थी और अपनी मां हीराबेन के नाम पर एक पेड़ भी लगाया।

विपक्ष को मिले लोकसभा उपाध्यक्ष का पद : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र से एक दिन पहले सरकार की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में रविवार को कांग्रेस ने लोकसभा उपाध्यक्ष पद विपक्ष को देने की मांग करते हुए कहा है कि बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की समस्या तथा नीट पेपर लीक जैसे मुद्दों पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस नेता तथा लोकसभा में पार्टी के उपनेता गौरव गोगोई ने लोकसभा में उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को देने का मुद्दा उठाया और कहा कि बैसाखियों पर चल रही सरकार में विपक्ष की भूमिका महत्वपूर्ण है इसलिए उपाध्यक्ष पद विपक्षी दलों को दिया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार पर सत्ता का दुरुपयोग करने का भी आरोप लगाया और कहा कि वह केंद्रीय एजेंसी का मनमानी तरीके से इस्तेमाल कर रही है। पार्टी के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने बैठक के बाद संसद भवन परिसर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि परंपरागत तौर पर सर्वदलीय बैठक इसलिए होती है ताकि सदन की कार्यवाही अच्छी चले और विपक्षी दलों को सदन में जनता से जुड़े मुद्दे उठाने का पूरा मौका मिले। उन्होंने कहा,हम सदन में महंगाई, बेरोजगारी, किसानों के मुद्दे, मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में हुई धांधली जैसे मुद्दों पर चर्चा करना चाहते हैं। इसके अलावा देश की सुरक्षा और चीन की तरफ से जारी घुसपैठ और सीमा पर बढ़ती सुरक्षा की चुनौती, संसद भवन परिसर में स्थापित महापुरुषों की मूर्तियों को हटाने, किसान, मजदूर, मणिपुर, एनईईटी पर हम चर्चा करने का पूरा प्रयास करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा,सबसे बड़ा मुद्दा यह है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार संविधान, इसके मूल्यों और परंपरा की हत्या कर रही है। सरकार संविधान विरोधी है और इसीलिए उसने बाबा साहब अंबेडकर की मूर्ति हटाई है क्योंकि वह संविधान निर्माता थे। संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग हो रहा है, बेरोजगारी और महंगाई सरकार की नीतियों के कारण लगातार बढ़ रही है। जम्मू-कश्मीर, मणिपुर में जारी हिंसा जैसे कई मुद्दे हैं जो लोगों से जुड़े हैं और हम ये सब मुद्दे उठाएंगे।इस बीच कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दावा किया है कि सर्वदलीय बैठक में जनता दल-यूनाइटेड ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने का मुद्दा उठाया है। इसी तरह से एक रणनीति के तहत सरकार के घटक तेलुगू देशम पार्टी ने नहीं बल्कि वाईएसआर कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने का मामला उठाया है।

साय ने संत योगी बालकदास से लिया आशीर्वाद

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गुरू पूर्णिमा के अवसर पर रविवार को बालोद जिले के डौंडीलोहारा विकासखण्ड स्थित जामड़ी पाटेश्वर धाम आश्रम पहुंच कर सत्संग स्थल कौशल्या धाम में संत योगी बालकदास से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद ग्रहण किया।श्री साय ने ब्रम्हलीन संत राम जानकी दास जी के समाधि स्थल में पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की और सत्संग स्थल परिसर में रुद्राक्ष के पौधे का रोपण किया। उन्होंने शिव मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित करते हुए उपस्थित सभी लोगों का स्वागत अभिनंदन किया। उन्होंने पाटेश्वर धाम में ब्रम्हलीन गुरुदेव राम जानकी दास की समाधि निर्माण कराने तथा मंदिर परिसर में हाई मास्ट लाईट लगाने एवं मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए शेड निर्माण कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने जुगेरा प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास की सीटें 50 से बढ़ाकर 100 करने की भी घोषणा की। इस अवसर पर सांसद भोजराज नाग सहित देवलाल ठाकुर एवं अन्य अतिथियों के अलावा, आई.जी.रामगोपाल गर्ग, जिला कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल, एस.पी. जे.आर. ठाकुर तथा अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

शिफ्ट में काम करने वाले पुरुष न रहें

इस खतरे से अनजान

शिफ्ट में काम करने वाले लोगों खासकर पुरुषों को सामान्य की तुलना में सेहत से जुड़े एक बड़े खतरे का रिस्क ज्यादा होता है। हाल में हुए शोध की मानें तो शिफ्ट में काम करने वाले पुरुषों को टाइप 2 डायबिटीज का रिस्क अधिक होता है। साथ ही जो लोग एक निर्धारित पाली की जगह बदलती हुई शिफ्ट में काम करते हैं उन्हें यह खतरा और भी ज्यादा होता है।

न्यूयॉर्क के लेनोक्स अस्पताल के क्लीनिकल मनोविज्ञानी डॉ. एर्लन मेनेविट्ज कहते हैं कि यह शोध ज्यादा चौंकाने वाला नहीं है। डॉक्टर काफी समय से महसूस कर रहे थे कि अलग-अलग पालियों में काम करने से शरीर के रसायन प्रभावित होते हैं और इससे आंतों और दिल की बीमारियां हो सकती हैं।

यहां तक कि इससे कैंसर की आशंका भी रहती है। अब टाइप-2 मधुमेह को भी इस सूची में जोड़ा जा सकता है।

विज्ञानियों ने निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए 12 अंतरराष्ट्रीय शोधों का सहारा लिया जिनमें लगभग सवा दो लाख लोग शामिल थे।

मुख्य शोधकर्ता चीन के वुहान में हुआजोंग यूनिवर्सिटी के जुआन ली हैं, उनका कहना है कि इसमें कर्मचारियों के कई पहलुओं को शामिल किया गया है। जैसे पाली कब से कब तक है, बाडी मास इंडेक्स (वजन और लंबाई की गणना), परिवार में किसी को मधुमेह था या नहीं और शारीरिक सक्रियता।

हालांकि नतीजे सीधे-सीधे कुछ नहीं कहते पर पाया गया कि शिफ्ट में काम करने वाले को मधुमेह होने की संभावना नौ फीसदी अधिक है। अगर कर्मी पुरुष है तो यह आंकड़ा 37 फीसदी हो सकता है।

हालांकि पुरुष मधुमेह की चपेट में क्यों ज्यादा आते हैं इसका कोई साफ कारण नहीं है लेकिन हारमोन टेस्टोस्टेरोन इसमें अहम भूमिका निभाता है।

साथ ही रोटेटिंग शिफ्ट में काम करने वाले लोगों को टाइप 2 डायबिटीज होने का खतरा 42 फीसदी ज्यादा होता है। टीम के अनुसार काम का समय बार-बार बदलने से शरीर के लिए सोने और जागने का समय तय करना मुश्किल हो जाता है।

साथ ही कम सोने से शरीर में इंसुलिन की कमी हो जाती है जिससे डायबिटीज होती है। पहले के अध्ययन में मोटापे को मधुमेह का कारण बताया गया था। टीम का कहना है कि शिफ्ट में काम करने से कोलेस्ट्रोल और रक्तचाप बढ़ते हैं। विज्ञानियों के अनुसार समय-समय पर मधुमेह का टेस्ट कराते रहना ही इस समस्या का निदान है।

ज्यादातर अधेड़ों या बुजुर्गों को होती है। 95 फीसदी मधुमेह रोगी टाइप-2 से भी पीड़ित होते हैं। इसमें शरीर में ज्यादा ग्लूकोज या शुगर बनने लगता है। टाइप टू में शरीर इंसुलिन का इस्तेमाल नहीं कर पाता।

नतीजा मोटापा बढ़ने से होता है। ग्लूकोज सेल तोड़ने के लिए शरीर को ज्यादा इंसुलिन की आवश्यकता होती है। धीरे-धीरे पैंक्रियाज इंसुलिन तैयार करने की क्षमता खो देते हैं। नतीजा कई अन्य रोगों की शुरुआत।

अलग-अलग पालियों में काम करने का असर

सोने और जागने का समय तय करना हो जाता है मुश्किल
शरीर के रसायन होतेहैं प्रभावित
आंतों और दिल की बीमारियां होने का खतरा
कैंसर के अलावा टाइप-2 डायबिटीज की चपेट में भी आ सकते हैं।

चाय में छिपा
खूबसूरती का राज

चाय का सेवन कुछ लोग थकान दूर करने तो कुछ आदतन करते हैं, लेकिन चाय की एक प्याली हमारे जीवन के अलग-अलग आयामों के लिए लाभदायक हो सकती है। वेबसाइट फीमेलफर्स्ट डॉट को डॉट यूके' के मुताबिक, हाल ही में किए गए एक वैज्ञानिक शोध में यह बात सामने आई है कि चाय मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक और शारीरिक दृष्टिकोण से लाभदाई होती है। वैज्ञानिकों ने हर किस्म के चाय से जुड़े स्वास्थ्य के सभी फायदे का परीक्षण किया, जिसमें पाया गया कि यह न सिर्फ शारीरिक सौंदर्य बल्कि वजन कम करने और त्वचा में नमी बरकरार रखने के लिए भी लाभदायी होती है। टी एडवायजरी पैनल (टीएपी) के विशेषज्ञों ने चाय से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराई हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

त्वचा को नम बनाना - शरीर के अंगों, त्वचा और कोशिका के लिए पानी आवश्यक होता है। नए अध्ययन में पाया गया है कि प्रतिदिन छह कप चाय का सेवन करने से इनकी यह जरुरत पूरी हो जाती है।

स्वस्थ त्वचा में चाय की भूमिका - स्वस्थ त्वचा यानी नम त्वचा। पर्याप्त तरल पदार्थ लेना, जिसमें सभी प्रकार के चाय शामिल हो सकती है, शरीर में तरलता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

क्योंकि खासतौर से गर्मी के दिनों में शरीर से पर्याप्त मात्रा में पानी निकल जाता है। पर्याप्त पानी से त्वचा अच्छे हालात में बनी रहती है।

चाय और वजन घटाना -चाय का सेवन करने से कुछ समय तक वजन ज्यादा नहीं बढ़ता। एक सप्ताह से ज्यादा चाय पीने से चाय न पीने वालों की अपेक्षा वजन कम बढ़ता है। काली चाय, कम मलाई वाले दूध की चाय और बिना चीनी वाली चाय सहित सभी चाय में अन्य चर्चित पेय पदार्थों की अपेक्षा कम कैलोरी होती है।

चाय और खूबसूरती - चाय में हमारी त्वचा की खूबसूरती के लिए पर्याप्त पानी मौजूद होता है और यह वजन घटाने में मदद करता है। एक टी बैग में भी खूबसूरती के राज छिपे होते हैं। टी बैग को गुनगुने पानी में डाल कर फिर इसे बंद आंखों के ऊपर रखने से आंखों को थकान से राहत मिलती है।

अवसाद बढ़ा सकता है अत्यधिक
छोटा या लंबा होना

सेना में अधिक शारीरिक लंबाई और कम लंबाई वाले लोगों में औसत लंबाई वाले अपने सहयोगियों की अपेक्षा अवसाद का खतरा ज्यादा होता है। एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं का कहना है कि औसत से अधिक लंबे या कम लंबे पुरुषों में अवसाद की समस्या का खतरा ज्यादा होता है। कैलिफोर्निया के कैंप पेंडल्टन स्थित नेवेल हॉस्पीटल की वेलेरी करुपनिक और यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलबिया की मारिया केरकासोवा ने एक मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक में सेना के ड्यूटी पर तैनात 196 पुरुषों में अवसाद संबंधी बातों का अध्ययन किया। शोधकर्ताओं का अनुमान था कि औसत से कम लंबाई वाले सैनिकों में अवसाद का खतरा ज्यादा हो सकता है, क्योंकि सेना में शारीरिक कौशल ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। इसके उलट शोधकर्ताओं ने पाया कि अवसाद की समस्या औसत से अधिक लंबे पुरुषों में भी कहीं ज्यादा होती है, क्योंकि कई बार वे अपनी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरते। करुपनिक ने कहा, बच्चों के शारीरिक कद को ध्यान में रखकर हमारे यहां विशेष कार्यक्रम नहीं चलाए जाते।

गंजेपन
से हमेशा के लिए छुटकारा दिलाएगा यह उपाय

सिर पर बाल झड़ गए हैं या गंजेपन ने आपको समय से पहले ही अंकल बना दिया हो निराश न हों, इससे हमेशा के लिए छुटकारा अब और भी सुलभ है।

वैज्ञानिकों ने सीने के बाल को सिर पर ट्रांसप्लांट कर गंजेपन के बावजूद भी बाल उगाने में सफलता प्राप्त की है। इस विधि को उन्होंने फॉलिक्यूलर युनिट एक्सट्रैक्शन का नाम दिया है।

क्यों है अधिक असरदार

अब तक बालों के ट्रांसप्लांट के दौरान सिर के पिछले हिस्से से, जहां बाल अधिक होते हैं, बाल निकालकर सिर के उन हिस्सों पर लगाया जाता है जहां बाल झड़ चुके हों।

यह प्रक्रिया दर्दनाक तो होती ही है, साथ ही इसकी सफलता की गुंजाइश भी पूरी नहीं होती है। अक्सर गंजेपन के दौरान लोगों के सिर के पिछले हिस्से में भी बाल या तो कम होते हैं या फिर कमजोर, इसलिए जरूरी नहीं कि इनका ट्रांसप्लांट पूरी तरह सफल ही हो।

ऐसे में सीने के बालों को सिर पर लगाने की यह विधि अपेक्षाकृत अधिक असरदार है।

कैसे होगा ट्रांसप्लांट

इस प्रक्रिया के अंतर्गत सर्जन मरीज के सीने पर शेव कर बाल निकाल लेता है। इफर इनमें से सेहत फॉलिकल को मरीज के सिर के गंजे भाग पर ट्रांसप्लांट करता है।

सामान्यतः एक बार सिर पर इस विधि से बाल ट्रांस्पलांट करने का खर्च 10,000 पाउंड यानी 10,20,268 रुपए आता है।

रात में जल्दी खाना खाने के ये है
फायदे

रात में भोजन कैसा हो, सेहत के लिए यह जितना जरूरी है, भोजन कब हो जैसा सवाल भी उससे कम जरूरी नहीं है। आमतौर पर डॉक्टरों का मानना है कि रात के भोजन और सोने के बीच कम से कम 2 घंटे का अंतर सेहतमंद जीवन के लिए बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आप अब भी देर रात खाना खाते हैं तो जल्दी भोजन करने के ये 5 फायदे जानने के बाद आप भी जल्दी खाना शुरू कर देंगे।

वजन पर नियंत्रण

अगर आप देर रात खाना खाएंगे तो सुबह का नाश्ता इससे प्रभावित होगा। कई शोधों में यह माना जा चुका है कि सुबह का नाश्ता ठीक से न करने के कारण लोग दिन भर ओवरडाइट करते हैं।

रात के भोजन का आपकी बॉडी क्लॉक व्यवस्थित रखने में बड़ा रोल है जिससे और ओवरडाइट न करें और मोटापे के शिकार न हो सकें।

गैस्ट्रिक संबंधी समस्याओं से बचाव

अगर आपको गैस्ट्रिक संबंधी समस्याएं अधिक होती हैं तो आप रात में जल्दी खाने की आदत डाल ही लें।

दरअसल, खाने के ठीक बाद सोने से भोजन का पाचन अच्छी तरह नहीं हो पाता है जिससे हार्टबर्न जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

अच्छी नींद के लिए

रात में जल्दी और सेहतमंद भोजन करने से नींद न आने की समस्या को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। यह बॉडी क्लॉक को व्यवस्थित रखने में मददगार है जिससे नींद न आने की दिक्कत दूर होती है।

ऊर्जा बरकरार रहती है

देर रात तक ढेर सारा भोजन करने से आप नाश्ता अच्छी तरह नहीं कर पाते जिससे दिन भर आपको ऊर्जा की कमी महसूस होती है। रात में जल्दी खाने से अगले दिन सुबह का नाश्ता भरपूर होता है जिससे ऊर्जा बनी रहती है।

रोगों से बचाव

कई शोधों में माना जा चुका है कि रात में जल्दी भोजन करने वाले लोगों को हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसे दिल के रोगों का रिस्क कम होता है।

बारिश में जुकाम
से कैसे बचें

इस मौसम में सर्दी-खाँसी आम बात है। तुलसी और अदरक इस मौसम में लाभदायक होते हैं। तुलसी में काफी उपचारी गुण समाए होते हैं, जो जुकाम और फ्लू आदि से बचाव में कारगर हैं। तुलसी की पत्तियाँ चबाने से कोल्ड और फ्लू दूर रहता है। इसी तरह तुलसी और बांसा की पत्तियाँ (प्रत्येक 5 ग्राम) पीसकर पानी में मिलाएँ और काढ़ा तैयार कर लें। इससे खाँसी और दमा में काफी फायदा मिलेगा। अलसी के बीज (लिनसीड) भी खाँसी के इलाज में काफी कारगर होते है, क्योंकि ये बलगम बाहर निकालने में मदद करते हैं। इनका काढ़ा बनाकर पी लें या फिर बीजों को पीसकर चाट लें। जल्द राहत के लिए 10 ग्राम अलसी के पिसे बीजों को मुलैठी के चूर्ण में मिलाएँ और 200 मिली पानी में इन्हें पानी के आधा रह जाने तक उबालें। इसमें 20 ग्राम शुद्ध शहद मिलाएँ और गरम-गरम पिएँ। इससे शरीर का बलगम बाहर निकलता है और खाँसी में राहत मिलती है। अदरक की चाय इस मौसम में स्वाद और सेहत दोनों की दृष्टि से अच्छी है।

नोएडा सुपर किंग्स टीम के लिए 23 को अलीगढ़ में होगा चयन

एजेंसी

मुरादाबाद। डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने शनिवार को बताया कि उत्तर प्रदेश टी-20 क्रिकेट लीग में नोएडा सुपर किंग्स टीम के लिए मुरादाबाद मंडल के खिलाड़ियों का चयन 23 जुलाई को अलीगढ़ में किया जाएगा। ट्रायल्स में मुरादाबाद, अमरोहा, संभल व रामपुर के खिलाड़ी शामिल होंगे। विजय गुप्ता ने बताया कि ट्रायल्स में 17 वर्ष या उससे अधिक आयु के खिलाड़ी ही प्रतिभाग कर सकते हैं। खिलाड़ी उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से प्राप्त रजिस्ट्रेशन स्लिप, आधार कार्ड, पैन कार्ड और जन्मतिथि का प्रमाण पत्र अपने साथ लेकर जाएंगे। गेंदबाज अपने स्पाइक शूज, बल्लेबाज अपनी पूरी किट अपने साथ लेकर जाएंगे। रंगीन जर्सी पहनकर ट्रायल्स में प्रतिभाग करेंगे। ट्रायल 23 जुलाई को सुबह सात बजे शुरू हो जाएंगे। अलीगढ़ में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के विलिंगटन क्रिकेट पवेलियन में होंगे।

सीन नदी पर होगी ओलिम्पिक परेड, गटर युक्त पानी होने के कारण हो रहा विरोध

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलिम्पिक में सब कुछ नया और सब कुछ अनोखा करने के चक्कर में ओलिम्पिक प्रबंधन लोगों के विरोध का सामना कर रहा है। इतिहास में पहली बार होना है जब किसी ओलिम्पिक का उद्घाटन समारोह किसी नदी (सीन) पर होना है। विभिन्न नांव पर सवार 10,500 एथलीट, कोच, नेता और कर्मचारी नाव परेड के रूप में पेरिस के मध्य से साढ़े 3 मील की दूरी तय करते हुए जार्डिन डेस प्लांटेस के पास ऑस्टर्लिट्ज ब्रिज से होते हुए ट्रोकाडेरो में एफिल टॉवर के सामने इनेना ब्रिज पर रुकेंगे। यह नदी बीते कुछ सालों से अपने अत्यधिक पॉल्यूशन लैवल बढ़ने के कारण चर्चा में है। फ्रांस सरकार यह दावा ठोककर कि नदी को साफ करवा दिया गया है, में 2 ओलिम्पिक इवैंट (मैराथन स्विमिंग और ट्राइथलॉन) करवाने की रूपरेखा बना चुकी है। वहीं, कुछ समाजसेवी संस्थाएं इसके विरोध में आ गई हैं। उन्होंने कहा है कि प्रबंधन वाहवाही के चक्कर में एथलीट्स की सेहत से खिलवाड़ कर रहा है। ओलिम्पिक इवैंट नदी में न करवाए जाएं इसके लिए वह ह्यूमन वेस्ट मटेरियल नदी में फैंकने के लिए भी तैयार हैं। फ्रांस सरकार लोगों के बढ़ते विरोध के कारण ओलिम्पिक परेड को फ्रांस के सबसे बड़े स्टेडियम स्टेड डी फ्रांस में करवाने की योजना पर भी काम कर रहा है लेकिन उनकी प्राथमिकता अभी भी सीन नदी पर परेड करवाने की है, जिससे विरोध होने का खतरा और बढ़ गया है।

स्मृति मंधाना ने एशिया कप में दिव्यांग बच्ची को दिया मोबाइल, वीडियो आई बाहर

दाम्बुला (श्रीलंका)। भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने यहां महिला टी20 एशिया कप टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ टीम के मैच के बाद एक दिल छू लेने वाली पहल करते हुए व्हीलचेयर पर बैठी एक लड़की को मोबाइल फोन उपहार में दिया। अपनी मां के साथ व्हीलचेयर पर स्टेडियम आई आदिशा हेराथ को उस समय सुखद आश्चर्य हुआ जब मंधाना उनसे मिलने आईं और उन्हें एक फोन दिया। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने इस वाकए का वीडियो जारी करते हुए लिखा- आदिशा हेराथ का क्रिकेट के प्रति प्रेम उन्हें तमाम चुनौतियों के बावजूद स्टेडियम तक ले आया। उनके दिन का मुख्य आकर्षण उन्हें अपनी पसंदीदा क्रिकेटर स्मृति मंधाना के साथ एक आश्चर्यजनक रूप से सुखद मुलाकात करने का मौका मिला। स्मृति ने उन्हें एक मोबाइल फोन उपहार में दिया।' मंधाना इस वीडियो में लड़की का नाम पूछ रही है। उन्होंने इस लड़की के साथ 'हाई फाइव' किया और फिर फोटो खिंचवाई।

रफेल नडाल फ्रेंच ओपन 2022 के बाद पहली बार फाइनल में पहुंचे

बस्ताड (स्वीडन)। रफेल नडाल नॉर्डिया ओपन में डुजे अजदुकोविच को यहां 4-6, 6-3, 6-4 से हराकर 2022 फ्रेंच ओपन के बाद अपने पहले फाइनल में पहुंचे। नडाल ने क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में इससे पहले 36वीं रैंकिंग पर काबिज मारियानो नवोन को चार घंटे तक चले मुकाबले में 6-7, 7-5, 7-5 से हराया था। उन्होंने अजदुकोविच के खिलाफ भी पहले सेट में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। नडाल ने 2005 में 19 वर्ष की उम्र में यहां खिताब जीता था जिसके बाद वह पहली बार यहां खेल रहे हैं। वह पेरिस में रोलां गैरो पर ओलंपिक में खेलने की तैयारी में हैं। उन्होंने पहले दौर में स्वीडन के महान खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग के बेटे लियो बोर्ग को हराया। 38 वर्ष के नडाल ने विम्बलडन में भाग नहीं लिया था। वह पिछले डेढ़ साल से कूल्हे और पेट की चोटों से जूझ रहे हैं।

गोथिया कप-2024 खिताब के साथ स्वदेश लौटे स्पेशल ओलंपिक भारत के फुटबॉलर

एजेंसी

नई दिल्ली। स्पेशल ओलंपिक भारत (एसओ भारत) ने स्वीडन के गोथेनबर्ग में 14 से 18 जुलाई, 2024 के बीच आयोजित गोथिया कप-2024 में शानदार प्रदर्शन करने के बाद लौटी दस सदस्यीय भारतीय फुटबॉल टीम के लिए द ललित होटल (नई दिल्ली) में एक स्वागत समारोह आयोजित किया। एसकेएफ इंडिया द्वारा समर्थित, बौद्धिक और विकासात्मक विलंब वाले एथलीटों से बनी भारतीय टीम अपने ग्रुप में अपराजित रही और प्रतिष्ठित ट्रॉफी अपने नाम की। राष्ट्रीय राजधानी लौटने पर टीम का मुख्य अतिथि रक्षा खडसे (केंद्रीय युवा मामले और खेल राज्य मंत्री), डॉ मल्लिका नड्डा (एसओ भारत की अध्यक्ष और एशिया प्रशांत सलाहकार परिषद (एपीएसी) की अध्यक्ष), डॉ उपासना अरोड़ा (एसओ भारत की कोषाध्यक्ष) सहित विशिष्ट अतिथियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

गोथिया कप टूर्नामेंट का उद्घाटन 15 जुलाई को उल्लेवी में एक भव्य समारोह के साथ हुआ, जिसमें 49,000 से अधिक दर्शक उपस्थित थे। टूर्नामेंट में 1910 टीमों ने भाग लिया, जिसमें 15 विभिन्न देशों से 50 स्पेशल ओलंपिक टीमों का

प्रतिनिधित्व किया गया। एसओ भारत टीम को पैरास्पोर्ट डेनमार्क 2, स्पेशल ओलंपिक फिनलैंड मिक्स्ड, स्पेशल ओलंपिक हांगकांग और स्पेशल ओलंपिक जर्मनी 1 के साथ ग्रुप 5 में रखा गया था। एसओ भारत ने एसओ फिनलैंड के खिलाफ अपना पहला ग्रुप मैच 3-0 से जीता और फिर एसओ जर्मनी के खिलाफ 6-0 की बड़ी जीत के साथ विजयी क्रम जारी रखा। इसके बाद भारतीय दल ने तीसरे मैच में हांगकांग पर 6-0 से जीत हासिल की और फिर डेनमार्क के खिलाफ 3-1 से एक और बड़ी जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई। एसओ भारत और एसओ डेनमार्क के बीच रोमांचक ग्रुप फाइनल में कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन एसओ भारत के खिलाड़ियों ने रोमांचक मुकाबला 4-3 से जीतकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

केरल के रहने वाले मुहम्मद शहीर ने कुल सात गोल किए, जो किसी भी भारतीय खिलाड़ी द्वारा किए गए सबसे ज़्यादा गोल हैं। मछुआरे के बेटे शहीर को बौद्धिक विकलांगता है और उन्हें साइकिलिंग और तैराकी सहित अन्य खेलों के साथ-साथ फुटबॉल का भी शौक है।

केंद्रीय युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने भारतीय दल को बधाई दी और कहा, मुझे यहां उपस्थित होने और प्रत्येक एथलीट की कहानी सुनने का अवसर पाकर बेहद खुशी हो रही है। इन सबने अपने पूरे जीवन में इतने संघर्ष और कठिनाइयों का सामना किया है, और फिर भी हमारे देश के लिए इतना प्रतिष्ठित गौरव हासिल किया है। ये एथलीट देश को आगे ले जा रहे हैं और उनकी सफलता निश्चित रूप से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। यह हमारे देश के लिए एक बड़ा क्षण है।

वाराणसी के शिवेश शर्मा ने 8वीं साउथ एशिया कराटे टूर्नामेंट में जीता रजत

एजेंसी

वाराणसी। भूटान के थिम्फू में 13 से 20 जुलाई तक आयोजित आठवीं कैडेट, जूनियर, अंडर-21 और सीनियर साउथ एशियन कराटे प्रतियोगिता में वाराणसी के कांनीनजुक आर. बी. मार्शल आर्ट्स एकडेमी के खिलाड़ी शिवेश शर्मा ने रजत पदक जीता। शिवेश ने पुरुष कैडेट- 52 भार वर्ग में भारतीय कराटे टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए रजत पक्का किया। प्रतियोगिता का स्व शिवेश के कोच सेंसेई अरविन्द कुमार यादव ने बताया कि भारतीय टीम में शिवेश का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर हुआ था। इस उपलब्धि के लिए अवसर प्रदान करने के लिए कोच ने कराटे एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के महासचिव जसपाल सिंह का आभार जताया। शिवेश की इस उपलब्धि पर क्योशि परमजीत सिंह, क्योशी जसपाल सिंह , सेंसई दिलीप सैनी, सेंसेई अखिलेश रावत सहित अन्य वरिष्ठों ने बधाई दी। शिवेश का वाराणसी आगमन 23 जुलाई को होगा, यहां उनका भव्य तरीके से स्वागत किया जाएगा।

लिएंडर पेस और विजय अमृतराज का इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में सम्मान

एजेंसी

न्यूपोर्ट। भारतीय टेनिस दिग्गज लिएंडर पेस के लिए यह पुरानी यादों को ताजा करने जैसा था, जब उन्होंने अपने परिवार के साथ न्यूपोर्ट स्थित इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम के संग्रहालय का भ्रमण किया। लिएंडर की यादगार चीज़ों में से, जो अब यूएस ईस्ट कोस्ट के इस अनोखे, समृद्ध समुद्र तटीय शहर में प्रदर्शित की जाएंगी, उनकी सबसे प्रिय चीज उनका 1996 अटलांटा ओलंपिक कांस्य पदक है।

लिएंडर ने अपने शुभचिंतकों से भरे हॉल में अपने आंसुओं को रोकने की कोशिश करते हुए कहा, मैंने खेल खेलना इसलिए शुरू किया क्योंकि मैं अपने पिता की तरह बनना चाहता था जिन्होंने ओलंपिक (म्यूनिख 1972 में कांस्य) पदक जीता था। मेरे माता-पिता वहाँ (अटलांटा में) थे, और वे मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। मेरे दोनों भाई-बहनों ने मेरे लिए बहुत कुछ त्याग किया। मैं यहाँ हूँ क्योंकि मुझे इतने सारे लोगों से प्यार और समर्थन मिला है। कांस्य पदक मैच में ब्राजील के फर्नांडो मेलिगिन

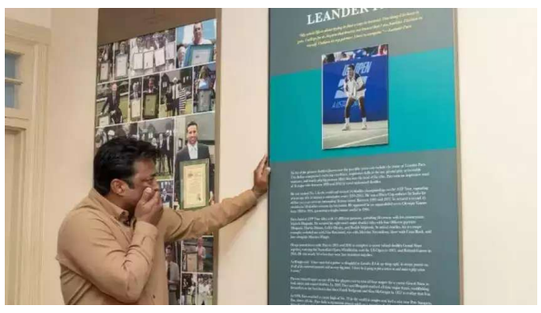

के खिलाफ अटलांटा की जीत ने लिएंडर को भारतीय खेल लोककथाओं में शामिल कर दिया। ओलंपिक में सफलता के लिए भूखे देश को अचानक एक नया नायक मिल गया जो कोई क्रिकेटर नहीं था। लिएंडर की जीत ने भारतीय एथलीटों की एक पीढ़ी को यह विश्वास दिलाया कि वे भी सर्वश्रेष्ठ के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। और उस ऐतिहासिक पदक के बाद से भारत कभी भी ओलंपिक से खाली हाथ नहीं लौटा है।

टेनिस कोर्ट पर लिएंडर हमेशा अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करते थे; उनकी भावनाएँ और साहस उनके खेल का उतना ही हिस्सा थे जितना कि नेट पर उनकी तेज़ प्रतिक्रियाएँ। जब वे भारत के लिए खेल रहे थे, तो उनका जुनून कई गुना बढ़ गया था - चाहे वह डेविस कप हो, ओलंपिक हो या एशियाई खेल। मार्टिना नवरातिलोवा के बारे में, जिनके साथ उन्होंने दो मिश्रित युगल ग्रैंड स्लैम जीते, पेस ने कहा, वह मेरी मार्गदर्शक रही हैं और उन्होंने मुझे जीवनशैली की लंबी अवधि - आहार, नींद, प्रशिक्षण विधियों, रिकवरी के माध्यम से प्रेरित किया है। मुझे 2003 में उनके साथ खेलने का मौका मिला और हमने ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन जीता। उनके साथ खेलना खास था क्योंकि मैं कोलकाता में ब्लैक-एंड-व्हाइट टेलीविज़न पर उन्हें खेलते हुए देखकर बड़ा हुआ हूँ और फिर एक व्यक्ति के रूप में उसे जानना, साथ में विंबलडन जीतना विशेष है। वह सिर्फ़ टेनिस की चैंपियन नहीं है, बल्कि वह जीवन की चैंपियन है। नवरातिलोवा और लिएंडर की 2003 की विंबलडन ट्रॉफी भी यहां प्रदर्शित की गई। 1879 में कमीशन की गई ऐतिहासिक न्यूपोर्ट कैसीनो बिल्डिंग में संग्रहालय के प्रवेश द्वार पर स्थित 2024 की कक्षा की दीवार, एक अन्य भारतीय टेनिस दिग्गज विजय अमृतराज का भी घर होगी।

योगदानकर्ता श्रेणी में शामिल विजय अमृतराज के लिए, खेल हमेशा से दुनिया को एकजुट करने का एक तरीका रहा है। विजय ने कहा, जब हम टेनिस नामक इस खेल में शामिल हुए, तो मेरे माता-पिता अंधेरे में उड़ रहे थे। कभी नहीं पता था कि यह हमें कहाँ ले जाएगा। मैंने अक्सर कहा है कि मेरी सबसे बड़ी प्रतिभा सही माता-पिता के यहाँ पैदा होना था।

उन्होंने कहा, मेरी सबसे बड़ी उदासी, मैं कहूँगा, यह है कि वे इस स्थिति को साझा करने में सक्षम होने के लिए मेरे साथ यहाँ नहीं हैं। लेकिन मुझे इस स्थिति में लाने और मुझे कुछ ऐसा बनाने के लिए उनका यह एक बहुत बड़ा काम और प्रयास रहा है, जिसके बारे में मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था।

'हम उनके बिना खेलेंगे', हसन अली ने भारत के पाकिस्तान न आने पर प्रतिक्रिया दी

नई दिल्ली। भारत के 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान दौरे पर न जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए स्टार पाकिस्तानी तेज गेंदबाज हसन अली ने कहा कि अगर आईसीसी टूर्नामेंट पाकिस्तान में आयोजित किया जाना है, तो इसे भारत की भागीदारी के बिना भी योजना के अनुसार ही आयोजित किया जाना चाहिए। पाकिस्तान आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के 2025 संस्करण की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जो 19 फरवरी को कराची में शुरू होने वाला 8 टीमों का टूर्नामेंट है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में 9 मार्च को फाइनल की मेजबानी की जानी है। टूर्नामेंट के मैचों की मेजबानी के लिए पाकिस्तान में तीन स्थानों को चुना गया है जो आखिरी बार 2017 में आयोजित किए गए थे।

नीरज चोपड़ा की चोट पर कोच बार्टोनिट्ज ने दिया अपडेट, कहा- अब ठीक है, कड़ी ट्रेनिंग कर रहे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा के जर्मन कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज ने उनकी फिटनेस को लेकर सभी चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि पिछले कुछ महीने से इस भाला फेंक एथलीट को परेशान करने वाली जांघ (एडक्टर) की चोट अब ठीक है और यह ओलंपिक चैम्पियन पेरिस के लिए कड़ी तैयारियों में जुटा है। तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जीतकर इतिहास रचने वाले 26 वर्षीय चोपड़ा 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में शीर्ष पोडियम स्थान के लिए एक बार फिर देश की सर्वश्रेष्ठ दावेदार हैं। लेकिन फिटनेस देखी जाये तो उनका सत्र बिल्कुल सही नहीं रहा है। हालांकि बार्टोनिट्ज ने कहा कि अब चीजें पटरी पर आ गई हैं। उन्होंने कहा, 'सब कुछ योजना के अनुसार है। फिलहाल जांघ की चोट की कोई समस्या नहीं है, यह ठीक है। उम्मीद है कि ओलंपिक तक ऐसा ही रहेगा। बार्टोनिट्ज करीब पांच साल से चोपड़ा से जुड़े हैं। उन्होंने तुर्किये के अंताल्या से विशेष साक्षात्कार में बताया, 'ओलंपिक में अभी दो हफ्ते से अधिक समय बचा है इसलिए ट्रेनिंग का स्तर बढ़ा दिया गया है। वह पूरा 'थ्रोइंग' सत्र कर रहे हैं।' चोपड़ा ने 28 मई को एहतियातन ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से हटने का फैसला किया था क्योंकि उन्हें जांघ में कुछ दर्द महसूस हुआ था। उन्होंने 18 जून को फिनलैंड में पावो नूरमी खेलों में 85.97 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतकर जोरदार वापसी की। फिर चोपड़ा ने सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भी नहीं खेलने का फैसला किया और कहा कि यह प्रतियोगिता उनके कैलेंडर का हिस्सा नहीं थी।' पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा छह अगस्त को क्वालीफिकेशन दौर से शुरू होगी जिससे अभी इसे शुरू होने में दो हफ्ते हैं। जब बार्टोनिट्ज से चोपड़ा की ट्रेनिंग कार्यक्रम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'हम सुबह में 'स्प्रिंटिंग', 'जंपिंग' या 'थ्रोइंग' या 'वेटलिफ्टिंग' के सत्र रखते हैं। सुबह और शाम दो सत्र होते हैं जिसमें प्रत्येक दो से ढाई घंटे तक का होता है। उन्होंने कहा कि चोपड़ा का तरीका तोक्यो ओलंपिक से पहले अपनाये गये तरीके जैसा ही है जिसमें वह टूर्नामेंट के बजाय ट्रेनिंग पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं और वह अपने 'ग्रोइन' पर दबाव कम करने के लिए अपनी 'ब्लॉकिंग' करने वाले पैर को मजबूती देने पर भी काम कर रहे हैं।

दीपक हुड्डा की हुई शादी, पोस्ट डालकर लिखा- घर में स्वागत है मेरी हिमाचली चिड़िया

एजेंसी

वाराणसी। पंजाब किंग्स के ऑलराऊंडर दीपक हुड्डा ने आखिरकार अपनी साथी कोमल से शादी कर ली है। बड़ौदा में 15 जुलाई को हुड्डा ने पूरे रिति रिवाजों के साथ शादी की। भारतीय क्रिकेटर की शादी में परिवार के लोग और कुछ दोस्त भी शामिल थे। वैसे भी भारतीय क्रिकेट में इस वक्त शादियों का मौसम चल रहा है। बीते दिनों ही भारतीय क्रिकेटर्स प्रेरक मांकड़ और चेतन साकरिया भी शादी के बंधन में बंधे थे। दीपक हुड्डा ने अपनी लॉन्ग टर्म गर्लफ्रेंड कोमल से 9 साल डेटिंग के बाद शादी की है। दीपक हुड्डा 9 साल के इंतजार के बाद हर पल, हर सपना और हर बातचीत हमें इस खूबसूरत दिन तक ले गई। अगर हम थोड़ी देर के लिए एक-दूसरे को थामे रहें, ऐसी कहानियां बुनें जो केवल हमारे दिल ही सुन सकें। अगर हम थोड़ा खोए हुए लगते हैं, तो हमें माफ करें, क्योंकि आखिरकार हमने एक-दूसरे को पा लिया है। परिवार और दोस्तों की गर्मजोशी से घिरे हुए और उनके आशीर्वाद से बरसते हुए, हमने हमेशा के लिए अपनी शुरुआत की। हमारा दिल भरा हुआ है, आप सभी को धन्यवाद। हुड्डा की शादी वाली पोस्ट पर भारतीय क्रिकेटरों ने जमकर कमेंट किए।

महाराजा ट्रॉफी केएससीए टी20 सीजन 3: मयंक, पडिक्कल, मनीष पांडे रिटेन किये गए खिलाड़ियों में शामिल

एजेंसी

बेंगलुरु। श्रीराम कैपिटल महाराजा ट्रॉफी केएससीए टी20 के तीसरे सीजन से पहले कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने छह फ्रेंचाइजी द्वारा रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। मयंक अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, मनीष पांडे, करुण नायर, अभिनव मनोहर और व्यशाक विजयकुमार रिटेन किए गए खिलाड़ियों में सितारों में शामिल हैं।

बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 15 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट में गत विजेता हुबली टाइगर्स, उपविजेता मैसूर वारियर्स, गुलबर्गा मिस्टिक्स, बेंगलुरु ब्लास्टर्स, मंगलुरु ड्रैगन्स और शिवमोगा लायंस खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रत्येक फ्रैंचाइज़ ने 25 जुलाई, 2024 को

होने वाली खिलाड़ी नीलामी से पहले अपने पिछले सीज़न की टीम से चार खिलाड़ियों को बनाए रखने के अपने अधिकार का प्रयोग किया। गत विजेता हुबली टाइगर्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ चैंपियनशिप सीजन से लौटे कप्तान मनीष पांडे, विकेटकीपर श्रीजीत केएल और युवा ऑलराउंडर मनवंत कुमार की सेवाएं बरकरार रखीं। मध्यम गति के तेज गेंदबाज विद्वाथ कवरप्पा भी हुबली टाइगर्स के गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे। उल्लेखनीय है कि मनीष पांडे और श्रीजीत केएल पिछले सीजन में शीर्ष पांच रन बनाने वालों में शामिल थे, जबकि मनवंत कुमार सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। पिछले साल के उपविजेता मैसूर वॉरियर्स ने पिछले सीजन के शीर्ष स्कोरर और कप्तान करुण नायर, विस्फोटक सीए कार्तिक और विलक्षण एस.यू. कार्तिक को बरकरार रखते हुए मजबूत शीर्ष क्रम को प्राथमिकता दी। आक्रामक ऑलराउंडर मनोज भंडगे भी एक बार फिर मैसूर वॉरियर्स के लिए खेलेंगे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज देवदत्त पड्डिकल को चोट के कारण गुलबर्गा मिस्टिक्स के पिछले अभियान से बाहर होना पड़ा था, लेकिन वह इस सीजन में मिस्टिक्स की बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए वापसी कर रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज व्यशांक विजयकुमार के साथ बल्लेबाज स्मरण रवि और अनीश केवी को भी टीम में बरकरार रखा गया है।

जूनियर पुरुष, महिला पश्चिम क्षेत्र हॉकी शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। दूसरी हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष और महिला पश्चिम क्षेत्र चैंपियनशिप 2024 छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में 21 से 28 जुलाई तक आयोजित की जाएगी।

भाग लेने वाली टीमों को महिला वर्ग में दो पूल में बांटा गया है। पूल ए में हॉकी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ हॉकी और हॉकी गुजरात शामिल हैं। पूल बी में हॉकी महाराष्ट्र, हॉकी राजस्थान, गोवा हॉकी और दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव हॉकी शामिल हैं। प्रतियोगिता का प्रारूप प्रत्येक पूल में राउंड-रॉबिन होगा, जिसमें प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

पुरुष वर्ग में छह टीमें हॉकी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ हॉकी, हॉकी गुजरात, हॉकी महाराष्ट्र, हॉकी राजस्थान और गोवा हॉकी एक ही पूल में हैं। राउंड-रॉबिन से शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी, जबकि तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली

टीमें नॉकआउट मुकाबले में तीसरे स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने कहा, हम दूसरी हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष और महिला वेस्ट जोन चैंपियनशिप का इंतजार कर रहे हैं, जिसमें क्षेत्र की होनहार युवा प्रतिभाएं एक साथ आएंगी।

उन्होंने कहा, यह चैंपियनशिप खिलाड़ियों के रूप में सीखने और विकसित होने के बारे में है। यह युवा खिलाड़ियों को अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने और महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त करने के लिए एक अच्छा मंच प्रदान करता है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, हमारा उद्देश्य जूनियर खिलाड़ियों को निखारना और उन्हें सर्वश्रेष्ठ संभव प्रदर्शन देना है। इस तरह की प्रतियोगिताएं उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने और उन्हें खेल के उच्च स्तरों के लिए तैयार करने में सहायक होती हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन महिला वर्ग में हॉकी मध्य प्रदेश का मुकाबला गोवा हॉकी से होगा, जबकि हॉकी राजस्थान का मुकाबला दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव हॉकी से होगा। पुरुष वर्ग में हॉकी मध्य प्रदेश का मुकाबला गोवा हॉकी से, हॉकी राजस्थान का मुकाबला हॉकी गुजरात से और हॉकी महाराष्ट्र का मुकाबला छत्तीसगढ़ हॉकी से होगा।

इस बार पेरिस ओलंपिक में भारतीय सेना के 24 एथलीट दिखाएंगे दमखम

एजेंसी

नई दिल्ली।पेरिस ओलंपिक में भारत से शामिल होने वाले 117 भारतीय एथलीटों में 24 सशस्त्र बल कर्मी होंगे। इन 24 एथलीटों में 22 पुरुष हैं, जिनमें स्टार जेवलिन थ्रोअर सूबेदार नीरज चोपड़ा शामिल हैं। दो महिला एथलीट हैं। ओलंपिक में महिला सैन्य एथलीट पहली बार शामिल होंगी। टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता सूबेदार नीरज चोपड़ा एक बार फिर पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेकर स्वर्ण पदक का दावा करेंगे। सेना के सूबेदार नीरज चोपड़ा ने वर्ष 2023 के एशियाई खेलों, विश्व एथलेटिक्स

चैंपियनशिप, वर्ष 2024 की डायमंड लीग और वर्ष 2024 के पावो नूरमी खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। वर्ष 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता हवलदार जैस्मीन लाम्बोरिया और वर्ष 2023 के एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता सीपीओ रितिका हुड्डा महिला सेवा कर्मी पहली बार ओलंपिक खेलों में भाग ले रही हैं। वे मुक्केबाजी और कुश्ती में भाग लेंगी। पेरिस ओलंपिक में सैन्यकर्मियों की भागीदारी खेल उत्कृष्टता को प्रोत्साहन देने और एथलेटिक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सेना के सूबेदार अमित पंघाल (मुक्केबाजी), सीपीओ तजिंदरपाल सिंह तूर (शॉट-पुट), सूबेदार अविनाश मुकुंद साबले (3000 मीटर स्टीपलचेज), सीपीओ मोहम्मद अनस याहिया, पीओ (जीडब्ल्यू) मुहम्मद अजमल, सूबेदार संतोष कुमार तमिलारासन और जेडब्ल्यूओ मिजो चाको कुरियन (4-400 मीटर पुरुष रिले), जेडब्ल्यूओ अब्दुल्ला अबूबकर (ट्रिपल जंप), सूबेदार तरुणदीप राय और सूबेदार धीरज बोम्मा देवरा (तीरंदाजी) और नायब सूबेदार संदीप सिंह (निशानेबाजी) भी उन सैन्य कर्मियों में शामिल हैं, जो देश को गौरवान्वित करने के लिए प्रतिस्पर्धा में भाग लेंगे।

स्मृति मंधाना ने एशिया कप में दिव्यांग बच्ची को दिया मोबाइल, वीडियो आई बाहर

नई दिल्ली।

दाम्बुला (श्रीलंका)। भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने यहां महिला टी20 एशिया कप टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ टीम के मैच के बाद एक दिल छू लेने वाली पहल करते हुए व्हीलचेयर पर बैठी एक लड़की को मोबाइल फोन उपहार में दिया। अपनी मां के साथ व्हीलचेयर पर स्टेडियम आई आदिशा हेराथ को उस समय सुखद आश्चर्य हुआ जब मंधाना उनसे मिलने आईं और उन्हें एक फोन दिया।श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने इस वाकए का वीडियो जारी करते हुए लिखा- आदिशा हेराथ का क्रिकेट के प्रति प्रेम उन्हें तमाम चुनौतियों के बावजूद स्टेडियम तक ले आया। उनके दिन का मुख्य आकर्षण उन्हें अपनी पसंदीदा क्रिकेटर स्मृति मंधाना के साथ एक आश्चर्यजनक रूप से सुखद मुलाकात करने का मौका मिला। स्मृति ने उन्हें एक मोबाइल फोन उपहार में दिया।' मंधाना इस वीडियो में लड़की का नाम पूछ रही है। उन्होंने इस लड़की के साथ 'हाई फाइव' किया और फिर फोटो खिंचवाई। मंधाना ने कहा कि आपको क्रिकेट पसंद है, यह अच्छी बात है। आपने आज के मैच का लुत्फ उठाया। मैं हम सब की ओर से आपके लिए एक उपहार लाई हूं। व्हीलचेयर के पीछे खड़ी आदिशा की मां ने कहा कि उनकी बेटी के लिए यह एक अप्रत्याशित उपहार था। उन्होंने कहा कि हम अचानक से मैच देखने आये थे क्योंकि मेरी बेटी मैच देखने जाना चाहती थी। हम भारतीय टीम की मंधाना मैडम से मिले और उन्होंने मेरी बेटी को फोन उपहार में दिया। यह अप्रत्याशित था।

जब उम्र में 10 साल बड़ी

श्वेता तिवारी

के साथ जुड़ा फहमान खान का नाम, एक्टर ने अब तोड़ी चुप्पी

छोटे पर्दे के मशहूर एक्टर फहमान खान अक्सर चर्चा में छाए रहते हैं. उन्होंने कई हिट टीवी सीरियल में अपनी दमदार एक्टिंग का जलवा दिखाया है. उन्होंने टीवी पर सपोर्टिंग रोल निभाकर अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. उनका नाम यूं तो कई टीवी एक्ट्रेस के साथ जुड़ चुका है. लेकिन जब छोटे पर्दे की टॉप एक्ट्रेस श्वेता तिवारी के साथ फहमान खान के लिंकअप की खबरें सामने आई तो हर कोई हैरान रह गया था.हाल ही में, सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में, उन्होंने श्वेता तिवारी के साथ डेटिंग अफवाहों पर खुलकर बात की. दरअसल श्वेता तिवारी के शो मेरे डैड की दुल्हन से फहमान खान को एक बड़ा ब्रेक मिला था. इसी शो के सेट से ये अफवाह सामने आई की ये दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. उस वक्त श्वेता अपने तलाक से भी गुजर रही थीं. इस अफवाह पर बात करते हुए फहमान ने हंसते हुए कहा कि मेरे हर शो में अफवाह आती है यार. मैं तो उनको गुरु जी बुलाता था और वह मुझे सखी कहती थीं क्योंकि मैं उस शो में उनका विश्वासपात्र था.फहमान से अगला सवाल किया गया कि उस वक्त क्या उन्होंने श्वेता तिवारी को

अवॉइड करने की कोशिश की थी क्योंकि वो पहले से ही तलाक के दौर से गुजर रही थीं. इस पर एक्टर ने कहा कि, हम जानते हैं कि हम कैसे जुड़े, हम कैसे आगे बढ़े और हमारा रिश्ता कैसा था. अगर छुपाने को कुछ होता तो दिक्कत हो जाती. जब आप सच में किसी रिश्ते में होते हैं और लोग नोटिस करते हैं, तो आप थोड़ा सचेत हो जाते हैं कि शायद लोगों को पता चल जाए, लेकिन अगर कुछ नहीं है, तो आपको सचेत होने की जरूरत नहीं है.

श्वेता तिवारी के साथ उनके लिंकअप की खबरों को कैसे जन्म मिला, इसपर बात करते हुए फहमान ने कहा कि, वह उनसे मिलने उनकी बिल्डिंग पर पहुंचे थे. जहां उन्हें साथ देखकर शायद इन खबरों को हवा मिली. फहमान ने कहा ये एक अफवाह थी जो उड़ी क्योंकि मैं उनसे कोविड के दौरान मिला था, बिल्डिंग के नीचे, और किसने अफ़वाह फैलाई कि आप कोविड के समय पर जाके मिल रहे हो, इसका एक ही मतलब हो सकता है.वहीं एक्टर ने ये भी माना की वो जिस भी को-एक्ट्रेस के साथ काम करते हैं, उनका नाम उनसे जोड़ दिया जाता है.

मेरे पिता गुस्सैल थे...रणबीर कपूर ने पिता ऋषि कपूर के निधन के 4 साल बाद कही ऐसी बात

रणबीर कपूर अपनी अदाकारी से हर बार अपने फैन्स का दिल जीत लेते हैं. पिछले साल उनकी फिल्म एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर बवाल मचा दिया. फिल्म ने 900 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया और हर कोई रणबीर कपूर की तारीफ करता हुआ नजर आया. पूरी फिल्म में उन्होंने अपने किरदार पर पकड़ बनाए रखी. रणबीर के अब तक के करियर की एनिमल सबसे ज्यादा कारोबार करने वाली फिल्म बन गई. एक्टर अपने काम के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी सुर्खियों में रहते हैं.दिग्गज एक्टर ऋषि कपूर के उनके बेटे रणबीर कपूर के साथ रिश्ते हमेशा चर्चे में रहे. अक्सर ये सुनने को मिला की दोनों बाप-बेटे के बीच के रिश्ते कुछ ठीक नहीं थे. माना जाता रहा है कि रणबीर अपने पिता ऋषि के साथ ज्यादा फ्रेंडली नहीं थे. हाल ही में रणबीर ने अपने पिता के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की. यूट्यूबर निखिल कामथ के पॉडकास्ट 'पीपल विद डब्ल्यूटीएफ' के दौरान रणबीर कपूर ने ऋषि कपूर के बारे में बात करते हुए उनके स्वभाव पर चर्चा कीप्रोमो में रणबीर कहते हैं कि उनके पिता 'गुस्सैल' थे लेकिन वो एक अच्छे इंसान थे. उन्होंने कभी अपने पिता की आंखों का रंग नहीं देखा. रणबीर अपने पिता के सामने हमेशा अपना सिर नीचे झुकाए रखते थे. एनिमल के प्री-रिलीज़ इवेंट के दौरान भी रणबीर ने अपने दिवंगत पिता को लेकर बात की थी. एक्टर ने बताया था कि उनके पिता ऋषि काफी ट्रैवल किया करते थे, जिसके चलते वह दोनों फ्रेंडली रिलेशनशिप नहीं बना पाए.

रणबीर ने आगे कहा था कि वह अपने पिता का काफी सम्मान करते थे लेकिन उनके साथ कभी फ्रेंडली नहीं रहे. फिल्म एनिमल रणबीर के दिल के बेहद करीब है. क्योंकि उसकी कहानी से वो काफी रिलेट कर पाते हैं. ये फिल्म बाप-बेटे के रिश्ते पर बेस्ड थी, जहां पिता अपने बेटे को जरा भी वक्त नहीं दे पाता है और बेटा अपने पिता के लिए तरसता हुआ दिखाई देता है.

मैं झाड़ू पोछा भी मार लूंगा...अनुराग कश्यप के सामने क्यों गिड़गिड़ाने लगे थे कटरीना के पति विकी कौशल

विकी कौशल इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म बैड न्यूज को लेकर चर्चा में हैं. फिल्म 19 जुलाई को बड़े पर्दे पर रिलीज़ हुई है. विकी बॉलीवुड के उन चंद अभिनेताओं में से एक हैं, जिन्होंने बेहद कम वक्त में इंडस्ट्री में अपने अभिनय के दम पर बड़ा नाम कमाया है. अब विकी ने इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत के बारे में बताया और कहा कि कितनी मिन्नतों के बाद उन्हें अनुराग कश्यप की फिल्म में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर रखा गया था.विकी कौशल ने एक इंटरव्यू में बताया कि इंडस्ट्री उन्होंने अनुराग कश्यप की फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर शुरुआत की थी. उन्होंने कहा, मुझे पहले नहीं पता था कि सेट पर फिल्में कैसे बनती हैं. छोटी स्क्रिप्ट, जो पन्ने पर लिखी होती है वो अमर कैसे हो जाती है? मुझे कैमरे पर आने से पहले वो प्रोसेस जानना था. वो बहुत अच्छे हैं कि उन्होंने मुझे मौका दिया.

कैसे मिला अनुराग कश्यप के पास काम ?

विकी ने कहा कि मुझे अपने पिता की वजह से अनुराग कश्यप के पास काम नहीं मिला. उन्होंने उस दिन को याद करते हुए कहा, मैंने अपने एक्टिंग स्कूल से उन्हें कुछ चीजें दिखाईं. मैंने कहा सर मुझे एक्टिंग करनी है. मैं सीखना चाहता हूं. मुझे आप इंटर्न ही रख लो. 10वां एडी (असिस्टेंट डायरेक्टर) रख लो. मैं झाड़ू पोछा मार लूंगा सेट पर. मुझे बस देखना है कि होता क्या है सेट पर. सच कहूं तो मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं क्योंकि कई लोगों के ये मौका भी नहीं मिलता है.

'ऐसी नौबत आई तो तू पहले निकलेगा'

विकी ने बताया कि अनुराग कश्यप ने उनसे शुरू में नहीं बोला था. उन्होंने कहा था कि मुझे नहीं पता कि मैं फिल्म बना रहा हूं या नहीं. शायद ये नहीं होगा. उन्होंने बताया, फिल्म नहीं होने वाली थी. फिर मिल गई. उन्होंने मुझसे कहा कि एक फिल्म बन रही है, लेकिन 10वां एडी होगा. जैसे ही किसी को पहले निकालना होगा, ऐसी नौबत आई तो तू पहले निकलेगा. मैंने कहा कि मुझे दो दिन भी मिल जाए, एक दिन भी मिल जाए, कितना भी टाइम मिल जाए. वो मौका मुझे मिला और मैंने बहुत कुछ सीखा. वो मेरा फिल्म स्कूल था.

ऐसी नौबत क्यों आई? अरमान मलिक को पहली पत्नी पायल देंगी तलाक, सुना दिया फरमान

बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 में यूट्यूबर अरमान मलिक अपनी दो पत्नियों के साथ आए थे, पायल मलिक और कृतिक मलिक. उनकी पहली पत्नी पायल शो से बाहर हो चुकी हैं. अरमान और कृतिका अनिल कपूर के शो का अभी हिस्सा हैं. पर बिग बॉस के घर में कैद अरमान मलिक की जिंदगी में भूचाल आने वाला है. अरमान की पहली पत्नी पायल ने अपने लेटेस्ट व्लॉग में साफ कर दिया है कि वो अब अरमान से अलग होने वाली हैं.पायल मलिक ने अपने वीडियो में कहा है कि अरमान के दो शादियों के चलते वो ऑनलाइन ट्रोलिंग नफरत और लगातार हमले से तंग आ गई हैं. उन्होंने कहा है कि जब अरमान और उनकी दूसरी पत्नी कृतिका बिग बॉस ओटीटी से बाहर आएंगे तो वो इस बारे में उनसे बात करेंगी. उनका कहना है कि उनके बच्चे उनकी प्राथमिकता हैं और उनकी भलाई के लिए वो कुछ भी करेंगी.पायल ने वीडियो में कहा, इतने सारे ट्रोल, इतनी सारी गालियं देखकर ऐसा लगता है कि सारी चीजें हमारे बच्चों पर आ रही हैं. लोग चाहते हैं कि ये रिश्ता टूट जाए. हम तीनों अलग हो जाएं. इतना सब सहन करने से अच्छा है न कि गोलू (कृतिका) और अरमान के आने के बाद न मैं बच्चों को लेकर अलग हो जाऊं. क्योंकि मैं नहीं सहन कर सकती यार. बहुत सहन कर लिया.

'बाहर क्या चल रहा, अरमान-कृतिक को नहीं पता'

पायल कहती हैं, उन लोगों को तो कुछ पता नहीं चल रहा अंदर कि बाहर क्या चल रहा है. वो अंदर अपनी गेम खेल रहे हैं. उनको टेंशन नहीं है पर मुझे दिन रात टेंशन हो रही है. घर संभालो, बच्चे संभालो, लोगों को संभालो, ट्रोलिंग संभालो, लोगों की गालियां सुनों, बच्चों के लिए बद्दुआ सुना. तो मैं इतना नहीं सुन सकती. मैंने अब सोच लिया है. बहुत चीजें कैलकुलेट की हैं कि आने वाले समय में बच्चों के साथ क्या होगा. बच्चों को लोग क्या बोलेंगे. कैसा व्यवहार करेंगे.

पायल ने कहा कि ये सब नॉर्मल नहीं है. मैं नहीं चाहती जो मेरे साथ हो रहा है वो बच्चों के साथ भी हो. उन्होंने कहा, इन चारों बच्चों के लिए कुछ न कुछ सोचना पड़ेगा और फाइनल डिजिसन लेना पड़ेगा. और ये फैसला में खुद अकेली नहीं ले सकती. बैठकर बात कर केज्ये फैमिल जो है वो टूटेगी, एक सो दो बनेगी क्योंकि लोग नहीं पसंद कर रहे. एक घर में लोगों को दो औरतें नहीं अच्छी लग रही. भले ही वो प्यार से और मेल मिलाप से रह रही हैं. उन्होंने कहा कि जो फैसला होगा मैं जरूर बताऊंगी.